* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

24 नवंबर, 2022
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, पंचमी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 08, अंक 36

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

कुमार विश्वास झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस के सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुए शामिल

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की टीएसी बैठक की अध्यक्षता

निकाय चुनाव टला, आरक्षण रोस्टर पर कानूनी राय लेगी राज्य सरकार

- आदिवासी संगठनों का आंदोलन लाया रंग, 11 एजेंडों पर हुई चर्चा, लिये गये फैसले

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में निकाय चुनाव फिलहाल टल गया है। झारखंड जनजातीय परामर्शदातृ समिति (टीएसी) की बुधवार को हुई बैठक में निकाय चुनाव में आरक्षण को लेकर चर्चा हुई। इसमें कहा गया कि एसटी सीटों पर आरक्षण के मामले में सरकार कानूनी राय लेगी। इसके बाद ही चुनाव पर कोई निर्णय लिया जायेगा। यह फैसला बुधवार को टीएसी की बैठक में लिया गया।

टीएसी की थी तीसरी बैठक

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में टीएसी की बुधवार को तीसरी बैठक थी। इसमें 11 एजेंडे पर चर्चा के बाद फैसला लिया गया। बैठक में निकाय चुनाव में आरक्षण संबंधित मामले के आलावा इको टूरिज्म को बढ़ावा देने, लघु वन उत्पाद के संबंध में, जनजातीय भाषा में कक्षा एक से पांच तक के लिए अध्ययन और जनजातीय भाषाओं के अधिक से अधिक उपयोग पर नीति बनाने समेत अन्य मामलों पर विचार के बाद निर्णय लिया गया।

भारत सरकार को की जायेगी अनुशंसा

बैठक में अधिकांश सदस्यों ने एकल पद पर एसटी का आरक्षण समाप्त करने का विरोध किया और इसको लेकर कैबिनेट में एक प्रस्ताव लाकर केंद्र सरकार भेजने का सुझाव दिया है। ऐसे में नगर निकाय चुनाव की तिथि को आगे बढ़ाने का सुझाव दिया गया है। माना जा रहा है कि अब नगर निगम चुनाव समय पर नहीं होगा। फैसले की जानकारी के मुताबिक 'द म्यूनिसपेलिटीज (एक्सटेंशन टू द शिड्यूल एरियास) बिल, 2011' के स्टैंडिंग कमिटी की अनुशंसा 'नगर निकाय की समिति, जिसमें जनजातीय समुदायों का प्रतिनिधित्व हो, की अनुशंसा नगर निकाय को बाध्यकारी होगी, को विलोपित करने की अनुशंसा की गयी थी। इस पर विचारोपरांत उक्त प्रावधान को यथावत रखने की अनुशंसा भारत सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि जनजातीय हितों की रक्षा के प्रतिकूल कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए। इसके अलावा यह भी निर्णय लिया गया कि झारखंड पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार नियामावली, 2022 के प्रारूप पर संबंधित विभागों एवं पक्षों से सम्यक विचारोपरांत निर्णय लिया जाये।

बैठक में थे मौजूद

बैठक में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री-सह-टीएसी के उपाध्यक्ष चंपाई सोरेन, विधायक-सह-टीएसी सदस्य प्रो स्टीफन मरांडी, दीपक बिरुआ, दशरथ गगराई, विकास कुमार मुंडा, नमन विक्सल कोनगाड़ी, राजेश कच्छप, सोनाराम सिंकू, शिल्पी नेहा तिर्की, मनोनीत सदस्य विश्वनाथ सिंह सरदार, जमल मुंडा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, सचिव के श्रीनिवासन, सचिव केके सोन, सचिव हिमानी पांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

- पर्यावरण और जनजातीय संस्कृति का संरक्षण करते हुए राज्य में परिवेशीय अनुकूलन पर आधारित पर्यटन अर्थात इको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जायेगा।
- लघु वन उत्पाद की खरीद-बिक्री के लिए सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड कार्यरत है इसी के अंतर्गत व्यापक रूप से लघु वन उत्पाद की खरीद-बिक्री कर वन क्षेत्र में रहने वाले लोगों की अधिक से अधिक आय वृद्धि हो इसके लिए पहल किये जाने का निर्णय लिया गया।
- वनाधिकार अधिनियम-2006 के अंतर्गत अधिक से अधिक सामुदायिक पट्टा दिये जाने और उसमें अधिक से अधिक वन भूमि का उपयोग वन विभाग के नियमों एवं पर्यावरण के अनुकूल किये जाने पर जोर दिया गया।
- जनजातीय भाषा में कक्षा एक से पांच तक के लिए अध्ययन और जनजातीय भाषाओं के अधिक से अधिक उपयोग पर डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान के माध्यम से अध्ययन कराते हुए एक नीति बनायी जायेगी। और जनजातीय भाषाओं में अधिक से अधिक पाठ्य पुस्तकों का अनुवाद कराते हुए उसका वितरण कराये जाने का निर्णय लिया गया।
- जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया को तेज किया जाये। आवश्यकता अनुसार पद सृजन भी किया जाये।
- होड़ोपैथी आदिवासी ज्ञान परंपरा का गौरवपूर्ण हिस्सा रहा है। इसको देखते हुए इसके वैज्ञानिक विश्लेषण, अध्ययन, अनुसंधान, प्रकाशन के साथ सीएसआइआर के तरह वैज्ञानिक प्रयोगशाला बनाते हुए इसे आयुष में सम्मिलित किये जाने पर जोर दिया गया।
- जनजातीय समुदाय के युवाओं को पांच वर्ष से अधिक भुगतान अवधि के साथ ऋण प्रदान किये जाने हेतु अन्य राज्यों के प्रावधानों का अध्ययन कराते हुए बैंकों के साथ राज्य स्तरीय बैठक कर नीति बनायी जाये।

टीएसी की अनुसंशा अनिवार्य: चंपई सोरेन

बैठक के बाद मंत्री सह टीएसी उपाध्यक्ष चंपई सोरेन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा 'द प्रोविजन ऑफ द म्यूनिसिपैलिटिज बिल 2001' पर स्टैंडिंग कमेटी द्वारा प्रस्तावित संशोधन पर विचार करने का था। इस बिल में प्रावधान किया गया है कि अनुसूचित क्षेत्र में स्थित नगर निकायों में अनुसूचित जनजाति की आबादी अधिक होने पर उसके अनुरूप मेयर अध्यक्ष या वार्ड पार्षद का पद अनुसूचित जनजाति के लिए ही आरक्षित होगा। परंतु इसके लिए टीएसी की अनुशंसा अनिवार्य है। अब आरक्षण रोस्टर पर महाधिवक्ता से राय ली जायेगी। इसके बाद ही इस दिशा में कदम उठाये जायेंगे।

रांची विवि में 109 करोड़ के घोटाले पर राज्यपाल गंभीर, जांच का आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

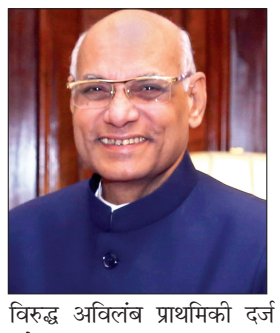

रांची। रांची विवि में पिछले कुछ समय में 109 करोड़ के घोटाले को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। इस पर राजभवन गंभीर है। इसे लेकर बुधवार को राज्यपाल रमेश बैस ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति को इस पूरे मामले की जांच के लिए तथा अन्य जरूरी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वह अनियमितताओं से संबंधित तथ्यों की गंभीरतापूर्वक समीक्षा करें। 109 करोड़ की संचिका खो जाने के मामले में दोषी पदाधिकारियों/कर्मियों के विरुद्ध अविलंब प्राथमिकी दर्ज करें। राज्यपाल-सह-कुलाधिपति रमेश बैस के समक्ष रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने तत्कालीन प्रभारी कुलपति डॉ कामिनी कुमार के कार्यकाल में बरती गयी विभिन्न अनियमितताओं के संदर्भ में ध्यान आकृष्ट कराया। इस पर कुलाधिपति कार्यालय द्वारा समीक्षा की गयी। समीक्षा के बाद कुछ बिंदुओं पर प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। बता दें कि इसी मसले पर राज्यपाल ने तटस्थ जांच के लिए डॉ कामिनी कुमार को प्रशासनिक दृष्टिकोण से रांची विश्वविद्यालय से प्रति कुलपति, कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा में स्थानांतरित कर दिया था।

(देखें पेज 03 भी)

सीवी आनंद बोस ने ली बंगाल के राज्यपाल के रूप में शपथ

- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पूर्व राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी और विधानसभा के अध्यक्ष विमान बनर्जी समेत शामिल हुए तृणमूल के अधिकांश मंत्री और विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। सीवी आनंद बोस ने बंगाल के राज्यपाल के रूप में बुधवार को शपथ ग्रहण किया। कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव ने राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें शपथ दिलायी। इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राज्य विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी, बंगाल के पूर्व राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी के अलावा कई मंत्री मौजूद रहे। हालांकि राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। बाद में शुभेंदु ने आरोप लगाया कि ममता सरकार की ओर से शपथ ग्रहण समारोह में बैठने के लिए जो इंतजाम किया गया था उसमें भाजपा छोड़कर तृणमूल में शामिल हुए विधायकों के साथ कुर्सी लगायी गयी थी। ऐसा कर उन्हें अपमानित करने की कोशिश की गयी। इसलिए उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया।

बोस भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के 1977 बैच के केरल कैडर के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

विपक्ष ने किया बायकॉट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस के शपथ ग्रहण में नहीं गये। इसकी वजह समारोह में किया गया सीटिंग अरेंजमेंट था। शुभेंदु ने ट्वीट कर बताया कि उन्हें विधायक कृष्णा कल्याणी और बिस्वजीत दास के बगल में बैठाया गया था, जो भाजपा के टिकट पर चुने गये थे, लेकिन बाद में टीएमसी में शामिल हो गये। इतना ही नहीं, उन्होंने ममता बनर्जी को भारत में पैदा हुआ सबसे मनहूस नेता करार दिया। मुख्यमंत्री पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि वे भारत में पैदा हुईं अब तक की सबसे घटिया राजनेता हैं, जो शर्मनाक तरीके से सत्ता पर काबिज हो गयीं। अगर वे ये सोचकर खुश हैं कि उनकी यह रणनीति मुझे परेशान करेगी, तो वे मूर्खों के स्वर्ग में रह रही हैं। लेकिन मैं उनकी तरह नहीं हूं, बल्कि मैं अपनी गरिमा के लिए जागरूक हूं।

एम्स का सर्वर हैक!

नयी दिल्ली। देश के सबसे मशहूर अस्पताल दिल्ली एम्स का सर्वर बुधवार सुबह से डाउन रहा। आशंका है कि सर्वर को हैक कर लिया गया है। मरीजों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में दिक्कतें आ रही हैं। इस अस्पताल में देशभर से मरीज आते हैं। ऐसे में मरीजों और एडमिन ऑफिस को इसके चलते काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

राजधानी में जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या

- गोलीबारी से इलाके में हड़कंप मचा, एक अन्य युवक को लगी गोली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में जमीन कारोबारी को अपराधियों ने बुधवार की देर शाम गोली मारकर हत्या कर दी है। यह घटना रांची के बरियातू थाना क्षेत्र स्थित एदलहातू में हुई है। जहां बुधवार की देर शाम जमीन कारोबारी धवन राम को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों के द्वारा धवन राम को रिम्स भेजा गया है, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची। धवन राम बरियातू थाना क्षेत्र के एदलहातू स्थित महाराणा

धवन राम। फाइल फोटो।

सिंह गली के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि घटना के समय उनके साथ खड़े भोला सिंह नाम के व्यक्ति को भी गोली लगी है।

मिली जानकारी के अनुसार धवन राम देर शाम एदलहातु चौक के पास स्थित एक पान गुमटी के पास खड़े थे, उसी दौरान दो अपराधी मौके पर पहुंचे और धवन को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। आधा दर्जन से ज्यादा गोली चलायी गयी। वहीं आनन-फानन में घायल जमीन कारोबारी को रिम्स अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इधर मामले की जानकारी मिलते ही सदर डीएसपी, बरियातू थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौके पर पहुंच मामले की तफ्तीश की। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, पूछा

किसी मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल पूरा क्यों नहीं होता?

- अरुण गोयल की नियुक्ति की फाइल पेश करने को कहा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त के रूप में अरुण गोयल की नियुक्ति पर दखल दिया है। अदालत ने बुधवार को सुनवाई के दौरान चुनाव आयुक्त के तौर पर अरूण गोयल की नियुक्ति संबंधी फाइल मांगी है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अरुण गोयल की चुनाव आयुक्त पद पर कैसे नियुक्ति की गयी है। अदालत ने इसका रिकॉर्ड भी मांगा है। अदालत ने कहा कि सुनवाई शुरू होने के तीन दिन के भीतर नियुक्ति हो गयी। हम यह जाननता चाहते हैं कि नियुक्ति के संदर्भ में क्या प्रक्रिया अपनायी गयी है। अगर यह नियमानुसार किया गया है, तो इसमें परेशान होने वाली कोई बात नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि 1990 से 1996 के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त (सीइसी) टीएन शेषन की नियुक्ति के बाद किसी भी मुख्य चुनाव आयुक्त को अपने पूरे कार्यकाल का मौका नहीं मिला। क्या ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सरकार को सीइसी बनाये जाने वाले व्यक्ति के जन्म की तारीख पता होती है? गौरतलब है कि याचिकाकर्ता प्रशांत भूषण ने संविधान पीठ को बताया था कि गुरुवार को उन्होंने ये मुद्दा उठाया था। इसके बाद एक सरकारी अफसर को वीआरएस देकर चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया। बावजूद इसके कि पहले ही उन्होंने इसे लेकर अर्जी दाखिल की थी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी अरुण गोयल ने सोमवार को चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला है। इससे पहले उन्हें शनिवार को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था। उन्होंने शुक्रवार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी। गोयल को 31 दिसंबर 2022 को 60 साल की आयु में सेवानिवृत्त होना था। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए परामर्श प्रक्रिया में सीजेआइ को शामिल करने की बात कही है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 49,600 रु./10 ग्राम
चांदी 64,500 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 24 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

झारखंड के आम शहरियों की जिंदगी बदल दी एक फैसले ने

हेमंत ने मकान नियमित करने की योजना से तैयार कर लिया नया समर्थक वर्ग

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड के लगातार गरम होते राजनीतिक वातावरण के बीच यदि सरकार की तरफ से कोई लोक लुभावन फैसला होता है, तो स्वाभाविक रूप से इसके सियासी नफा-नुकसान की बात की जाने लगती है। ऐसा ही एक फैसला पिछले दिनों हेमंत सोरेन सरकार ने लिया है और कहा जा रहा है कि इस फैसले से झामुमो के लिए एक बड़ा समर्थक वर्ग तैयार हो गया है। हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य के शहरी इलाकों में बनाये गये उन तमाम भवनों को नियमित करने की योजना तैयार की है, जिनका निर्माण बिना नक्शा के किया गया है। इस फैसले से करीब नौ लाख मकानों को लाभ होगा। झारखंड सरकार की यह योजना इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे अनियमित ढंग से बनाये गये मकानों को प्रशासनिक कुदृष्टि से मुक्ति मिल जायेगी। झारखंड सरकार की यह योजना समाज के सभी वर्गों के लिए समान रूप से लाभकारी साबित होने वाली है, क्योंकि शहरी इलाके में अपना घर तो आजकल हरेक परिवार का सपना होता है और एक आम शहरी अपने जीवन भर की कमाई लगाकर अपने सपनों का आशियाना बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में झारखंड की यह विडंबना रही है कि यहां प्रशासन ने कोई ढंग का निर्माण तो किया नहीं, लेकिन तोड़-फोड़ का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। शहरों में अक्सर अवैध ढंग से बनाये गये मकान को तोड़ने की खबरें सुर्खियां बटोरती रही हैं, लेकिन हेमंत सरकार की नयी योजना अब इस पर रोक लगा देगी। इसके अलावा जिन लोगों के मकान नियमित होंगे, उनका बड़ा हिस्सा झामुमो को सियासी लाभ पहुंचायेगा, इसकी संभावनाएं भी साफ दिख रही हैं। हेमंत सरकार के इस फैसले के सियासी नफा-नुकसान के साथ झारखंड के सामने आसन्न शहरीकरण की चुनौतियों का विश्लेषण कर रहे हैं ***आजाद सिपाही* के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

इस लोक लुभावन फैसले का होगा बड़ा सियासी फायदा

बात सितंबर महीने 2022 की है। रांची स्मार्ट सिटी के लिए भूमि अधिग्रहण और अतिक्रमण हटाओ अभियान चल रहा था। धुर्वा में बन रहे स्मार्ट सिटी के लिए कई घरों को तोड़ा जा रहा था। बारिश के मौसम में भी प्रशासन की क्रूरता साफ दिखाई पड़ रही थी। गरीबों को उनके घरों से बेघर किया जा रहा था। वह खून के आंसू रोने को मजबूर थे। एक तो बरसात और दूसरी तरफ उनसे उनका छत्त छिन जाना। इस अभियान से परेशान लोगों ने भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी से मुलाकात की थी। उन्हें सारी बातों की जानकारी दी गयी। बाबूलाल मरांडी खुद धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी के कार्यस्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने काम को रुकवा दिया था। बाबूलाल मरांडी ने इस संबंध में रांची के उपायुक्त से फोन पर बातचीत भी की थी। उन्होंने स्मार्ट सिटी के निर्माण से होने वाले 17 विस्थापित परिवारों के पहले पुनर्वास की मांग की, उसके बाद ही घरों पर बुलडोजर चलाने को कहा। मरांडी ने कहा कि अगर इन परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गयी, तो वह खुद उन परिवारों के साथ धरने पर बैठ जायेंगे। यह सिर्फ एक जगह या एक वर्ष के भीतर की बात नहीं है। झारखंड में लोगों को हर साल ऐसी मुसीबतों से गुजरना पड़ा है। बुलडोजर का मुंह गाहे-बगाहे देखना पड़ ही जाता है। उसके सामने उसे असहाय होना पड़ता है। अपनी आंखों के सामने अपने आशियाने को जमींदोज होते देखना पड़ता है। नन्हे बच्चों का रोते-बिलखते देखना पड़ता है। बूढ़ी बीमार मां को खटिया समेत घर से निकाल कर बाहर रखना पड़ता है। घर की औरतों को कई बार मूर्छित होते भी देखा गया है। आंसू की बूंदों में समायी उसके आशियाने की टूटती हुई तस्वीर भी जमीन पर धाराशायी हो जाती है।

अब बात तीन दिन पहले की करते हैं है। कांके रोड के सर्वोदय नगर में रहनेवाले एक परिचित ने फोन कर बताया कि उनके मुहल्ले में जश्न मनाया जा रहा है। कई जगहों पर मिठाइयां बांटी जा रही हैं। कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि उनके मुहल्ले के चारों तरफ हाल के वर्षों में बसे मुहल्लों में यह आयोजन हो रहा है, क्योंकि हेमंत सोरेन सरकार ने अनियमित तरीके से बनाये गये सभी मकानों को नियमित करने की योजना तैयार की है। उन्होंने बताया कि ये सभी मकान अनियमित ढंग से बनाये गये और सरकार के फैसले ने उन्हें बड़ी राहत दी है। यह सूचना रांची के अलावा झारखंड के तमाम शहरों के उन इलाकों से लगातार मिल रही है, जहां हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर मकान बनाये गये हैं।

क्या है हेमंत सरकार का फैसला

हेमंत सोरेन सरकार ने झारखंड के शहरों में लगभग नौ लाख अवैध मकानों को वैध करने के लिए नयी योजना बनाने का फैसला किया है। हालांकि पहले भी दो बार यह योजना लागू की गयी थी, लेकिन उसके प्रावधान इतने कठोर और उलझानेवाले थे कि उनका अपेक्षित लाभ नहीं मिला। इसलिए तीसरी बार नये सिरे से यह योजना लाने का फैसला किया गया है। सरकार की प्रस्तावित योजना में काफी रियायत देकर अधिक से अधिक लोगों को फायदा पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इसका फायदा प्रदेश के लगभग 40 शहरों में बिना नक्शा पास कराये मकान बनानेवाले या नक्शे का उल्लंघन कर मकान बना चुके लोगों को होगा। इस योजना का लाभ वैसे लोगों को मिलेगा, जिन्होंने 31 दिसंबर, 2019 से पहले मकान बनवा लिये थे। पिछली बार जब यह योजना लायी गयी थी, तो उसमें कई खामियां थीं। इस कारण लोगों ने अपने अवैध मकानों को नियमित कराने में रुचि नहीं दिखायी। पहले लायी गयी योजना में तीन मंजिला मकानों तथा पांच हजार वर्गफुट तक के मकानों को नियमित करने का प्रावधान किया गया था। इसके लिए काफी शर्तें रखी गयी थीं। अधिकतर मकान उन शर्तों को पूरा नहीं करते थे या शर्तों को पूरा करने के लिए मकान के ढांचे में काफी बदलाव की जरूरत होती। इस कारण लोगों ने अपने मकान के नियमितिकरण की प्रक्रिया में रुचि नहीं दिखायी। इस बार जो योजना तैयार की जा रही है, उसमें बिना किसी पूर्व शर्त के एक निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन करने पर मकान को नियमित किया जायेगा। इसके लिए कोई तोड़-फोड़ नहीं करनी होगी और न कोई जांच होगी।

किसे कहते हैं अवैध मकान

अवैध मकान उसे कहते हैं, जिसे बनाने से पहले उसका नक्शा नहीं पास कराया गया है या नक्शा पास कराने के बावजूद उसका पालन नहीं किया गया है। झारखंड सरकार के पास अभी तक इसका सटीक आंकड़ा नहीं है कि राज्य में अवैध मकानों की कितनी तादाद है। एक अनुमान के अनुसार झारखंड में करीब नौ लाख मकान इस श्रेणी में हैं। इनमें से डेढ़ लाख तो अकेले रांची में हैं। इसके अलावा लगातार उग रही अवैध कॉलोनियों की स्थिति भी गंभीर है।

इस फैसले से क्या लाभ होगा

झारखंड सरकार के इस फैसले का सबसे पहला लाभ यह होगा कि राज्य को अतिक्रमण हटाओ अभियान के नाम पर होनेवाली प्रशासनिक तोड़-फोड़ से मुक्ति मिल जायेगी। हाल के वर्षों में राज्य के कई शहरों में प्रशासनिक तोड़-फोड़ का विकृत चेहरा कई बार सामने आया है। इसलिए झारखंड विकास की दौड़ में अपने साथ बने छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के मुकाबले पिछड़ गया। झारखंड का पिछड़ापन केवल आर्थिक या सामाजिक मोर्चे पर ही नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक मोर्चे पर भी यह राज्य अपेक्षित विकास नहीं कर सका है। खास कर शहरीकरण जैसे गंभीर मुद्दे पर झारखंड में कभी कोई प्रभावी विचार ही नहीं किया गया, जबकि हकीकत यह है कि झारखंड समेत पूरे देश में शहरी विकास की रफ्तार बेहद तेज हो गयी है। झारखंड में शहरीकरण की योजना बनानेवाले अधिकारियों की स्थिति यह है कि उनके पास न कोई विजन है और न योजना। वे बिना किसी मास्टर प्लान के झारखंड के शहरों में तोड़-फोड़ करते रहे हैं, जिससे स्थिति सुधरने की बजाय बिगड़ती रही है।

ऐसे में राज्य सरकार यदि सभी मकानों को वैध कर देगी, तो फिर उनके मालिकों के सामने अवैध बताकर मकान तोड़ने का खतरा नहीं रहेगा। वास्तव में हेमंत सरकार का यह फैसला राजनीतिक रूप से भी बेहद परिपक्व साबित होने वाला है, क्योंकि जो लोग इस योजना के लाभुक होंगे, वे सरकार के प्रति निश्चित रूप से आभारी होंगे। वैसे भी इस योजना के संभावित लाभुकों में समाज के हर वर्ग के लोग शामिल होंगे। चाहे बड़े व्यवसायी हों या नौकरीपेशा मध्यवर्ग, अगड़े हों या पिछड़े, उनकी धार्मिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, मकान के प्रति प्रेम सभी को बराबर होता है। रांची के अपर बाजार इलाके की ही बात करें, तो वहां 60 प्रतिशत से अधिक मकान अनियमित हैं और इनके मालिक आम तौर पर झामुमो के समर्थक नहीं हैं। लेकिन इस फैसले के बाद उनके रुख में इस सरकार के प्रति थोड़ी नरमी तो आयेगी। इसलिए हेमंत सोरेन का यह फैसला सियासी नजरिये से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

15 सूत्री कमेटी में सभी को मिलेगा सम्मान और स्थान

अगले सप्ताह जारी होगी प्रदेश और जिला स्तरीय 15 सूत्री कमेटी की सूची

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में बीस सूत्री क्रियान्वयन कमेटी के बाद अब 15 सूत्री कमेटी के गठन का काम भी पूरा हो गया है। इस कमेटी में हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सहित विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को स्थान और सम्मान दोनों दिया जायेगा। इसके जरिये एक विशेष संदेश देने का प्रयास किया गया है। अगले सप्ताह 15 सूत्री समिति की सूची जारी कर दी जायेगी। यह समिति प्रदेश और जिला स्तर पर बनायी गयी है। पुख्ता सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि कांग्रेस, झामुमो और राजद के बीच कमेटी के सदस्यों को लेकर सहमति और बंटवारे का काम पूरा हो गया है। समिति के बंटवारे में वही फार्मूला अपनाया गया है, जो 20 सूत्री के लिए अपनाया गया था। जिला स्तर पर गठित होने वाली 15 सूत्री कमेटी में चार अल्पसंख्यक कार्यकर्ता सदस्य के रूप में शामिल होंगे। इसमें मुस्लिम, इसाई, सिख समेत अन्य अल्पसंख्यक कार्यकर्ता होंगे।

प्रखंडों में कांग्रेस के करीब 11 सौ कार्यकर्ता किये गये एडजस्ट

बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के तहत प्रखंडों में कुल 11 सौ कार्यकर्ताओं को एडजस्ट किया गया है। बता दें कि बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति का बंटवारा जिले और प्रखंड स्तर पर किया गया है। कुल 264 प्रखंडों में से कांग्रेस के हिस्से में 110 प्रखंड आये थे। प्रत्येक प्रखंड में गठबंधन के तीनों दल के कुल नौ सदस्यों को शामिल किया गया। इसमें कांग्रेस के कुल छह सदस्य शामिल थे। यानी 110 प्रखंडों में कुल 666 कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। बचे हुए 154 प्रखंडो में से प्रत्येक में कांग्रेस के तीन सदस्य शामिल किये गये। इस हिसाब से करीब 460 कार्यकर्ताओं को प्रखंडो में एडजस्ट किया गया।

किसके हिस्से कितने जिले आये

पार्टी	जिलों की संख्या
कांग्रेस	10
झामुमो	13
राजद	01

गौरव के पल : भारतीय महिला हॉकी टीम में चार झारखंडी शामिल

निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, संगीता कुमारी और ब्यूटी डुंगडुंग करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड की एक साथ चार हॉकी खिलाड़ियों को चुना गया है। हॉकी इंडिया के एक्सक्यूटिव डायरेक्टर आरके श्रीवास्तव ने हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह को इस बारे में खबर की है। उन्होंने बताया है कि स्पेन में 27 नवंबर से 18 दिसंबर तक आयोजित होने वाली एफआइएच महिला हॉकी राष्ट्र कप में भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड की हॉकी खिलाड़ी निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, संगीता कुमारी और ब्यूटी डुंगडुंग देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस खबर पर हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने कहा कि झारखंड के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है। वर्तमान समय में भारतीय टीम में जगह बनाना बहुत बड़ी उपलब्धि है। भारतीय महिला हॉकी टीम ओलंपिक और विश्वकप जैसी बड़ी-बड़ी प्रतियोगिताओं में क्वालीफाई कर रही है और अच्छे पोजिशन तक पहुंच रही है। विजय शंकर सिंह ने कहा कि झारखंड से एक जमाने में तीन-चार खिलाड़ी भारतीय टीम में हुआ करते थे, परंतु बीच में सभी टीमों में झारखंड शून्य हो गया था। परंतु झारखंड के सभी लोगों ने हॉकी के विकास के लिए समर्पण और निस्वार्थ भाव से राज्य के हॉकी के विकास की सोच लेकर कार्य किया जिसका रिजल्ट अब देखने को मिल रहा है।

ये है खिलाड़ियों की प्रोफाइल

निक्की प्रधान : खूंटी जिला के मोरो प्रखंड अंतर्गत पेरोल गांव में आज तक एक खेल का मैदान नहीं बना है। यहां अपनी बड़ी बहनों से प्रेरणा लेकर नंगे पांव हॉकी की शुरूआत करते हुए निक्की आगे बढ़ी। वह झारखंड की पहली हॉकी खिलाड़ी हैं, जो दो-दो ओलंपिक खेल कर इतिहास रच चुकी हैं। विश्व के सभी बड़े प्रतियोगिताओं ओलंपिक गेम्स, वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ गेम, एशिया कप सहित सभी बड़े-बड़े टूर्नामेंटों में भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कई कीर्तिमान बना चुकी हैं।

सलीमा टेटे : सिमडेगा जिला के सदर प्रखंड अंतर्गत बड़की छपार गांव में आज भी मोबाइल सिग्नल के लिए चट्टान या पेड़ों का सहारा लेना पड़ता है। इस गांव से कोसों पैदल चलकर या पिता सुलक्षण टेटे के साइकिल में बैठ कर विद्यालय और गांव की टीम से खस्सी कप मुर्गा कप हॉकी प्रतियोगिताओं से हॉकी की शुरुआत सलीमा ने की। वह सिमडेगा जिला की प्रथम महिला ओलंपियन हैं, जिसके खेल की सराहना भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कई बार कर चुके हैं। विगत तीन-चार वर्षों में ही ओलंपिक गेम्स, वर्ल्ड कप, एशिया कप, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे कई बड़े टूर्नामेंटों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व उसने किया है।

संगीता कुमारी : हॉकी की नर्सरी सिमडेगा जिला के केरसई प्रखंड अंतर्गत करंगागुडी नवा टोली गांव में आज भी बरसात के दिनों में अपने पैर के जूते चप्पलों को हाथ में लेकर चलना पड़ता है। ऐसे गांव से बेहद गरीब परिवार से पल बढ़कर बांस की स्टिक और उसके जड़ से हॉकी की शुरुआत करते हुए संगीता कुमारी विगत एक वर्ष में कॉमनवेल्थ गेम, एफआइएच हॉकी लीग में जलवा दिखा चुकी है। इससे पूर्व जूनियर एशिया कप इत्यादि कई प्रतियोगिताओं में भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी है।

ब्यूटी डुंगडुंग : सिमडेगा जिला के केरसई प्रखंड अंतर्गत खिलाड़ियों के गांव करंगागुड़ी बाजू टोली की ब्यूटी डुंगडुंग के परिवार के सदस्य पीढ़ी दर पीढ़ी अच्छे हॉकी खिलाड़ी रहे हैं। उनके परिवार में उनके दादा, पिताजी, चाचा, तीन बड़े भाई, भाभी भी राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रहे हैं। ब्यूटी विगत 2018 से जूनियर भारतीय टीम से देश के लिए खेल चुकी है। इस वर्ष पहली बार सीनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए चुनी गयी है। उसके गांव में वर्षों से बन रहा आंगनबाड़ी केंद्र आज भी अधूरा है।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को हाइकोर्ट से बड़ी राहत

कुर्की-जब्ती आदेश को सशर्त निरस्त किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट से पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता योगेंद्र साव को बड़ी राहत मिली है। हाइकोर्ट ने बुधवार को योगेंद्र साव के खिलाफ निचली अदालत द्वारा जारी कुर्की-जब्ती के आदेश को निरस्त कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने उन्हें निर्देश दिया है कि वे ट्रायल कोर्ट के समक्ष सरेंडर कर बेल लें। झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय द्विवेदी के कोर्ट में योगेंद्र साव की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता मनोज कुमार मिश्रा ने अदालत में पक्ष रखा। अदालत ने यह शर्त रखी है कि ट्रायल कोर्ट में अगर वह पांच दिसंबर तक उपस्थित हो जाते हैं, तो उनके खिलाफ कुर्की-जब्ती आदेश प्रभावी नहीं होगा। दरअसल, रांची के जगन्नाथपुर थाना में योगेंद्र साव एवं उनके बॉडीगार्ड के खिलाफ धमकी देने का मामला दर्ज है। इस केस में रांची सिविल कोर्ट ने योगेंद्र साव के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। इसे रद्द करने के लिए उन्होंने हाइकोर्ट से गुहार लगायी थी। योगेंद्र साव फिलहाल एनटीपीसी भूमि अधिग्रहण से जुड़े आंदोलन के केस में जमानत पर हैं।

2.48 करोड़ रुपये का घोटाला मामला

एसबीआइ के शिकारीपाड़ा ब्रांच के पूर्व मैनेजर के खिलाफ सीबीआइ करेगी जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

दुमका। दुमका जिले के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शिकारीपाड़ा ब्रांच के पूर्व मैनेजर मनोज कुमार पर 2.48 करोड़ रुपये हड़पने का मामला दर्ज है। इस मामले की जांच अब सीबीआइ करेगी। सीबीआइ एसीबी की धनबाद शाखा ने आरसी 6(अ) 2022- मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है। इस मामले की जांच डीएसपी प्रह्लाद किशोर झा करेंगे। गौरतलब है कि राजमहल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए पूर्व मैनेजर मनोज कुमार और कई अज्ञात लोगों ने 2.48 करोड़ रुपये का घोटाला किया है। यह घोटाला साल 2014 से 2018 के बीच किया गया है। इस दौरान मनोज कुमार एसबीआइ के साहिबगंज, बरहेट, फूलबंगा और शिकारीपाड़ा में ब्रांच मैनेजर थे। घोटाले को लेकर एसबीआइ के दुमका रीजनल बिजनेस ऑफिस के रीजनल मैनेजर ने शिकारीपाड़ा थाने में एफआइआर दर्ज करायी थी। इसके बाद भागलपुर से मनोज कुमार को गिरफ्तार किया था।

कर्ज उतारने के लिए किया था घोटाला

गिरफ्तार होने के बाद मनोज कुमार ने बताया था कि वह साहिबगंज जिले के राजमहल विधानसभा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। इसके लिए उसने काफी रुपया भी खर्च किया, हालांकि उनको किसी पार्टी से टिकट नहीं मिला, जबकि दूसरी ओर उनके ऊपर काफी कर्ज बढ़ गया, जिसके बाद उन्होंने रुपये घोटाला करने की घटना को अंजाम दिया।

बैंक प्रबंधन की आरंभिक छानबीन में घोटाले की रकम 1.15 करोड़ पायी गयी थी। इसी के आधार पर शिकारीपाड़ा थाने में मैनेजर पर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। बाद में बैंक की छानबीन बढ़ती रही, वहीं 28 अगस्त 2022 को झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा विभाग ने सीबीआइ को इस केस की जांच स्वीकारने का अनुरोध किया।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.8 ℃	12.6 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	17.02 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.08 बजे

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 24 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

मुख्यमंत्री दिल्ली में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में होंगे शामिल

हेमंत सोरेन दिल्ली रवाना, उद्योग विभाग के कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा

27 नवंबर तक आयोजित है अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

आजाद सिपाही संवाददाता

दिल्ली/रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को देर शाम दिल्ली रवाना हो गये। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2022 में गुरुवार 24 नवंबर को झारखंड राज्य दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर झारखंड के पारंपरिक नृत्य, गीत और संस्कृति से लोग रूबरू होंगे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे।

स्वरोजगार सृजन की झांकी

ट्रेड फेयर में ना सिर्फ झारखंड के रेशमी परिधान लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, बल्कि राज्य सरकार द्वारा राज्य में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार सृजन के लिए किये जा रहे कार्यों की झांकी लोगों को आकर्षित कर रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच के अनुरूप मेले में कृषि, पशुपालन विभाग द्वारा जैविक कृषि का स्टाल, वन विभाग का स्टाल, जेरेडा का स्टाल, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के स्टाल में प्रदर्शित विभिन्न शिल्पकारों के हस्तनिर्मित लकड़ी, बांस से निर्मित नेम प्लेट, पेन स्टैंड, टी कोस्टर, सर्विस प्लेट, मूर्ति आदि दर्शकों द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है। लोगों को मेले में जैविक उत्पाद और जैविक खेती आकर्षित कर रही है। मालूम हो कि 27 नवंबर तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2022 में झारखंड पार्टनर स्टेट के तौर पर शामिल है। मेले में झारखंड के स्थानीय बुनकरों, ट्राइबल शिल्पकारों द्वारा प्रदर्शित पारंपरिक आदिवासी जैकेट, शट्र्स, टॉवल, गमछा, टोपी आदि दर्शकों के द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है।

विधानसभा में केंद्र-राज्य संबंधों पर नेशनल कांफ्रेंस, स्पीकर ने कहा-

देश की सुरक्षा, स्थिरता के लिए केंद्र-राज्य का संबंध स्वस्थ होना जरूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन बुधवार को केंद्र-राज्य संबंधों पर नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने कहा कि देश की स्थिरता, सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए स्वस्थ केंद्र-राज्य संबंध महत्वपूर्ण है। देश के विभाजन के समय की घटनाओं ने संविधान सभा को एक ऐसे संघवाद को चुनने के लिए प्रेरित किया, जो केंद्र की ओर थोड़ा झुका हुआ है, लेकिन राज्य को प्रगति और परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण साधन होने के नाते संविधान में शक्तियां भी दी गयी हैं। संविधान के लागू होने के बाद से पिछले सात दशकों में 105 संशोधन हुए हैं, जिनमें से कई का केंद्र-राज्य के संबंधों पर सीधा असर पड़ा है।

स्वतंत्र भारत ने संघवाद के बदलते युग को देखा

उन्होंने कहा कि समय-समय पर, केंद्र-राज्य संबंधों का परीक्षण किया गया और स्वतंत्र भारत ने संघवाद के बदलते युग को देखा। कई राजनीतिक इतिहासकारों और संवैधानिक विशेषज्ञों ने देखा कि केंद्र सरकार के हाथों में शक्तियों का अधिक केंद्रीकरण केंद्र और राज्यों के बीच बढ़ते संघर्षों के प्रमुख कारणों में से एक था।

कई अहम मुद्दों पर विशेषज्ञ विचार रख रहे

केंद्र-राज्य के संबंधों पर चर्चा के लिए विधानसभा में प्रो दिलीप तिर्की, प्रो मनोज कुमार सिन्हा, प्रो अनुराग दास, प्रो ए लक्ष्मीनाथ, डॉ नीरज कुमार, प्रो उदय शंकर समेत कई विशेषज्ञ जुटे थे। कांफ्रेंस में संघवाद पर न्यायपालिका, केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का बंटवारा, केंद्र राज्य संबंध और सुशासन पर इसके प्रभाव जैसे कई अहम मुद्दों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

विधानसभा को मिले राज्यपाल को हटाने का प्रस्ताव पास करने का अधिकार : प्रो उदय शंकर

विधानसभा में आयोजित केंद्र-राज्य संबंधों के राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्यपाल की भूमिका और उनके कार्य पर चर्चा हुई। रायपुर के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर उदय शंकर ने कहा कि अगर राज्यपाल राज्यहित में काम न कर रहे हों, तो उन्हें हटाने का अधिकार राज्य के पास होना चाहिए। विधानसभा में प्रस्ताव पास कर उसे राष्ट्रपति के पास भेजने का अधिकार विधानसभा के पास होना चाहिए। लेकिन इसकी भी एक गाइडलाइन तय होनी चाहिए, ताकि राज्यपाल विधानसभा की कठपुतली बनकर न रह जायें। उन्होंने कहा कि हमेशा यह बात होती है कि राज्यपाल कि नियुक्ति और उन्हें हटाने में राज्य का भी रोल होना चाहिए।

केंद्र अपने प्रतिनिधि के रूप में राज्यपाल की नियुक्ति करते हैं

प्रोफेसर उदय शंकर ने कहा कि देशों में संघ और राज्य होल्डिंग टुगेदर और कमिंग टुगेदर दो सिस्टम से काम करते हैं। कमिंग टुगेदर यूएस मॉडल है, जबकि भारत में होल्डिंग टुगेदर सिस्टम में केंद्र और राज्य जुड़े हैं। भारत के संविधान में संघीय ढांचे में केंद्र को ज्यादा पावर मिला है। केंद्र अपने रिप्रेजेंटेटिव के रूप में राज्यपाल की नियुक्ति करते हैं। जब केंद्र और राज्य में अलग अलग दलों की सरकार होती है, तो कई बार केंद्र और राज्य में विवाद होता है। राज्यपाल पर केंद्र के एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगता है। ऐसे में राज्यपाल जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष रोजी-रोजगार में लाभकारी वातावरण रहेगा, भागीदारों में व्याप्त मनमुटाव का निराकरण होगा।

वृष कारोबार में उन्नति होने की संभावना, नवीन कार्य की योजना सफल होगी।

मिथुन कहीं से शुभ फल प्राप्त होगा, आर्थिक पक्ष सुदृढ़ बनेगा, मित्रों से सहायता मिलेगी।

कर्क शत्रु प्रबल होकर हावी होंगे, खर्च पर नियंत्रण रखें अन्यथा कर्ज लेने की नौबत आ सकती है।

सिंह राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी, पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी, यात्रा में धन लाभ का योग बन रहा है।

कन्या प्रयास से सभी कार्य पूरे होंगे, मेहमानों का आगमन होगा व आप उनकी आवाभगत में व्यस्त रहेंगे।

तुला संपति संबंधी मामलों का निपटारा आपके पक्ष में होगा, कहीं से शुभ समाचार मिलेगा।

वृश्चिक नये-नये लोगों से संपर्क बनेगा, यश, कीर्ति व मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी।

धनु आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे, नौकर-चाकर, वाहन व भौतिक ऐश्वर्य के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर अकस्मात धन लाभ होने की संभावना, आशानुसार कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुंभ सरकारी नौकरी करने वालों के पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी, गृह-भूमि-वाहन का सुख।

मीन लंबित कार्य निपटाने में व्यस्तता रहेगी, नौकरी में पदोन्नति के अवसर भी मिल सकते हैं।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

बाबूलाल ने सीएम हेमंत सोरेन से की पुलिस नियुक्ति परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पूर्व में पुलिस नियुक्ति परीक्षा ली गयी थी। 7272 पदों के लिए परीक्षा हुई। 7000 इसमें सफल रहे। इनमें से 4882 को नियुक्ति पत्र मिल गया। शेष लगभग 2200 अभ्यर्थियों को अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिला है। वे अपनी

सात हजार में से 22 सौ अभ्यर्थियों को अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिला

नियुक्ति के लिए दर-दर भटक रहे हैं। कई बार आपसे (सीएम) मिलकर भी आग्रह किया है। विज्ञापन के मुताबिक प्रथम सूची जारी करने के बाद पद रिक्त रह जाने के उपरांत एक समेकित मेधा सूची जारी होगी। इस आधार पर सभी रिक्त पदों को भरा जायेगा जिस पर अब तक काम नहीं हुआ है।

सफल 2200 अभ्यर्थी नियुक्ति प्रक्रिया के सभी चरणों में सफल हुए हैं। फिर भी उन्हें नियुक्ति नहीं दिया जाना नैसर्गिक न्याय के विपरीत है। ऐसे में इनकी नियुक्ति के लिए पहल हो।

झारखंड उपहार में नहीं आंदोलनकारियों के त्याग संघर्ष, शहादत के बल पर मिला : मथुरा महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल के द्वारा झारखंड विधानसभा के 22वें स्थापना दिवस में झारखंड अलग राज्य को उपहार में दिये जाने के संदर्भ दिये गये अभिभाषण का झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के मुख्य संरक्षक और टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने विरोध किया गया। कहा है कि झारखंड उपहार में मिला हुआ राज्य नहीं है बल्कि लाखों झारखंडियों के त्याग, संघर्ष व बलिदान और आंदोलनकारियों के

राज्यपाल के बयान का विरोध

खून से बना है। ये बातें उन्होंने झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के बैठक में कही है। मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में तीन राज्य एक साथ बने थे। उसमें झारखंड भी एक था। आज भी हमारे वृहद अलग राज्य का सपना अधूरा है। इस अवसर पर टीएसी के सदस्य और झारखंड आंदोलनकारी विश्वनाथ सिंह सरदार ने कहा कि झारखंड अलग राज्य की मांग 1928 में उन्नति समाज के द्वारा साइमन कमीशन के समक्ष की गयी थी। संघर्ष मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि राज्यपाल रमेश बैस जो संवैधानिक पद पर बैठे हुए हैं और भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी को झारखंड आंदोलन की ऐतिहासिकता, आंदोलनकारियों के संघर्ष एवं कुर्बानियों का अध्ययन नहीं है। इसलिए वे झारखंड अलग राज्य को उपहार में देने की बातें कह रहे हैं।

स्वास्थ्य सचिव को जवाब के साथ सशरीर हाजिर होने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रिम्स की बदहाली और इससे जुड़े अन्य मामलों पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश डॉ

रिम्स के मामलों पर हाइकोर्ट

रवि रंजन और जस्टिस सुजित नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने विभिन्न मामलों की सुनवाई एक साथ की। सुनवाई के दौरान राज्य के स्वास्थ सचिव को 28 नवंबर को अगली सुनवाई में जवाब के साथ सशरीर हाजिर होने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालत के आदेश के बाद भी सीधी नियुक्ति के बजाय आउटसोर्सिंग कराना अदालत की अवहेलना है।

कार्रवाई : रांची विवि में 109 करोड़ का घोटाला मामला

इन बिंदुओं पर 15 दिनों के अंदर करनी है जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल ने 15 बिंदुओं पर डॉ कामिनी कुमार के संबंध में जांच कर स्पष्टीकरण देने को कहा है। वे बिंदु इस प्रकार हैं :

1. तत्कालीन कार्यवाहक कुलपति, रांची विश्वविद्यालय, रांची के पद पर रहते हुए वर्ग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 36 कर्मियों को 18.12.2021 को नियमित कर दिया गया। उक्त कार्य को किस आधार पर किया गया, यह स्पष्ट नहीं है। कार्यवाहक कुलपति को ये शक्तियां प्राप्त नहीं थीं।

2. प्राचार्य, रांची महिला महाविद्यालय से अवैध तरीके से भुगतान किये गये आवास भत्ते के वसूली के लिए 06.04.2022 को कुलाधिपति कार्यालय द्वारा आदेश दिया गया था। उक्त आदेश का अनुपालन नहीं किया गया।

3. रांची विश्वविद्यालय, रांची में 109 करोड़ रुपये की राशि की वित्तीय अनियमितता के संबंध में निदेशक, उच्च शिक्षा द्वारा 28.06.2021 को जांच प्रतिवेदन के साथ कार्रवाई के लिए राज्यपाल सचिवालय को प्रेषित किया गया था। 02.06.2022 को इस कार्यालय द्वारा तत्कालीन कुलपति, वित्तीय सलाहकार, वित्त पदाधिकारी एवं कुलसचिव के विरुद्ध आरोप पत्र गठित करने के लिए निर्देशित किया गया था। उक्त विषयक संचिका कुलपति कार्यालय में उपलब्ध नहीं होने की सूचना वर्तमान कुलपति द्वारा राज्यपाल सचिवालय को दी गयी है। विश्वविद्यालय की संचिका के नोट-शीट से यह स्पष्ट होता है कि यह संपूर्ण विषय कुलपति की पूर्ण जानकारी में था, किंतु कोई कार्रवाई नहीं की गयी, जबकि डॉ कामिनी कुमार कुलपति के प्रभार में थीं।

4. डॉ गौरी जिलानी की सेवा नियमितीकरण के प्रस्ताव पर प्रतिकुलपति-सह-स्क्रीनिंग समिति की अध्यक्ष के तौर पर दो माह में दो संपूर्ण विरोधाभासी तथ्य प्रेषित किये गये, जिस कारण निर्णय लेने में दुविधा की स्थिति उत्पन्न हुई। इस संबंध में भी स्थिति स्पष्ट करने के लिए निर्देश दिया गया।

5. 20.06.2022 को नये कुलपति की नियुक्ति की अधिसूचना जारी होने के पश्चात डॉ कामिनी कुमार के द्वारा तत्कालीन कार्यवाहक कुलपति के तौर पर स्वयं हस्ताक्षर करते हुए एक एमओयू विज्ञान प्रसार संस्थान के साथ किया गया। सामान्यतः विश्वविद्यालय के तरफ से यह कार्य कुलसचिव द्वारा किया जाता है, जो इस आशय में स्वतः कुलपति के तौर पर डॉ कामिनी कुमार के द्वारा किया गया।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 24 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com
04

गुजरात विधानसभा चुनाव में छोटा उदयपुर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी संग्राम भाई राठवा के साथ नारंगहाट में जनसंपर्क करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की।

विधानसभा में सांस्कृतिक संध्या, कुमार विश्वास ने किया मंत्रमुग्ध

आजाद सिपाही संवाददाता

कुमार विश्वास, मधु मंसूरी, मुकुंद नायक ने दर्शकों मोह लिया मन

रांची। झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर विधानसभा में बुधवार शाम सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें मशहूर कवि कुमार विश्वास ने काव्य कलश की प्रस्तुति दी। साथ ही पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख और पद्मश्री मुकुंद नायक ने भी अपनी लोक संगीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में स्पीकर रविंद्रनाथ महतो और उनके परिजन, सांसद महुआ माजी, विधायक प्रदीप यादव, लंबोदर महतो, दीपिका पांडेय सिंह, इरफान अंसारी, मथुरा महतो, नलिन सोरेन, नमन विक्सल कोंगाड़ी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हाइकोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी को राहत बरकरार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश बरकरार रखा है। यह मामला देवघर एयरपोर्ट पर एटीएस से क्लीयरेंस लेकर शाम में फ्लाइट टेकऑफ करने से जुड़ा हुआ है। अब इस मामले की अगली सुनवाई छह मार्च को होगी। अगली सुनवाई तक सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। निशिकांत दुबे की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने पक्ष रखा। झारखंड हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय द्विवेदी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई।

देवघर जिला प्रशासन ने एफआइआर दर्ज करायी थी

निशिकांत दुबे और मनोज तिवारी के खिलाफ दो सितंबर को देवघर जिला प्रशासन के द्वारा एफआइआर दर्ज करायी गयी थी। शिकायत में कहा गया है कि निशिकांत दुबे समेत कई अन्य लोगों ने एटीसी के अंदर घुसकर दबाव बनाया कि उन्हें जल्दी क्लीयरेंस दिया जाये। इसके बाद इन्हें एटीसी क्लीयरेंस मिल गया।

हाइकोर्ट में हाजिर हुए जेबीवीएनएल के सीएमडी, मांगी माफी

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के सीएमडी अविनाश कुमार बुधवार को हाइकोर्ट में सशरीर हाजिर हुए और अदालत से माफी मांगी। उन्होंने करीब 23 लाख का चेक दुमका के रानी सती राइस मिल को सौंपा। इसके बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया। यह मामला रानी सती राइस मिल के बकाया भुगतान से जुड़ा है। मिल पर बिजली चोरी का आरोप लगाकर 30 लाख की वसूली की गयी थी। इस मामले में न्यायालय ने रानी सती कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया था। फैसले के बाद जेबीवीएनएल को वसूली के 30 लाख लौटाने थे। पैसा वापसी नहीं होने पर रानी सती राइस मिल ने हाइकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान राइस मिल प्रबंधन की ओर से बताया गया कि अदालत के अंतरिम आदेश के तहत उन्होंने 30 लाख रुपये बिजली बिल जमा कर दिया था। सक्षम न्यायालय ने रानी सती राइस मिल के पक्ष में फैसला सुनाया और बिजली चोरी का मामला नहीं माना। इसके बाद उनकी ओर से अदालत में 30 लाख रुपये वापस करने का मुद्दा उठाया गया।

ऑडिट सप्ताह दिवस कार्यक्रम

वित्त मंत्री ने माना-कैग रिपोर्ट को गंभीरता से नहीं लेते अधिकारी

सरयू ने उठाया सवाल - विधानसभा समितियों की बैठक में सचिव आना पसंद नहीं करते

20 साल में 9737.57 करोड़ की अनियमितता मिली : डॉ रामेश्वर उरांव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) के ऑडिट सप्ताह दिवस कार्यक्रम में पहुंचे जमशेदपुर के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने कहा कि विधानसभा समितियों की बैठक में विभागीय सचिव आना ही पंसद नहीं करते। वे अपने अधिकृत अधिकारियों को बैठकों में भेजते हैं। इससे उन्हें कोई ऐतराज नहीं। लेकिन जरूरी है कि नीचे के अधिकारियों को सचिव के बराबर विषयों की जानकारी हो। इससे विधानसभा की सार्थकता पर सवाल उठता है। इसी तरह विधानसभा समितियों के क्षेत्र भ्रमण में पता चलता है कि जिला के अधिकारियों को भी ऑडिट रिपोर्ट की जानकारी नहीं होती। कार्यक्रम में पहुंचे वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में सरकार के विभागों में करीब 9737.57 करोड़ रुपये से संबंधित अनियमितता पायी गयी है। वित्त विभाग प्रयासरत है कि भविष्य में ऐसी अनियमितता दोबारा नहीं हो। कार्यक्रम में सरयू राय ने वित्त मंत्री को कई सुझाव दिये। इस पर वित्त विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी डॉ उरांव ने सरयू राय को दी। कार्यक्रम में कैग के महालेखाकार अनूप फ्रांसीसी डुंगडुंग, उपमहालेखाकार अजय कुमार सहित कैग के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

अन्य संस्थाएं भी जिम्मेदारी के साथ काम करें : सरयू

सरयू राय ने कहा कि संवैधानिक संस्था के रूप में कैग की भूमिका स्पष्ट रूप से परिभाषित है लेकिन यह तभी सार्थक होगा, जब अन्य संवैधानिक संस्थाएं जिम्मेदारी के साथ काम करें। पब्लिक का जो पैसा सरकार खर्च करती है, उसका लेखा संधारण (एकाउंटिग मैनटेंनेस) और लेखा परीक्षक (ऑडिटिंग) होना चाहिए। एकाउंटिग मैनटेंनेस के दौरान यह बात सामने आती है, जिम्मेदार संस्थाएं उस राशि का सही उपयोग कर रही है या नहीं। इन्हीं सब कामों की जांच नियंत्रक महालेखापरीक्षक (कैग) करता है। सरयू ने कहा कि सचिव से लेकर नीचे तक के अधिकारियों को खर्चों की जानकारी होनी चाहिए। लेकिन आज इसका समुचित अभाव है।

सरयू ने कहा कि आय-व्यय को लेकर वित्त विभाग पहले आंतरिक अंकेक्षण कराता था। इसके लिए सभी विभागों में फाइनेंशियल ऑफिसर के पद होते हैं। जो विभाग के अधिकारी नहीं होते थे। बल्कि इसके विशेषज्ञ होते थे। इससे कैग को अपनी रिपोर्ट बनाने में आसानी होती थी। लेकिन वह अब नहीं है। इससे सरकार की शिथिलता का पता चलता है।

विधानसभा से नियम बने कि सरकार सदन को बताये कि दो सत्र के बीच उसने जो आश्वासन दिया था, उस पर क्या हुआ। इससे अधिकारियों पर जिम्मेवारी बढ़ेगी। इससे कैग की रिपोर्ट और विधानसभा समितियों की कार्रवाई को अधिकारी गंभीरता से लेंगे। कॉपोरेट जगत (कॉपोरेशन) के कामों का भी अधिकारियों को भी कुछ पता नहीं होता। विभागों को इसके लिए एक अलग कोषांग बनाना चाहिए।

20 सालों में विभागों का ऑडिट नहीं हुआ : डॉ उरांव

वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि सुशासन बनाये रखने के लिए कैग का अहम रोल है। उन्होंने माना कि अधिकारी कैग रिपोर्ट को सीरियसली नहीं लेते हैं। हालांकि वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने कैग रिपोर्ट की आपत्तियों पर निराकरण का काम शुरू किया है। बीते 20 सालों में विभागों का ऑडिट नहीं हुआ। जब उन्होंने इस पर काम शुरू करवाया, तो पता चला कि बीते 20 सालों में 9737.57 करोड़ (करीब 10,000 करोड़) रुपये की अनियमितता हुई। यह ऑडिट स्टेट ऑडिट एसोसिएशन के द्वारा की गयी।

सरयू राय के दिये सुझाव पर डॉ उरांव ने बताया कि वित्त विभाग द्वारा डॉयरेक्टोरेट (निदेशालय) का गठन किया गया है, जिसमें सभी विभाग के ऑडिटर शामिल किये गये हैं. इससे अब सभी विभागों का ऑडिट होगा अनियमितता खत्म होगी।

135 सरकारी योजनाओं का किया गया ऑडिट : महालेखाकार

कैग महालेखाकार अनूप फ्रांसीसी डुंगडुंग ने कहा कि समय के साथ कैग की भूमिका काफी बढ़ गयी है। आज कैग रिपोर्ट बनाने में उन्हें जगह दी जा रही है, जो नये-नये इनोवेशन को बढ़ावा देते हैं। पिछले तीन वित्तीय वर्ष 2018-19 से लेकर 2021-22 तक कैग द्वारा 851 इकाइयों और 135 सरकारी योजनाओं का ऑडिट किया गया है। ऑडिट सप्ताह को लेकर उन्होंने कहा कि इस दौरान कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसमें पेंटिग प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि शामिल हैं।

नियमितीकरण की मांग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री से मिले एनएचएम अनुबंधकर्मी, मिला आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड एनएचएम के कर्मचारियों ने बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मुलाकात कर नियमितीकरण की मांग की। गौरतलब है कि एनएचएम के तहत पिछले 15-17 सालों से अनुबंध पर काम कर रहे हैं। इनमें एएनएम, जीएनएम, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, एक्सरे टेक्निशियन, टीबी डिपार्टमेंट के अलावा अन्य कर्मी भी हैं। कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से अनुबंध पर काम कर रहे हैं, मानदेय भी ज्यादा नहीं है कि परिवार का अच्छे से भरण-पोषण हो सके। ऐसे में हम सभी स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष नियमितीकरण की मांग को लेकर पहुंचे हैं।

नियमितीकरण को लेकर विभाग को लिखा पत्र

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि नियमितीकरण को लेकर विभाग को पत्र लिखा है। अपर मुख्य सचिव से इससे संबंधित एक रिपोर्ट भी मांगी है। साथ ही तीन सदस्यीय कमिटी के गठन का सुझाव भी दिया है। साथ ही बन्ना गुप्ता ने कहा कि कमिटी में एनएचएम के एक प्रतिनिधि को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मनोनीत करने के लिए भी कहा है। इस संबंध में मेरे निर्देश पर विभाग ने संचिका बनाने का काम किया है। अपर मुख्य सचिव से हर एक बिंदु पर जानकारी लेकर गुरुवार को फिर से एनएचएम कर्मियों को बुलाया है, ताकि उन्हें जानकारी दी जा सके।

अनुबंध कर्मियों के नियमितीकरण का पक्षधर हूं

स्वास्थ मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि अनुबंध पर काम करने वाले हमारे विभाग के समर्पित कर्मचारी हैं। हमारे कर्मचारियों को मुझपर और सरकार पर विश्वास है। इस सरकार ने राज्य के सभी विभागों के कर्मचारियों का ख्याल रखा है।

राज खुला : झारखंड में इडी की जांच में बड़ा खुलासा

सीए सुमन के ठिकानों से जब्त 19.76 करोड़ राशि अवैध खनन का कमीशन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में सीए सुमन कुमार के ठिकानों से जब्त राशि (19.76 करोड़) खनन अफसरों को बतौर कमीशन मिली थी। जिला खनन पदाधिकारियों ने उक्त रकम अवैध खनन करनेवालों व खनन कार्य से जुड़े संगठनों से बतौर कमीशन जुटाये थे। इडी के पदाधिकारियों ने मामले की जांच के क्रम में जब जिला खनन पदाधिकारियों (डीएमओ) से पूछताछ की, तो उन्होंने उक्त बातें स्वीकारी। पाकुड़ के डीएमओ प्रदीप कुमार शाह ने सीए सुमन कुमार के पास कमीशन मद में वसूली गयी 87 लाख रुपये पहुंचाने की बात स्वीकार की है। इसी तरह छह जिला खनन पदाधिकारियों ने अफसरों के निर्देश पर सीए सुमन कुमार के संपर्क में रहने बात स्वीकार की है। इडी ने मनरेगा घोटाले की जांच के दौरान सीए सुमन कुमार के ठिकानों पर भी छापा मारा था। पहले चरण की पूछताछ में सीए सुमन ने कहा था कि उसके घर से मिले 19.76 करोड़ रुपये उसके खुद के हैं। हालांकि, इडी पदाधिकारियों द्वारा की गयी पूछताछ के दौरान उसने स्वीकारा था कि उक्त राशि खनन क्षेत्र से बतौर कमीशन जुटायी गयी थी। इसके बाद इडी की टीम ने जिला खनन पदाधिकारियों से पूछताछ की। इडी ने सुमन द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर राज्य के छह जिला खनन पदाधिकारियों से

पूछताछ की। इन पदाधिकारियों में साहिबगंज के जिला खनन पदाधिकारी विभूति कुमार, दुमका के जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार, पाकुड़ के जिला खनन पदाधिकारी प्रदीप कुमार शाह, रामगढ़ के जिला खनन पदाधिकारी नीतीश कुमार, खूंटी के जिला खनन पदाधिकारी नदीम शाफी और सिंहभूम के जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक के नाम शामिल हैं। साहिबगंज के जिला खनन पदाधिकारी विभूति कुमार ने कमीशन के रूप में 24-25 लाख रुपये सीए सुमन कुमार को देने की बात स्वीकार की। दुमका के जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने कमीशन के रूप में नौ लाख रुपये सुमन को देने की बात स्वीकार की। पूछताछ के दौरान उसने यह भी स्वीकार किया कि अफसरों के निर्देश पर अवैध खनन करनेवालों के अलावा खनन कार्य से जुड़े संगठनों और व्यापारियों से कमीशन की राशि वसूली जाती है। सीए सुमन कुमार ने भी कृष्ण कुमार से तीन-तीन लाख रुपये तीन किस्तों में लेने की बात स्वीकार की थी। रामगढ़ के जिला खनन पदाधिकारी निवेश कुमार, खूंटी के नदीम शाफी और सिंहभूम के जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक ने अपने बयान में कहा कि अफसरों के निर्देश पर वह सीए सुमन कुमार के संपर्क में रहते थे और कमीशन की राशि दबाव में देने की बात स्वीकार की।

इन डीएमओ ने सीए सुमन को पैसे पहुंचाने की बात स्वीकारी

1. साहिबगंज के डीएमओ विभूति कुमार
2. दुमका के डीएमओ कृष्ण कुमार
3. पाकुड़ के डीएमओ प्रदीप कुमार शाह
4. रामगढ़ के डीएमओ नीतीश कुमार
5. खूंटी के डीएमओ नदीम शाफी
6. सिंहभूम के डीएमओ निशांत अभिषेक

महत्वपूर्ण न्यूज

मानव तस्करी के शिकार चार बच्चों को दिल्ली में कराया गया मुक्त

रांची (आजाद सिपाही)। मानव तस्करी के शिकार रांची जिले के तीन बालकों एवं गुमला की एक बालिका को दिल्ली में मुक्त कराया गया है। एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र, नयी दिल्ली की नोडल ऑफिसर नचिकेता ने बताया कि चारों बच्चे मानव तस्करी के शिकार होकर अलग-अलग समय पर दिल्ली आये थे। तीन बालकों को दिल्ली पुलिस ने रेलवे स्टेशन से बरामद कर मुक्त कराया। गुमला जिले की एक लड़की को मानव तस्करी कर दिल्ली लाया गया था। उसे एक कोठी में घरेलू काम करने के लिए बेच दिया गया था, जहां बालिका से दिन-रात काम कराया जाता था। उसको पैसे भी नहीं दिये जा रहे थे। शारीरिक यातना से प्रताड़ित होकर बच्ची वहां से भाग निकली। इस किसी की नजर उस बच्ची पर पड़ी और उसे रेस्क्यू किया गया। रांची जिले की जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्वेता भारती ने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम बना कर इन बच्चों को झारखंड लाकर पुनर्वास के लिए दिल्ली भेजा है। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी वेद प्रकाश तिवारी एवं दुर्गा शंकर द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चों को वापस झारखंड में उनके गृह जिले में पुनर्वासित करने की कार्यवाही की जा रही है। दिल्ली में रेस्क्यू किये गये बच्चों को नयी दिल्ली से ट्रेन द्वारा रांची लाया जा रहा है। इन बच्चों को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जायेगा, ताकि ये पुनः मानव तस्करी का शिकार न बनने पायें। उल्लेखनीय है कि दिल्ली से मुक्त कराये गये बच्चों को दलालों के माध्यम से लाया गया था। झारखंड में ऐसे दलाल बहुत सक्रिय हैं, जो छोटी बच्चियों को बहला-फुसला कर अच्छी जिंदगी जीने का लालच देकर उन्हें दिल्ली लाते हैं और विभिन्न घरों में उन्हें काम पर लगाने के बहाने से बेच देते हैं। इससे उन्हें एक मोटी रकम प्राप्त होती है और इन बच्चियों की जिंदगी नर्क से भी बदतर बना दी जाती है।

शारदा ग्लोबल स्कूल के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम टाटीसिल्वे रांची के तत्वावधान में साइंस एक्जीबिशन कॉम्पटीशन आयोजित की गयी जिसका विषय था अक्षय उर्जा को बचाने का करो संकल्प, पृथ्वी को बचाने का बस यहीं है विकल्प। इस प्रतियोगिता में शहर के अनेक विद्यालयों के छात्र उपस्थित हुए। जिसमें शारदा ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा प्रदर्शित करते हुए स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विजयी प्रतिभागियों को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 3000 रुपये की धनराशि से पुरस्कृत किया गया। विद्यालय की डायरेक्टर एकेडेमिक्स डॉ रंजना स्वरूप और प्रधानाचार्या जसमीत कौर ने छात्रों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये छात्र हमारे भविष्य निर्माता हैं।

डीएवी आलोक में प्रदर्शनी का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। पुदांग स्थित डीएवी आलोक पब्लिक स्कूल मे विज्ञान प्रदर्शनी सह आर्ट एंव क्रफ्ट का आयोजन किया गया। जिसमे प्री नर्सरी से कक्षा चार तक के बच्चो ने आर्ट और क्रफ्ट एंव कक्षा पांच से बारहवीं तक के छात्रों ने लगभग 200 मॉडलों के साथ अपनी सृजनशीलता और कल्पनाओं की कलात्मक प्रस्तुति विज्ञान प्रदर्शनी में दी। इस प्रदर्शनी में लगभग 600 बच्चों ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी में हिंदी संस्कृत, अंग्रेजी भाषाओं के साथ भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान, समाजिक विज्ञान, गणित कंप्यूटर, अर्थशास्त्र एंव शारीरिक शिक्षा के मॉडलों ने अभिवावकों को प्रभावित किया। छात्रो ने स्मार्ट सीटी, इडियन इकोनॉमी, बैंक के कार्य, हड़प्पन सिविलाइजेशन, रेन वाटर हारवेसटिंग डिजिटल इण्डिया, भविष्य का गृहनिर्माण, गुरूकुलशिक्षा व्यवस्था एंव आधुनिक शिक्षा व्यवस्था, गांव का विकास आदि विषयो पर मॉडल बनाये। निर्णायक मंडली ने क्रमशः नॉन स्टॉप वाटर पंप, हाइड्रोपोनिक्स की खेती, स्मार्ट कूड़ेदान और जल स्तर संकेतक निम्न लिखित मॉडलों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना (कनसोलेसन) पुरस्कार हेतु चयनित किया जिन्हें नगद राशि क्रमशः रु 5001/-, रू 2001/-, 1001/- एवं 501 / - के साथ प्रशस्ति पत्र दे कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निर्देशक डॉ. आलोक कुमार ने बच्चों के द्वारा बनाये गये मॉडल का निरीक्षण किया तथा बच्चों की सोच एंव उनकी कला की प्रशंसा की। विद्यालय के प्रचार्य डॉ. अशोक कुमार ने प्रर्दशनी की सफलता के लिए छात्रों की मेहनत कि सराहना करते हुए कहा- आज के बच्चे ही कल के वैज्ञानिक होंगे।

भारत युवाओं का देश है : डॉ तपन कुमार शांडिल्य

रांची (आजाद सिपाही)। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में एसपीएएनडीएएन 2022 के तीसरे दिन, विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने पुरस्कृत किया। उन्होंने सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों से युवा महोत्सव के महत्व को बताते हुए कहा कि भारत को युवा देश माना जाता है, क्योंकि दुनिया भर में सबसे अधिक संख्या में युवा भारत में ही है और देश को आगे बढ़ाने में अपना अहम योगदान देते हैं। उन्होंने इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने युवा महोत्सव के अवसर पर अपने संबोधन में कहा था कि, भारत अपने सामर्थ्य से भी युवा है, अपने सपनों से भी युवा है, अपने चिंतन से भी युवा है और अपनी चेतना से भी युवा है। इसके बाद उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को कहा कि इस युवा महोत्सव को शांतिपूर्ण और अनुशासनात्मक तरीके से सफलता की पूर्णता तक ले जाने के लिए विद्यार्थियों, ऊजावान शिक्षकों, सभी कर्मियों का मैं आभार प्रकट करता हूं। प्रतियोगिताएं में वन एक्ट प्ले, स्किटस और मिमिक्री प्रतियोगिता की समन्वयक डॉ गीतांजलि सिंह और डॉ शालिनी लाल एवं डॉ राजेश कुमार, डॉ आभा झा, अचला कंडुलना, विकाश चंद्र शर्मा, राहुल देव शाह की उपस्थिति में हुई।

लाचार महिलाओं को आश्रय देने वाला सरकारी शेल्टर होम बंद, कर्मचारियों को तीन साल से वेतन भी नहीं मिला

रांची (आजाद सिपाही)। पिछले कुछ वर्षों में झारखंड में महिलाओं और बच्चों की तस्करी से जुड़े कई मामले सामने आये, जिसके बाद झारखंड एक संवेदनशील राज्य माना जाने लगा। लाचार या पीड़ित महिलाओं के लिए यहां का शेल्टर होम बड़ा आसरा होता है। ऐसी स्थिति में भी सरकारी शेल्टर होम नारी निकेतन की स्थिति काफी बदतर है। फंड के अभाव में शेल्टर होम पिछले महीने से बंद पड़ा है। रांची जिले के कांके प्रखंड के अरसंडे स्थित शेल्टर होम में अब कोई महिला नहीं रह रही है। देखरेख के अभाव में भवन की स्थिति भी जर्जर हो चुकी है। नारी निकेतन की देखरेख करने वाली संस्था महिला सामख्या सोसाइटी को तीन साल से महिला बाल विकास सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से फंड नहीं मिल रहा है। नारी निकेतन में कार्यरत कर्मियों को भी तीन साल से वेतन नहीं मिला है। नारी निकेतन की स्थिति में सुधार लाने के लिए साल 2021 में झारखंड हाइकोर्ट में पीआइएल दायर की गयी थी। हाइकोर्ट ने फंड देने के लिए आदेश भी दिया था। इसके बावजूद भी फंड नहीं मिला। अंत में कर्मचारियों ने 24 अगस्त 2022 को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को सभी दस्तावेज, सामग्री और चाबी सौंप दी। नारी निकेतन में कार्यरत कर्मचारियों को पिछले तीन सालों से वेतन नही मिलने से उनकी आर्थिक स्थिती काफी दयनीय हो गयी है। हालत यह है कि यहां वर्षों से काम कर रहीं महिलाओं के पास खाने के संकट है। शेल्टर होम के बंद हो जाने के बाद सोसाइटी ने भी लाचार महिलाओं को या तो उनके परिवारों के सुपुर्द कर दिया या दूसरे जिलों के आश्रयगृह में भेज दिया।

अनुसूचित जाति समन्वय समिति का गठन किया

रांची। अनुसूचित जाति के 22 उपजाति के सामाजिक संगठन के लोगों ने कांके रोड रॉक गार्डन के पास बैठक कर अनुसूचित जाति समंवय समिति के गठन किया। समंवय समिति में सर्वसम्मति से नीरज पासवान, सीताराम रवि, भगत बाल्मीकि, खुदा राम को संरक्षक उपेंद्र कुमार को अध्यक्ष राम लगन राम को कार्यकारी अध्यक्ष, रंजन पासवान, योगेंद्र लाल को महासचिव कमलेश राम, राकेश राम, नीरज नायक, जीवन राम, जगदीश दस-उपाध्यक्ष अनिल राम को कोषाध्यक्ष राजीव लाल, प्रदीप कुमार को मीडिया प्रभारी विनोद राजन को कार्यालय प्रभारी चुना गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि कुछ लोग राजनीतिक कारणों से प्रेरित होकर संविधानिक संस्थानों पर दबाव बना रहे हैं जो लोकतंत्र वाइ सविधान के विरुद्ध उपस्थित लोगों ने कहा कि कुछ लोग राज्य में रह रहे 5000000 अनुसूचित जाति के लोगों को संविधानिक हित और अधिकारों को पिछड़ी जाति जैसा दबाने का प्रयास कर रहे हैं जो कभी सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए रोस्टर के तहत आरक्षित की गई। रांची नगर निगम के सीट पर दबाव बनाकर बदलवाने का प्रयास कर रहे हैं। उपस्थित लोग एवं समिति के लोगों ने इस संदर्भ में झारखंड निर्वाचन आयोग के सचिव श्री राधे श्याम प्रसाद जी को आयोग द्वारा जारी आरक्षण प्रणाली को स्वागत करते हुए किसी भी राजनीति के दबाव में ना आते हुए अभिलंब चुनाव के लिये मांग पत्र सौंपा नीरज पासवान, उपेंद्र कुमार, रंजन पासवान, राम लगन राम, सीताराम रवि ने कहा कि रांची नगर निगम में पहले 55 वार्ड था जिसमें पांच वार्ड अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित था 53 वार्ड में 4 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित था। ईश वर्ष आरक्षण रोस्टर के तहत 2 सीट आरक्षित की गई हजारीबाग नगर निगम आदि को रोस्टर प्रणाली के अंतर्गत अलग समुदाय के लिए आरक्षित की गई। अनुसूचित जाति के कोई भी संगठन इस संदर्भ में आयोग एवं सरकार का विरोध नहीं किया लेकिन जिस तरह से सरकार का चूची एवं जनप्रतिनिधियों के चुप से यह बात स्पष्ट हो रहा है कि राज्य में रह रहे 5000000 अनुसूचित जाति के लोगों को अधिकार आवाजों का दबाने का प्रयास हो रहा है। जिसे अनुसूचित जाति के लोग कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे इसके लिए पूरे राज्य में पसड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे और यदि छेड़छाड़ होता है तो हम वैसे सीटों पर वोट का बहिष्कार करेंगे जो हमारे लिए सुरक्षित नहीं है बैठक एवं ज्ञापन देने मैं शामिल थे। नीरज पासवान, सीताराम रवि, रंजन पासवान, उपेंद्र कुमार, राम लखन राम, जोगेंदर लाल, सत्येंद्र रजक, युवराज पासवान राकेश राम जगदीश दास, रणधीर रज,क नीरज नायक, सूरज नायक, राजू लाल, रंजीत भुइया संजीत पुरी अजय बावरी, प्रदीप राम, सीमा पासवान, विनोद राजन, मोहन राम राजेश रजक, संतोष रवि, राजू रजक इत्यादि।

चार अफसरों को संयुक्त सचिव में प्रमोशन, पोस्टिंग

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड सचिवालय सेवा के चार पदाधिकारियों को उप सचिव पद से संयुक्त सचिव कोटि में प्रोन्नति प्रदान करते हुए पदस्थापित किया गया है। इन्हें अब 37400-67000 ग्रेड पे. 8700 पुनरीक्षित वेतनमान मैट्रिक्स लेवल 13 में प्रोन्नति दी गयी है। इनमें कृषि पशुपालन एवं सरकार सहकारिता विभाग में पदस्थापित सतीश कुमार, अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग रांची में पदस्थापित वंदना कुमारी, विधि विभाग में पदस्थापित सुशील कुमार लाल, वाणिज्य कर विभाग में पदस्थापित रघुनाथ राम को विभागों में उप सचिव पद से संयुक्त सचिव के पद में उत्क्रमित कर पदस्थापित किया गया है। इस संबंध में कार्मिक प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

झारखंड कैबिनेट की बैठक अब एक दिसंबर को

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड कैबिनेट की बैठक अब गुरुवार एक दिसंबर को आयोजित होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की बैठक शाम 4:00 बजे से प्रोजेक्ट भवन सभागार में होगी। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग ने अधिसूचना जारी कर दिया है और सभी विभागों को पत्र लिखकर कैबिनेट की बैठक के लिए प्रस्ताव देने का निर्देश दिया है। बता दे पहले सरकार ने 28 नवंबर को कैबिनेट की बैठक रखने का फैसला लिया था लेकिन इस तिथि में संशोधन किया गया है।

झारखंड में लगातार तापमान गिरने से बढ़ी ठंड

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड ठंड के आगोश में है। कई अधिकांश हिस्सों में लगातार तापमान गिरने से कनकनी बढ़ गयी है। राज्य में तापमान 9.3 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर चुका है। अगले दो-तीन दिनों में दो से तीन डिग्री तक तापमान गिरने का अनुमान है। इसके बाद लोगों को ठंड सताने लगेगी। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट स्थित मौसम केंद्र ने बुधवार को बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। अधिकतम तापमान पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा में दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान पलामू जिला के डालटेनगंज में दर्ज किया गया। चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री रहा, जबकि डालटेनगंज का न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र ने कहा है कि झारखंड में अगले पांच दिनों तक सुबह में कोहरा या धुंध छाया रहेगा। इसके बाद दिन में आसमान साफ रहेगा। मौसम शुष्क रहेगा। इन पांच दिनों में अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। राजधानी रांची में भी धीरे-धीरे तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। अगले तीन दिन में तापमान दो डिग्री सेंटीग्रेड तक गिरने का अनुमान है। मौसम केंद्र के मुताबिक बुधवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहा। 24 नवंबर को अधिकतम तापमान में कोई गिरावट दर्ज नहीं होगी जबकि न्यूनतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। 24 नवंबर को रांची का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेंटीग्रेड रह सकता है। 25 नवंबर को अधिकतम तापमान एक डिग्री गिरकर 26 डिग्री सेंटीग्रेड रह जाने का अनुमान है जबकि न्यूनतम तापमान में भी एक डिग्री की गिरावट आने की उम्मीद है।

सज धज के तैयार है एक्सपो उत्सव राज्यपाल करेंगे उद्घाटन

आज से 28 नवंबर तक मोरहाबादी मैदान एक्सपो से रहेगा गुलजार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेसीआइ रांची के एक्सपो की तैयारी हो चुकी है और 24 से 28 नवंबर तक यह मोराबादी मैदान में लगेगा। इस एक्सपो का उद्घाटन महामहिम रमेश बैश के द्वारा 12 बजे दिन में किया जायेगा। यह एक्सपो का 25वां साल है। इस वर्ष एक्सपो में 325 स्टॉल है जो की सभी बिक गये है। एक्सपो का हर दिन का समय सुबह 11:30 बजे से रात 9 बजे तक रहेगा। प्रेस कांफ्रेंस में अध्यक्ष सौरव साह ने बताया की इस वर्ष हमलोग ब्रिस्ट्रों कैफे लेके आ रहे है जो की ग्राउंड के बीच में होगा और इसमें खाने के नये नये चीज रहेंगे, इस वर्ष हम अपना घर के नाम से रियल एस्टेट के लिए अलग हैंगर लेके आ रहे है, स्टार्टअप जोन के माध्यम से हमलोग नये एंटरप्रेन्योर को बढ़ावा देने कि कोशिश कर रहे है। इसके

अतिरिक्त महिलाओं को प्रोसाहन के लिए पिंक हैंगर बनाया गया है जिसमे की लेडीज एंटरप्रेन्योर रहेंगे। एक्सपो चीफ अभिषेक केडिया जी ने आगे बताया की उनकी पूरी कोशिश है की एक्सपो में इस वर्ष लोगो को सुई से लेकर कार तक सभी मिले और अच्छे ऑफर के साथ मिले। ऑफर की आगे जानकारी देते हुए उन्होंने कहा की एक्सपो इस वर्ष एंट्री टिकट के साथ 36 डिस्काउंट कूपन दिया जा रहा है जो की शहर के विभिन्न प्रमुख संस्थानों के होंगे और इस एंट्री टिकट की कीमत मात्र 20 रुपए रहेंगे। इसके अतिरिक्त शनिवार को मिडनाइट बाजार लगाया जा रहा है जिसमे की सभी स्टॉल धारक रात को 12 बजे तक स्टॉल खुले रखेंगे और उसके साथ कई कार्यक्रम भी होते रहेंगे। मशहूर सिंगर ओशो भी इस कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा इस रजत जयंती में पूरी के मशहूर सैंड आर्टिस्ट भी मोराबादी मैदान में अपनी कला की प्रस्तुति करेंगे। एक्सपो में इस साल बच्चों के लिए भी बोहोत कुछ नया रहेगा जैसे की उनके लिए एम्यूजमेंट पार्क बनाया गया है जिसमे की 15 से अधिक प्रकार के झूले रहेंगे। इस साल नये में क्यूआर कोड सिस्टम लाया गया है जिससे की लोगों को एक्सपो में अंदर आते ही सभी स्टॉल की जानकारी मिलेगी।

इनकी रहेगी उपस्थिति

इस साल एक्सपो में बैंक ऑफ बड़ौदा, ब्रदर्स अकादमी, डिवाइन हॉस्पिटल, नीव प्ले स्कूल, स्वर्णभूमि बैंक्वेट, अल्पाइन मांगो टांगो, प्रभुजी नागपुर, श्री गजानंद ज्वेलर्स, बगला सिक्योरिटी, स्पाइडर फाइबर, प्रांजल फोटोग्राफी और फोटोनगैलेक्सी स्पांसर्स है। प्रेस कांफ्रेंस में सौरभ शाह, अभिषेक केडिया, प्रतीक जैन, सिधार्थ चौधरी, वरुण जालान, संकेत सरवगी उपस्थित थे।

खत्म हुई सुखदेव भगत और रामेश्वर उरांव की कानूनी लड़ाई, सुखदेव ने हाइकोर्ट से वापस ली याचिका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव भगत ने झारखंड सरकार के मंत्री रामेश्वर उरांव के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका वापस ले ली है. हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम चौधरी की अदालत से प्रार्थी सुखदेव भगत ने याचिका वापस लेने का आग्रह किया गया. जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने याचिका वापस लेने की अनुमति प्रदान कर दी है. याचिका वापस होने से रामेश्वर उरांव को बड़ी राहत मिली है. बता दें कि

सुखदेव भगत ने अपनी याचिका में कहा था कि लोहरदगा विधानसभा सीट से निर्वाचित होकर विधायक बने रामेश्वर उरांव ने अपने नामांकन में कई

तथ्य छिपाए हैं. उन तथ्यों का हवाला देकर याचिकाकर्ता सुखदेव भगत ने अदालत से राज्य सरकार के मंत्री और लोहरदगा विधानसभा से निर्वाचित विधायक रामेश्वर उरांव के निर्वाचन को चुनौती देते हुए रामेश्वर उरांव के निर्वाचन को रद्द किए जाने की मांग को लेकर झारखंड हाइकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. सुखदेव भगत ने इसके लिए झारखंड हाइकोर्ट में इलेक्शन पीटिशन दायर की थी. जब सुखदेव भगत ने यह याचिका दाखिल की थी. उस वक्त वह कांग्रेस पार्टी में नहीं थे, लेकिन अब उन्होंने दोबारा कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ले ली है और कांग्रेस ने उन्हें पार्टी को-ऑर्डिनेशन कमेटी का सदस्य भी बनाया है.

अत्याधुनिक सुविधाओं वाले बर्लिन जनरल हॉस्पिटल का उद्घाटन कल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बर्लिन जनरल हॉस्पिटल का उद्घाटन कल यानी शुक्रवार को होगा। यह हॉस्पिटल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। बर्लिन डायग्नास्टिक और डे केयर (बीडीडीसी) की स्थापना वर्ष 2021 में वी और एल डायग्नोस्टिक सेंटर एलएलपी, रांची की इकाई के रूप में हुई थी। यह केंद्र पूरे झारखंड राज्य में पीईटी-सीटी सेवा वाला पहला और सफलतम केंद्र है। बीडीडीसी आधुनिक उपकरणों के साथ कई सेवाएं भी प्रदान करती रही है और डायग्नोस्टिक्स और डे-केयर में माहिर है। वी एंड एल ने शहर के अन्य अस्पतालों में अपनी डायग्नोस्टिक और इमेजिंग प्रयोगशालाएं भी स्थापित की हैं। वी एंड एल एक प्राइवेट कंपनी है जिसे वर्ष 2018 में स्थापित किया गया था। यह रांची में एक उच्च

पेशेवर, विश्व स्तर की डायग्नोस्टिक और इमेजिंग फर्म है, जो चिकित्सा नये अनुसंधानों और उपकरणों के बदलते परिदृश्यों को पूरा करने के लिए उच्च तकनीक पूर्ण स्वचालित इमेजिंग प्रयोगशाला है।

कोरोना वायरस महामारी के दौरान, कंपनी ने बाधाओं के खिलाफ खड़े होने का फैसला किया और हरमू में एक कोविड केंद्र की स्थापना की। इस दृष्टिकोण ने अस्पताल प्रबंधन को जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने के लिए प्रेरित किया और परियोजना की सफलता दर 98 प्रतिशत से अधिक थी और इसी दौरान एक पूर्ण विकसित अस्पताल स्थापित करने की प्रेरणा मिली। सभी एकत्रित जानकारी और अनुभवी वेटरन लोगों के साथ, अब हम अपना अस्पताल, बर्लिन जनरल अस्पताल गुणवत्ता देखभाल घर के करीब विचारों को मजबूत करते हुए शुरू करने के लिए तैयार हैं। बर्लिन जनरल हॉस्पिटल आईसीयू, एनआईसीयू, एचडीयू, जनरल वार्ड, मॉड्यूलर ओटी, डायलिसिस और लेबर रूम वाला अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित अस्पताल है। इस हॉस्पिटल में मानव जीवन से जुड़े हर विभाग और उससे जुडे प्रसिद्ध डॉक्टर्स उपलब्ध रहेंगे। इसमें चिकित्सा जगत द्वारा पेश किए जाने वाले सर्वोत्तम तकनीकी उपकरणों के साथ सभी डायग्नोस्टिक सेवाएं भी होंगी। हमारी अपनी रीजनेबल इन-हाउस फामेर्सी भी होगी। साथ हीं मुफ्त एम्बुलेंस सुविधा सहित 247 आपातकालीन सेवाएं प्रदान की जाएंगी। अस्पताल में अनुभवी और अत्यधिक पेशेवर चिकित्सा विशेषज्ञ होंगे। अब रांची शहर के मरीजों को अत्याधुनिक सुविधाओं और क्वालिटी केयर के लिए दूसरे शहर जाने की जरुरत नही पड़े, इसी को ध्यान में रखकर बर्लिन जनरल हॉस्पिटल राज्यवासियों और शहर वासियों के लिए लाया गया है। बर्लिन जनरल अस्पताल का उद्घाटन झारखंड द्वारा 25 नवंबर को किया जायेगा।

आयकर का छापा, हजारीबाग के इंजीनियर के कार से 10 लाख रुपये बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पीडब्ल्यूडी हजारीबाग के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह हजारीबाग से रांची आने के क्रम में दस लाख रुपये नकदी के साथ पकड़े गए। जिसके बाद से ही आयकर विभाग की टीम उनके हजारीबाग व रांची के अशोक नगर रोड नंबर चार के आवास संख्या 137-सी में भी छापेमारी की। इस छापेमारी में उनके कार से व घर से बरामद करीब 20 लाख रुपये नकदी के अलावा भारी मात्रा में बैंक में जमा राशि व लेन-देन से संबंधित दस्तावेज व अन्य कागजात मिले हैं, जिसके बारे में आयकर के अधिकारी उनसे पूछताछ कर रहे हैं।

कार में नकद रुपये लेकर आ रहे थे आवास पर

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह हजारीबाग से दस लाख रुपये नकदी लेकर अपनी कार से रांची स्थित आवास आ रहे थे। इसकी सूचना पुलिस को मिली, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रुपयों के साथ पकड़ा और आयकर विभाग को इसकी सूचना दी। मंगलवार शाम को ही आयकर विभाग ने अनिल कुमार सिंह के ठिकाने पर दबिश दे दी और छापेमारी तेज की। इस छापेमारी में उनकी कार से दस लाख के अलावा घर से भी करीब दस लाख रुपयों की बरामदगी हुई। बरामद नकदी के स्रोत के बारे में आयकर के अधिकारियों ने अनिल कुमार सिंह से पूछताछ की, लेकिन उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया है।

किसी से रिश्वत में लिये गये रुपये होने की आशंका

पथ निर्माण विभाग हजारीबाग डिविजन के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार सिंह के ठिकाने से बरामद करीब 20 लाख रुपयों के बारे में आयकर विभाग को आशंका है कि सभी राशि रिश्वत के हैं। हालांकि, अभी सत्यापन जारी है। सत्यापन पूरा होने के बाद ही विभाग कोई जानकारी सार्वजनिक कर सकेगा।

हाइकोर्ट में रोज होगी सुनवाई, समरी की ओर से टिकामचंद पवार की हुई गवाही

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 2019 विधानसभा चुनाव में कांके विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी रहे सुरेश बैठा की चुनाव याचिका पर हाइकोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान भाजपा विधायक समरी लाल की ओर से गवाह टिकामचंद पवार का बयान दर्ज किया गया। टिकामचंद ने भी कोर्ट को यही बताया कि समरी लाल का परिवार आजादी से पहले से रांची में रह रहा है लेकिन इसका कोई दस्तावेजी प्रमाण उपलब्ध नहीं है। इसके बाद अदालत ने इस मामले की सुनवाई डे टू डे बेसिस पर करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता सुरेश बैठा की ओर से हाइकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, विभास सिन्हा और अविनाश अखौरी ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा। वहीं समरी लाल की ओर से अधिवक्ता अमर कुमार सिन्हा ने पक्ष रखा। बता दें कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में कांके विधानसभा की आरक्षित सीट से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार सुरेश बैठा और भाजपा के प्रत्याशी समरी लाल चुनाव लड़े थे। मतगणना के बाद भाजपा के प्रत्याशी समरी लाल को निर्वाचित घोषित किया गया। इसके बाद सुरेश बैठा ने झारखंड हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर समरी लाल के निर्वाचन को रद्द करने की मांग की है। इसके पीछे उन्होंने आधार दिया है कि समरी लाल द्वारा चुनाव के दौरान दिया गया जाति प्रमाण पत्र गलत है।

योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता हो मूल मंत्र: विनय चौबे

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड मंत्रालय के सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के सामाजिक अंकेक्षण के तहत राज्य स्तरीय सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न निकायों के प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से जुड़े मुद्दों पर ज्यूरी सदस्यों द्वारा चर्चा की गयी एवं उनके निष्पादन के लिये संबंधित निकायों के नगर आयुक्त, कार्यपालक पदाधिकारियों एवं निकाय की टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। इस राज्य स्तरीय सुनवाई कार्यक्रम में ज्यूरी की अध्यक्षता नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे द्वारा की गयी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि किसी भी सरकारी योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता मूल मंत्र होना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत किये गए सामाजिक अंकेक्षण कार्य की सराहना की एवं जन सुनवाई का महत्व, दूरगामी प्रभाव तथा इसके फलाफल पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया की सोशल ऑडिट में निकाय स्तर पर चिन्हित मुद्दों को अविलंब समाधान किया जाए तथा लाभुकों को आवास के साथ ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का निदेश दिया। इसके उपरांत नगरीय प्रशासन निदेशालय के निदेशक आदित्य कुमार आनंद द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत किये गए सामाजिक अंकेक्षण कार्य की विस्तृत प्रक्रिया एवं मुद्दों की समीक्षा की गयी। इसके साथ ही जिन मुद्दों का निष्पादन ससमय नहीं किया गया है वैसे कर्मियों पर कार्रवाई करने का निदेश दिया गया। राज्य स्तरीय सुनवाई कार्यक्रम में ज्यूरी/ पैनल सदस्य के रूप में सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, निदेशक, नगरीय प्रशासन निदेशालय, संयुक्त सचिव नगर विकास एवं आवास विभाग, महाप्रबंधक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, महाप्रबंधक जुड्को लिमिटेड, राज्य स्त्रोत समूह सोशल ऑडिट यूनिट, राज्य समन्वयक महिला हाउसिंग ट्रस्ट ने भाग लिया एवं निकायों के पी एम आवास के मुद्दों पर आवश्यक निर्णय एवं निदेश दिया गया। विदित हो कि आवासन एवं शहरी मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में योजना का लक्षित लाभ सही लाभुकों तक पहुंचे एवं इसका प्रभाव समाज में किस तरह का हुआ, ये सब उदेश्यों को सरकार के नजर में लाने हेतु पीएम आवास योजना (शहरी) का सोशल ऑडिट अनिवार्य है। इस हेतु नगरीय प्रशासन निदेशालय द्वारा सोशल ऑडिट यूनिट, जे एस एल पी एस, ग्रामीण विकास विभाग को राज्य के 16 नगर निकायों यथा रांची, देवघर , मानगो, मेदिनीनगर , चास ,धनबाद, साहिबगंज , कोडरमा, मधुपुर, दुमका, बासुकीनाथ, गढ़वा, लोहरदगा, सिमडेगा, रामगढ एवं चक्रधरपुर में 3760 आवासों का सोशल ऑडिट किया गया है। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन निदेशालय के सहायक निदेशक शैलेश प्रियदर्शी, एस एल टी सी एवं सोशल ऑडिट यूनिट की पूरी टीम उपस्थित रहे।

ग्रामीण विकास विभाग ने योजनावार बजट के विरुद्ध खर्च की गयी राशि की समीक्षा की

रांची (आजाद सिपाही)। ग्रामीण विकास सचिव प्रशांत कुमार ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पूर्व से चल रही योजनाओं की सतत निगरानी करते रहें। वहीं कुशल वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक सुधार की पहल करने को भी कहा। उन्होंने सरकारी खर्च पर पैनी नजर रखने और उसे युक्तिसंगत बनाने पर भी जोर दिया। ये बातें सचिव ग्रामीण विकास विभाग प्रशांत कुमार ने कही। सचिव योजनावार बजट के विरुद्ध खर्च की गई राशि का विवरण, योजना बजट के विरुद्ध निर्गत स्वीकृति आदेश और व्यय की स्थिति की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्री प्रशांत कुमार ने कहा कि आज पूरी दुनिया सौर ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। झारखण्ड में भी इसपर कार्य शुरू करें। छोटे स्तर पर इसकी शुरूआत करें। सिंचाई के क्षेत्र में छोटे पैमाने पर इसका उपयोग हो रहा है। अब माइनर इरिगेशन पर भी विभाग ध्यान केंद्रित करें। इस दिशा में बेहतर परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। बैठक में सचिव श्री प्रशांत कुमार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में योजना के विरुद्ध निर्गत स्वीकृति आदेश, आवंटन आदेश, व्यय की स्थिति, विभाग द्वारा संचालित मुख्य योजनाओं के कार्यान्वयन की अद्यतन स्थिति, योजनाओं की स्वीकृति तथा उनके कार्यान्वयन की स्थिति, भारत सरकार से राशि की प्राप्ति एवं उसके व्यय की अद्यतन स्थिति की जानकारी एवं आगामी बजट की तैयारी को लेकर निदेश दिया। बैठक में मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी, विशेष सचिव रामकुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव अरुण कुमार सिंह, अवर सचिव चंद्रभूषण, उप सचिव प्रमोद कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मार्गशीर्ष अमावस्या के अवसर पर हुई खाटू नरेश की विशेष पूजा

रांची (आजाद सिपाही)। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में बुधवार को मार्गशीर्ष अमावस्या के अवसर पर श्रृंगार आरती के बाद पंचमेवा के भोग के समय भक्ति भाव से उक्त भजन का गायन कर खाटू नरेश को रिझाया जा रहा था। पूरा मंदिर परिसर खाटू नरेश की जय जयकारों से गूंज रहा था । श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा निर्मित व संचालित हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में अमावस्या के अवसर पर खाटू धाम के श्री श्याम मंदिर की व्यवस्था अनुसार खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान विधि विधान से संपन्न हुआ। गंगाजल, शुद्ध जल, दूध, दही, शहद, चीनी, गुड़, लाल गुलाब के फूल आदि से श्याम बाबा का महास्नान करवाया गया। सुगंधित इत्र से बाबा के कई बार मसाज किए गए। खाटू नरेश सहित मंदिर परिसर में विराजमान सभी देवी देवताओं को नया वस्त्र बागा आदि धारण करवाया गया। फूलों की मोटी मोटी मालाओं से मंडल के मंत्री श्री श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में मनोहरी देवी श्रृंगार किया गया। पंचमेवा का भोग लगाया गया। सुबह 8:30 बजे श्रृंगार आरती की गयी। चिरौंदी निवासी संजीव कुमार ने श्रृंगार सुश्री मधुश्री पंचमेवा, राजेश शर्मा व राजेश सिंघानिया ने सेवा निवेदित की।

बराबरी का हक मिले

सुप्रीम कोर्ट के सामने 34 महिला सैन्य अधिकारियों ने सोमवार को जो शिकायत रखी, वह सेना के कामकाज और खासकर उसकी प्रमोशन पॉलिसी पर कई सवाल खड़े करती है। इन महिला अधिकारियों का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें सेना में प्रोन्नति से जुड़ा अपना हक नहीं मिल पा रहा है। ध्यान रहे, सेना पारंपरिक तौर पर पुरुषों का कार्यक्षेत्र मानी जाती रही है और इसमें महिलाओं को प्रवेश पाने के लिए भी लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी है। प्रवेश पाने के बाद भी अपने साथ बराबरी का व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए उन्हें हर कदम पर संघर्ष करना पड़ रहा है। हालांकि देश का संविधान नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है और इसलिए किसी भी क्षेत्र में लिंग के आधार पर भेदभाव की गुंजाइश नहीं छोड़ी जा सकती। निश्चित रूप से सेना में विभिन्न पदों पर तैनाती के सख्त मानदंड हैं और उन मानदंडों में किसी तरह की छूट की वकालत नहीं की जा सकती। लेकिन महिला सैन्य अधिकारी अगर अपनी उम्मीदवारी पर निष्पक्ष ढंग से विचार किए जाने का आग्रह करती हैं तो उसमें कुछ भी अनुचित नहीं है। इन्हीं बातों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने 17 फरवरी 2020 को आर्मी में शॉर्ट सर्विस कमिशन की महिला अधिकारियों को परमानेंट कमिशन देने का ऐतिहासिक फैसला किया। इसके बाद मार्च 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य फैसले में कहा कि सेना में परमानेंट तौर पर शामिल की गई ये महिला अधिकारी प्रोन्नति समेत सभी फायदों की हकदार होंगी। सुप्रीम कोर्ट के इस स्पष्ट रुख के बावजूद जैसा कि ताजा याचिका से पता चलता है कि इन महिला अधिकारियों को अभी तक कोई प्रोन्नति नहीं दी गई है, जबकि इसी बीच पुरुष अधिकारियों की प्रोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी गई। नतीजा यह कि इन महिला अधिकारियों के लिए अपने से जूनियर अधिकारियों के अधीनस्थ काम करने की नौबत आन पड़ी है। सुप्रीम कोर्ट में ठीक ही सवाल उठा कि आखिर ऐसा क्यों है कि महिला अधिकारियों के लिए कोई प्रमोशन बोर्ड नहीं बना जबकि पुरुषों के प्रमोशन बोर्ड ने फटाफट फैसले भी ले लिये। तात्कालिक तौर पर दिया गया यह जवाब किसी के गले उतरना मुश्किल है कि महिला अधिकारियों के अतिरिक्त पद के लिए वित्त मंत्रालय की मंजूरी लेनी पड़ती है जिसमें देर हो रही है। महिला अधिकारियों की ओर से मौजूद वकील ने तत्काल ध्यान दिलाया कि महिलाओं के प्रमोशन का मामला अतिरिक्त पद की श्रेणी में आ जाता है, जबकि पुरुषों का प्रमोशन सामान्य पदों की श्रेणी में जिनके लिए वित्त मंत्रालय से विशेष मंजूरी की जरूरत नहीं होती। बहरहाल, दो हफ्ते में सेना की ओर से आधिकारिक तौर पर जवाब दाखिल किया जाना है। हो सकता है इस मामले में कोई जेनुइन बाधा हो। लेकिन जैसी भी बाधा हो उसे हर हाल में दूर करने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट के सामने 34 महिला सैन्य अधिकारियों ने अपनी शिकायत रखी। उनकी इस शिकायत से सेना के कामकाज और खासकर प्रमोशन पॉलिसी पर कई सवाल खड़े हो गए। इन महिला अधिकारियों ने आरोप लगाया कि इन्हें बराबरी का हक नहीं मिल रहा है।

अभिमत आजाद सिपाही

झारखण्ड स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष 15 नवम्बर को मनाया जाता है। झारखण्ड राज्य के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक दिन है। झारखण्ड राज्य की स्थापना सन् 2000 में की गई थी। राज्य की एक लम्बी यात्रा के बाद अब इस राज्य में उच्च शिक्षा की स्थिति क्या है? इसकी आज विस्तारपूर्वक अध्ययन की आवश्यकता है। झारखण्ड में पिछले 22 वर्षों में कई नये कॉलेज और विश्वविद्यालय खुले।

झारखंड में उच्च शिक्षा की यात्रा

डॉ. तपन कुमार शांडिल्य

झारखण्ड स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष 15 नवम्बर को मनाया जाता है। झारखण्ड राज्य के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक दिन है। झारखण्ड राज्य की स्थापना सन् 2000 में की गई थी। राज्य की एक लम्बी यात्रा के बाद अब इस राज्य में उच्च शिक्षा की स्थिति क्या है? इसकी आज विस्तारपूर्वक अध्ययन की आवश्यकता है। झारखण्ड में पिछले 22 वर्षों में कई नये कॉलेज और विश्वविद्यालय खुले। राज्य गठन के समय बंटवारे के बाद कुछ बड़े उच्च शिक्षा के संस्थान राज्य के हिस्से में आये थे। राज्य गठन के बाद मुख्य रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की स्थापना झारखण्ड में हुई। यहां हम राज्य स्तर पर खुले विश्वविद्यालयों की भी चर्चा कर सकते हैं। राज्य गठन के बाद कोल्हान विश्वविद्यालय, नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय, विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, झारखण्ड राज्य खुला विश्वविद्यालय, झारखण्ड राज्य तकनीकी विश्वविद्यालय, वीमेन्स विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालयों का गठन हुआ। राज्य गठन के पूर्व झारखण्ड में रांची विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय एवं एसकेएम विश्वविद्यालय, दुमका उच्च शिक्षा के तर्ज में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे थे। बाद में सरकार की उदार नीति के फलस्वरूप दर्जनों निजी विश्वविद्यालयों का भी गठन किया गया। केन्द्र सरकार के द्वारा यहां केन्द्रीय विश्वविद्यालय भी खोला गया है, जो झारखण्ड राज्य के लिए एक शुभ संकेत है। किसी राज्य की उन्नति का रास्ता प्रशस्त करने में ऐसे ही संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्लेटो जैसा दार्शनिक ने भी वकालत किया था कि एक आदर्श राज्य की स्थापना में ऐसे ही उच्च शिक्षा के संस्थानों का महत्वपूर्ण भूमिका होता है। आगे प्लेटो ने यह भी कहा कि राज्य सत्ता इस तरह के शिक्षण संस्थानों के निर्माण और संचालन के लिए उत्तरदायी है। वर्तमान समय में उच्च शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अपने विषयों में परंपरागत लोगों को कुशल मानव संसाधनों में परिणत करना है। झारखण्ड राज्य स्थापना के बाद तकनीकी शिक्षा के लिए भी कई संस्थानों की स्थापना हुई। राज्य में उच्च शिक्षा के विकास के लिए विगत कई वर्षों में नयी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का श्रीगणेश हुआ है। फिर भी राष्ट्रीय मानक स्तर से झारखण्ड पीछे है। राज्य में ना केवल नये उच्च शिक्षण संस्थान खोलने की आवश्यकता है, बल्कि पूर्व से संचालित संस्थानों में संरचनाओं के विकास तथा गुणवत्ता में सुधार लाने की जरूरत है। निजी क्षेत्र को और बढ़ावा देना होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि संस्थान आवश्यक मापदण्डों का अनुपालन करते हों। भारत के मानचित्र पर स्थित तीन बड़े राज्यों का गठन एक साथ हुआ-झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखण्ड। यदि तीनों राज्यों की तुलना करें तो स्पष्ट होता है कि झारखण्ड राज्य में उच्च संस्थानों का गठन अधिक हुआ। लेकिन इन शिक्षण संस्थानों में उपस्थिति गुणवत्ता की वस्तुस्थिति को दर्शाने के लिए नाकाफी है। शिक्षा की गुणवत्ता को मापने के लिए आमतौर पर शिक्षक-छात्र अनुपात की गणना की जाती है और शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता के सूचकांक उच्च शिक्षा की वास्तविक स्थिति को समझा जा सकता है। वर्तमान में झारखण्ड में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात 20.9 है, जबकि राष्ट्रीय सरल नामांकन अनुपात 27.6 है। हालांकि उच्च शिक्षा में सरल नामांकन अनुपात राज्य में 2020-2021 की अपेक्षा लगभग 75 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है, जो दोनों राज्यों-छत्तीसगढ़ एवं उत्तराखण्ड से मजबूत है।

झारखण्ड राज्य की युवा जनसंख्या का विश्लेषण करें तो परिणाम संतोषपरक है। अगर प्रति लाख युवा जनसंख्या (18-23 आयु वर्ग) पर महाविद्यालयों की संख्या पर विचार करें तो इस मामले में झारखण्ड राष्ट्रीय औसत से काफी पीछे है और पिछले 10 वर्षों में इसमें मामूली सुधार आया है। महाविद्यालयों की उपलब्धता छत्तीसगढ़ और उत्तराखण्ड दोनों राज्यों में बेहतर है, हालांकि छत्तीसगढ़ औसत से थोड़ा सा ही पीछे है, महाविद्यालयों की उपलब्धता का असर औसत नामांकन दर के आंकड़ों में नजर आता है, जो तीन राज्यों में से झारखण्ड में सबसे ज्यादा है।

पिछले 15 वर्षों के आंकड़ों के आधार पर झारखण्ड न सिर्फ अपने समकक्ष नये राज्यों, बल्कि राष्ट्रीय अनुपात से भी कोसों दूर नजर आता है। छात्र-शिक्षक अनुपात के आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं। राष्ट्रीय अनुपात में मामूली बढ़ोत्तरी हुई है और साथ में छत्तीसगढ़ के अनुपात में भी वृद्धि हुई है, लेकिन झारखण्ड में अनुपात 40 से बढ़कर 56 होना थोड़ा चिन्ताजनक है। छात्र-शिक्षक अनुपात का बढ़ना इस बात का संकेत है कि एक शिक्षक अब पहले से ज्यादा छात्रों की शिक्षा के लिए उत्तरदायी है। इन तीन राज्यों में उत्तराखण्ड ही ऐसा राज्य है, जहां शिक्षक-छात्र अनुपात घटा है, जिसका मतलब हर शिक्षक के जिम्मे अब पहले से कम छात्र हैं। बेहतर मौके के उम्मीद में पिछले कुछ वर्षों से उच्च शिक्षा के प्रति रूझान बढ़ा है। पिछले कुछ वर्षों में झारखण्ड में सकल नामांकन अनुपात में दो गुणी से ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई है। इस सूचकांक में भी उत्तराखण्ड के आंकड़े बेहतर हैं, पर छत्तीसगढ़ और झारखण्ड राष्ट्रीय औसत से फिलहाल काफी पीछे है। स्पष्ट है कि अन्य राज्यों की अपेक्षा झारखण्ड में उच्च शिक्षा की मांग बढ़ी है, पर शैक्षणिक संस्थानों की वर्तमान स्थिति इसकी गुणवत्ता पर कई सवाल करती है। झारखण्ड राज्य में स्थित महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी भी देखी जा रही है। हालांकि राज्य सरकार इस कमी को दूर करने का प्रयास कर रही है। राज्य में शिक्षकों की कमी का प्रभाव संस्थानों पर पड़ता है। यहां राज्य सरकार ने इस कमी को दूर करने का वैकल्पिक व्यवस्था कर रखा है। राज्य के शिक्षकों में पदोन्नति को लेकर भी असंतोष है। कुल मिलाकर उच्च संस्थानों को हर मोर्चे पर मजबूत करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार प्रयासरत है कि उच्च शिक्षण संस्थानों के व्याप्त समस्याओं को शीघ्र दूर करे।

शिक्षा को 42वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से समवर्ती सूची में डाल दिया गया है। इसका मतलब है कि शिक्षा के विकास के संदर्भ में केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही उत्तरदायी हैं। संघीय ढांचा होने की वजह से राज्य सरकारों पर ही कार्यान्वयन की ज्यादा जिम्मेदारी रहती है। सरकारों का शिक्षा के लिए न्यूनतम खर्च करना भी उच्च शिक्षा के पिछड़ेपन के लिए जिम्मेदार है, क्योंकि उच्च शिक्षा किसी भी अधिनियम के तहत अनिवार्य शिक्षा के दायरे में नहीं आती। निजी क्षेत्र का उच्च शिक्षा में निवेश स्वागत योग्य कदम है, पर बाजार आधारित शिक्षा व्यवस्था में आय के आधार पर निम्न स्तर वाले शिक्षा से मरहूम हो जाते हैं। झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के अंतर्गत किए गए एक रिसर्च के अनुसार संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आने वाले आदिवासी बहुल राज्य झारखंड में, इंजीनियरिंग कॉलेजों में आदिवासी (अनुसूचित जनजाति) कोटे की 91 प्रतिशत सीटें खाली रह जाती हैं। राज्य के शिक्षण संस्थानों में आदिवासी (अनुसूचित जनजाति) के लिए 26 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं पर उनमें से काफी कम सीटें ही भर पाती हैं। दाखिला लेने वाले छात्रों में भी कुछ ड्रापआउट हो जाते हैं तथा कुछ कोर्स की निर्धारित अवधि में पास नहीं हो पाते। रिसर्च में यह बात भी उभरकर सामने आयी है कि इसमें कोर्स पूरा करने वाले छात्रों में से महज करीब 15 प्रतिशत छात्र-छात्राओं को ही नौकरी मिल पाती है। ऐसा भी नहीं कि यह स्थिति महज इंजीनियरिंग में ही है, बल्कि पॉलिटेक्निक, मेडिकल समेत उच्च शिक्षा के सामान्य कोर्स में भी कमोबेश यही स्थिति है।

वर्तमान में झारखण्ड में उच्च शिक्षा का सरल नामांकन अनुपात को बढ़ाना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों को मल्टीडिसीप्लिनरी के रूप में विकसित किया जाना है तथा सकल नामांकन अनुपात को वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत तक लाना है। इसे ध्यान में रखते हुए हाल के वर्षों में कई प्रयास हुए हैं, फिर भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कम सकल नामांकन अनुपात, राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले उच्च शिक्षण संस्थानों की कमी, विशिष्ट शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षण संस्थानों की कमी, शहरी एवं ग्रामीण में असमानताएं, उपलब्ध शिक्षण संस्थानों में आधारभूत संरचनाओं की कमी आदि महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं।

(लेखक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति हैं।)

झारखण्ड राज्य स्थापना के बाद तकनीकी शिक्षा के लिए भी कई संस्थानों की स्थापना हुई। राज्य में उच्च शिक्षा के विकास के लिए विगत कई वर्षों में नयी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का श्रीगणेश हुआ है। फिर भी राष्ट्रीय मानक स्तर से झारखण्ड पीछे है। राज्य में ना केवल नये उच्च शिक्षण संस्थान खोलने की आवश्यकता है, बल्कि पूर्व से संचालित संस्थानों में संरचनाओं के विकास तथा गुणवत्ता में सुधार लाने की जरूरत है।

वर्तमान में झारखण्ड में उच्च शिक्षा का सरल नामांकन अनुपात को बढ़ाना आवश्यक है।

जमशेदपुर की खबरें

पकड़ा गया हिंदूवादी नेता कमलदेव गिरी की हत्या का मास्टरमाइंड

आजाद सिपाही संवाददाता

चाईबासा। हिंदू नेता कमल देव गिरी की हत्या में शामिल मुख्य आरोपी सतीश प्रधान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी यूपी के बलिया से हुई है। हालांकि अब तक स्थानीय प्रशासन ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर में गिरीराज सेना के प्रमुख सह युवा हिंदू नेता कमल देव गिरी की हत्या हुई थी। मुख्य साजिश कर्ता सतीश प्रधान को एसआइटी ने उत्तर प्रदेश के बलिया से गिरफ्तार किया गया।

यूपी के बलिया से हुई गिरफ्तारी

हत्या के पीछे की बड़ी साजिश का खुलासा जल्द

हत्याकांड में शामिल दूसरा मुख्य आरोपी अब भी फरार

सूत्रों के अनुसार मुख्य आरोपी अपने एक परिचित के साथ वहां रह रहा था। गिरफ्तारी के बाद पश्चिमी सिंहभूम पुलिस की एसआइटी ने उसे हिरासत में ले लिया, उससे पूछताछ जारी है जबकि दूसरा साजिशकर्ता जाहिद अभी भी फरार है। 12 नवंबर को चक्रधरपुर में भारत-भवन चौक के पास पेट्रोल बम से हिंदुत्व नेता कमलदेव गिरी की हत्या की गयी थी। हत्याकांड की जांच के लिए एसआइटी ने सोमवार को चक्रधरपुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। मुख्य साजिश कर्ता सतीश चक्रधरपुर प्रखंड के कुरुलिया का रहने वाला है। सतीश का संबंध बांसडीह रोड इलाके की रहने वाली एक शिक्षिका से है, जो चाईबासा में तैनात है। जांच करने पर पश्चिमी सिंहभूम पुलिस को पता चला कि घटना के बाद शिक्षक से सतीश की आखिरी बातचीत हुई थी।

पुलिस को कैसे मिला सुराग?

तीन दिन पहले पुलिस सर्विलांस के जरिए मोबाइल नंबर ट्रेस कर यहां पहुंची। शिक्षक और उसके परिजनों से पूछताछ करने पर सतीश के लोकेशन की जानकारी मिली। सतीश को पुलिस ने सोमवार रात परमंदापुर गांव स्थित एक घर से गिरफ्तार किया था। पश्चिमी सिंहभूम पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर आरोपी सतीश को साथ ले गयी। बता दें कि कमलदेव गिरी हत्याकांड को लेकर चाईबासा में कई दिनों तक तनाव था। पथराव की घटना हुई, पुलिस को बल प्रयोग भी करना पड़ा था।

कैसे हुई हत्या

पीछे से अपराधियों ने बम से इन पर हमला कर दिया। घायल अवस्था में समर्थकों ने उन्हें इलाज के लिए रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने इन्हें मृत घोषित कर दिया। कमल देव की हत्या के बाद समर्थकों ने रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग जाम कर दिया था।

गिरी ने बताया था जान का खतरा

गिरी की राजनीतिक पकड़ का अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि वह भाजपा, आजसू, झामुमो सहित कई राजनीतिक पार्टियों में रहे। एक दर्जन संगठनों और पूजा समितियों जैसे कुली यूनियन, जन्माष्टमी पूजा समिति का मार्गदर्शन करते थे। गिरि ने अपनी जान का खतरा बताया था। पिछले नगर पर्षद चुनाव में गिरि दूसरे पोजिशन पर थे और इस बार भी अपने स्तर से वे चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे।

उपायुक्त ने 9वीं-10वीं की मासिक परीक्षा में छात्रों के खराब प्रदर्शन पर जतायी नाराजगी

बच्चों का प्रदर्शन शिक्षकों, बीइइओ के मूल्यांकन का बनेगा आधार : उपायुक्त

प्रखंड व केजीबीवी के मासिक परीक्षा में खराब प्रदर्शन को लेकर उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के प्रखंड व केजीबीवी के 9 व 10 वीं की विद्यार्थियों के मासिक परीक्षा में खराब प्रदर्शन पर उपायुक्त ने जताई नाराजगी। बुधवार को उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एसडीएम धालभूम पियूष सिन्हा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर नन्दकिशोर लाल, निदेशक एनईपी श्रीमती ज्योत्सना सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राजीव रंजन, एसओआर दीपू कुमार, जिला योजना पदाधिकारी अरूण द्विवेदी, डीईओ श्रीमती निर्मला बरेलिया, डीएसई सुश्री निशु कुमारी तथा शिक्षा विभाग के अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। बुधवार को समीक्षा बैठक में कक्षा 01 से 12वीं के 24369 बच्चे ऐसे पाये गए जिनका बैंक खाता नहीं खुल पाया है। वही लगभग 14 हजार आवेदन बैंकों में जमा है। उपायुक्त ने एलडीएम एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारी को आपस में समन्वय स्थापित करते हुए अगले 10 दिनों में सभी बच्चों के बैंक खाता खुलवाने का निर्देश दिया। कुल नामांकित 184019 में से 158767 बच्चों का बैंक खाता खोला जा चुका है। सभी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक अटेडेंस बनाने का निर्देश दिया गया। बच्चों को ई विद्यावाहिनी में उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य है। उपायुक्त ने बच्चों तथा शिक्षकों की मासिक औसत उपस्थिति को आधार बनाकर शिक्षकों एवं बीईईओ का वेतन देने का निर्देश दिया गया। वही बोर्ड परीक्षा में छात्रों के अच्छे प्रदर्शन के मद्देनजर कक्षा 9वी एवं 10 वीं के बच्चों के लिए आयोजित किए जा रहे मासिक परीक्षा में सितंबर-अक्टूबर महीने के रिपोर्ट में खराब प्रदर्शन पर उपायुक्त ने अप्रसन्नता जाहिर की।

उपायुक्त द्वारा मासिक परीक्षा में सभी प्रखंड एवं केजीबीवी के खराब प्रदर्शन पर सख्त निर्देश देते हुए 28, 29 एवं 30 नवंबर को अनुमंडल पदाधिकारी की निगरानी में परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होने स्पष्ट कहा यह परीक्षा वैकल्पिक नहीं है ऐसे में सभी बच्चे अनिवार्य रूप से परीक्षा में बैठें इसे सुनिश्चित करेंगे। उन्होने कहा बच्चों का प्रदर्शन ही शिक्षकों एवं बीईईओ के मूल्यांकन का आधार बनेगा। इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करें। एसडीएम धालभूम ने कहा रेमेडियल क्लास का मूल्यांकन करें आखिर कितना फायदा बच्चों को हो रहा। फेल हो रहे बच्चों को चिन्हित करें तथा क्या कमियां है, उसे कैसे दूर किया जा सकता है इसपर विद्यालयवार नियमित समीक्षा करने का उन्होंने निर्देश दिए। बैठक में जिला के पदाधिकारियों द्वारा किए गए मूल्यांकन में पाया गया मासिक परीक्षा में कई बच्चे एक जैसा उत्तर लिख रहे। शब्दों की त्रुटि को शिक्षक नहीं जांच रहे। कुछ बच्चे प्रश्न को ही उत्तर के रूप में दोहरा रहे। शिक्षकों द्वारा गलत उत्तर में भी नंबर दिया गया है।

उपायुक्त ने स्पष्ट निदेश देते हुए कहा परीक्षा कदाचार मुक्त होने चाहिए। उन्होंने शत प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चों एवं अभिभावकों को एस.एम.सी बैठक में सम्मानित करने, किचन की साफ-सफाई, रसोइया का हेल्थ चेकअप, जिनका बच्चा पढता हो उन्ही में से कोई एक रसोइया रखा जाए, बच्चों के हाथ धोने के लिए साबुन की व्यवस्था, किचेन शेड में डोरमेट, एमडीएम को मेन्यू अनुसार बनाने आदि के निर्देश दिए। छात्रवृति की समीक्षा में 1726 बच्चों का बैंक खाता गलत पाया गया। उपायुक्त ने संबंधित बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर सही बैंक खाता जमा करने का निदेश दिया। उपायुक्त ने कहा किसी भी विद्यालय में पेयजल व्यवस्था की कमी नहीं हो इसे सुनिश्चित करें। बोरिंग टूट गया हो, टंकी में पानी नहीं चढ़ रहा हो, चापाकल खराब हो, इन सभी से संबंधित प्रतिवेदित करें। उपायुक्त ने सावित्रीबाई फुले योजना से शत प्रतिशत योग्य छात्राओं को आच्छादित करने का निर्देश दिया। सिर्फ 275 छात्रायें शेष हैं जिनका फॉर्म जमा नहीं हो पाया है।

ह्यडबैठक में सभी प्रखंडों के बीईईओ, बीपीओ तथा शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

जनाक्रोश प्रदर्शन में महिला मोर्चा के नेता-कार्यकर्ता होंगे शामिल : ज्योति अधिकारी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। भाजपा महिला मोर्चा के अध्यक्ष ज्योति अधिकारी के नेतृत्व में साकची स्थित भाजपा जिला कार्यलय में बैठक का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित बैठक में आगामी 25 नवंबर को उपायुक्त कार्यालय पर प्रस्तावित जनाक्रोश प्रदर्शन में शामिल होने का निर्णय लिया। बैठक के दौरान महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने वर्तमान सरकार पर महिला सुरक्षा को लेकर नाराजगी जतायी। उन्होंने राज्य में महिला सुरक्षा पर अनदेखी करने का राज्य सरकार पर आरोप लगाया। बैठक में भाजपा महिला मोर्चा ने विरोध प्रकट किया। उन्होंने आगामी 25 नवंबर को उपायुक्त कार्यालय पर प्रस्तावित जनाक्रोश प्रदर्शन में शामिल होकर जोरदार प्रदर्शन करने की निर्णय लिया। इस दौरान 25 नवंबर को जनाक्रोश प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की। महिला मोर्चा के अध्यक्ष ज्योति अधिकारी ने महिला कार्यकर्ता को ज्यादा से ज्यादा की संख्या शामिल होने की अपील की। बैठक में प्रदेश मीडिया प्रभारी लकी सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजपति देवी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रभा देवी, भाजपा जिला मंत्री नीलू मछुआ, महिला मोर्चा अध्यक्ष ज्योति अधिकारी, लक्ष्मी मिर्धा, रीना चौधरी, सुशीला शर्मा, रजनी मिश्रा, लीना चौधरी, माला मुंडा, सीमा जायसवाल, भारती कुमारी, भारती साहू, शुक्ला हलदर, ममता सिंह, जया लक्ष्मी, रानी ठाकुर समेत अन्य उपस्थित रहे।

डीआरडीए निदेशक ने विभाग के पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पूर्वी सिंहभुम जिले के डी.आर.डी.ए निदेशक सौरभ कुमार सिन्हा ने घाटशिला प्रखंड कार्यालय में संबंधित सभी विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बुधवार को बैठक के दौरान कई आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इससे पूर्व उन्होंने योजनाओं का भौतिक निरीक्षण किये।

निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी घाटशिला, सहायक अभियंता मनरेगा, प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक मनरेगा, कनीय अभियंता के साथ श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय रुर्बन मिशन अन्तर्गत काशिदा पंचायत में संचालित हेरिटेज विलेज, टेलरिंग प्रोडक्सन युनिट, मार्केट कॉमप्लेक्स के सभी योजनाओं का निरिक्षण करते हुए आमाईनगर ग्राम स्थित हेल्थ एण्ड वेनटीलेशन सेंटर का औचक निरीक्षण किया। मौके पर सभी पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए।

कार्यक्रम : 13 करोड़ की लागत से बनेगा बिरसा मुंडा स्मारक सह हेलीपैड पार्क, मंत्री ने शिलान्यास कर कहा

देश का सबसे विकसित राज्य बनेगा झारखंड

विकास विरोधी लोग पंचायत चुनाव भी नहीं जीत सकते : मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर के कल्याणपुर स्थित हेलीपैड के समीप बिरसा मुंडा स्मारक पार्क सह हेलीपैड पार्क, विकास भवन एवं रिसेप्शन भवन का निर्माण किया जाएगा। बुधवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने पूजा अर्चना कर, नारियल फोड़कर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर व भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। 13 करोड़, 15 लाख, 50 हजार रुपये की लागत से इसका निर्माण किया जाएगा।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि शहरी जीवन में स्वस्थ जीवन शैली के लिए पार्क की महत्वपूर्ण भूमिका है। पार्कों में ही शहरवासी शुद्ध हवा में सांस लेते हैं। जीवन की भागदौड़ से दूर सुकून के पल पार्क में ही बिताते हैं। इस तरह के पार्क की गढ़वा में कमी थी, जो आज पूरा किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने पिछले वर्ष स्थापना दिवस के मौके पर ही पार्क बनवाने की घोषणा की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को जब बताया गया कि गढ़वा में कहीं भी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा नहीं है, तब उन्हें घोर आश्चर्य हुआ। मुख्यमंत्री ने तत्काल बिरसा मुंडा स्मारक पार्क निर्माण की स्वीकृति प्रदान किया।

मंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में झारखंड सरकार काफी बेहतर कार्य कर रही है। यदि किसी भी जनप्रतिनिधि के पास इच्छाशक्ति हो तो विकास कार्य में कोई भी बाधा आड़े नहीं आ सकती है। मंत्री ने कहा कि आज विकास विरोधी लोग हर कदम पर विकास कार्यों का विरोध कर रहे हैं। परंतु विकास विरोधी लोग विधानसभा तो क्या पंचायत चुनाव भी नहीं जीत सकते हैं। इतना सुनिश्चित है कि अब ऐसे विकास विरोधी आजीवन विधानसभा का मुंह नहीं देख पायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता का अपमान कर रही है। इसे हमेशा भाजपा के लोग उखाड़ फेंकने की बात करते हैं। यह सरकार जनता की चुनी हुई जन सरोकार की सरकार है, कोई गाजर मूली नहीं है। जनता सब जान चुकी है। आगामी चुनाव में भाजपा विपक्ष में भी बैठने के लायक नहीं रहेगी। गढ़वा की जनता ने जिन्हें 10 वर्षों तक मौका दिया। उनका एक भी कार्य आज देखने लायक नहीं है।

मंत्री ने कहा कि निर्माण के साथ ही नीलांबर पीताम्बर पार्क एवं घंटाघर की बेहतर देखरेख एवं रखरखाव की जिम्मेवारी ग्रासिम इंडस्ट्रीज रेहला को दे दी गई है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनायी जाती है। लोग उनके नाम पर राजनीति करते हैं, परंतु आज तक गढ़वा में उनकी एक भी प्रतिमा नहीं थी। मंत्री ने कहा कि पार्क के निर्माण का समय एक साल निर्धारित है, परंतु आगामी छह माह के अंदर इसका निर्माण कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

मौके पर डीडीसी राजेश राय, जुडको के प्रोजेक्ट चेयरमैन अनुराग कुमार, जिप अध्यक्ष शांति देवी, उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव, प्रमुख विमला देवी, मुखिया अशोक चंद्रवंशी आदि ने विचार व्यक्त किया।

मौके पर मुख्य रूप से एसडीओ राज महेश्वरम, एसडीपीओ अवध कुमार यादव, नप अध्यक्ष पिंकी केशरी, झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि कंचन साहू, जितेंद्र सिंह, अनिता दत्त, परेश तिवारी, मुन्ना सिंह, आशुतोष पांडेय, नवीन तिवारी, दिव्य प्रकाश केशरी, मदनी खान, झामुमो महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अंजली गुप्ता, रेखा चौबे, दीपमाला आदि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सौ से अधिक लोगों ने थामा झामुमो का दामन, मंत्री ने किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिले के रंका प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से करीब एक सौ से अधिक महिला-पुरुषों ने अन्य राजनीतिक दलों को छोड़कर झामुमो का दामन थाम लिया। लोगों ने भाजपा, बसपा एवं राजद को छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की। बुधवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गढ़वा स्थित अपने आवास पर सभी को माला पहना कर स्वागत करते हुए पार्टी में शामिल कराया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि झारखंड सरकार पूरे राज्य में अंतिम पंक्ति के लोगों तक विकास कार्य पहुंचा रही है। राज्य में सभी वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर विकास योजनाएं चलायी जा रही हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों से प्रभावित होकर गढ़वा सहित पूरे राज्य में लोग विभिन्न पार्टियों को छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो रहे हैं। झारखंड सरकार सभी वर्ग के लोगों को पूरा हक एवं अधिकार दे रही है। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, नवीन तिवारी, आशुतोष पांडेय, अनिता दत्त सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समाजसेवी दौलत सोनी ने बजरंगबली मंदिर में कराया सुंदरीकरण का कार्य

युवा समाजसेवी की ओर से गढ़वा शहरी क्षेत्र में लगातार किये जा रहे हैं विकास कार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। युवा समाजसेवी दौलत सोनी के द्वारा बजरंगबली मंदिर का किया गया सुंदरीकरण। उनके द्वारा गढ़वा शहरी क्षेत्र में लगातार विकास का कार्य किया जा रहा है चाहे गर्मी के दिनों में लोगों के घरों तक टैंकर के माध्यम से स्वच्छ जल पहुंचना हो या छठ घाट के पास पीपा पुल की मरम्मती या छठ घाट की जेसीवी के माध्यम से सफाई, मेन रोड में उड़ते धूल से निजात दिलाने के लिए सड़कों पर टैंकर से पानी का छिड़काव या घर घर आम की लकड़ी तथा फल हर असहाय की मदद करना हो या हर जरूरतमंद की सेवा चाहे रक्तदान हो या इलाज आधी रात को भी ये हर किसी की मदद के लिए उपास्थित रहते हैं। विकास की इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए गांधी नगर रेलवे स्टेशन के बगल में अवस्थित जर्जर बजरंग बली के मंदिर का जीर्णोद्धार कर मंदिर परिसर में शिवलिंग की स्थापना करते हुए शिव चर्चा व भंडारा का आयोजन के साथ ही साथ मानस मंडली के द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इनकी जितनी सराहना की जाए कम है। विकास की इस कड़ी में अगला नाम जुड़ने जा रहा है तेनार घाट पर पीपा पुल का निर्माण, जिससे कि तेनार के ग्रामीण बहुत ही कम दूरी तय कर गढ़वा आ सकते हैं।

आयुष मेला को लेकर बीडीओ ने की बैठक

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को प्रखंड में आयोजित होने वाले दो दिवसीय आयुष मेला के सफल संचालन को लेकर बीडीओ श्रवण राम ने बैठक की। बैठक में 26 व 27 नवम्बर को आयुष मेला ट्रॉमा सेंटर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। आयुष मेला में बीपी, सुगर, कैंसर नियंत्रण जागरूकता, सामान्य चिकित्सा, त्वचा जांच, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य सहित अन्य पुरानी बीमारियों का इलाज किया जायेगा। बैठक में जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कृष्ण कुमार, डॉ अखिलेश कुमार, डॉ रजिया आजम सिद्दीकी, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष शैलेश कुमार चौबे, सीडीपीओ रीना साहू, मुखिया मनोज ठाकुर, सनिधा सोनी, फिरदोस अंसारी, कुमारी रेखा सहित अन्य उपस्थित थे।

एसडीओ ने शहर में संचालित अस्पतालों का किया निरीक्षण, जायसवाल क्लिनिक को किया सील

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। अनुमंडल पदाधिकारी आलोक कुमार ने शहर में संचालित विभिन्न अस्पतालों के निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेट बैंक के समीप स्थित जायसवाल क्लिनिक को अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक के उपस्थिति में सील कर दिया। जायसवाल क्लिनिक में निरीक्षण के दौरान बिना चिकित्सक के उपस्थिति में मरीज का इलाज किया जा रहा था। जिसे देखकर एसडीओ भड़क गए। उन्होंने तत्काल अस्पताल को सील कर दिया। निरीक्षण के दौरान डॉक्टर अस्पताल में नहीं थे। डॉक्टर की अनुपस्थिति में कंपाउंडर द्वारा भवनाथपुर थाना क्षेत्र के चौरासी गांव निवासी मकबूल अंसारी की पत्नी मैरून बीबी को स्लाइन चढ़ाया जा रहा था। उन्होंने इस मामले में कंपाउंडर से पूछताछ की। कंपाउंडर ने बताया कि दूरभाष पर डॉक्टर से बात कर स्लाइन चढ़ाया जा रहा है। इसके अलावे एसडीओ ने बंशीधर हॉस्पिटल, सिटी हॉस्पिटल, उत्तम डायग्नोसिस सेंटर, गुलाब हॉस्पिटल सहित अन्य अस्पतालों का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीओ ने सभी अस्पतालों के व्यवस्था की जानकारी लेते हुए कागजात की जांच की। एसडीओ आलोक कुमार ने कहा कि अनुमंडल क्षेत्र के सभी अस्पतालों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान जयसवाल क्लिनिक को सील किया गया है। कागजात की जांच के बाद अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जायसवाल क्लिनिक में बिना चिकित्सक के अस्पताल के कंपाउंडर द्वारा मरीजों को स्लाइन चढ़ाया जा रहा था, जो गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के चिकित्सक आयुर्वेदिक चिकित्सक है। ऐसे में अस्पताल पूरी तरह अवैध है। उन्होंने कहा कि इलाजरत मरीज को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभियान के दौरान अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक सुचित्रा कुमारी,सहायक दीपेश राज तमांग, अशफाक अहमद और अनुमंडल कार्यालय के कर्मी उपेंद्र कुमार मौजूद थे।

अजा, अजजा, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

उपायुक्त ने प्रत्येक प्रधानाध्यापक को एक सप्ताह में लगभग 40 प्रतिशत छात्रों का निबंधन कल्याण पोर्टल पर निबंधित कराना कराने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के कल्याण शाखा अंतर्गत प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक तथा प्रखंड स्तर से सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड से प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक उपस्थित थे। सर्वप्रथम जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के नया नियमावली के बारे में बताया गया जिसके तहत अब कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को 15 सौ रुपये, कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को 25 सौ रुपये एवं कक्षा 9 से 10 को 45 सौ रुपये छात्रवृत्ति की राशि भुगतान की जाएगी। कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए आय की कोई सीमा नहीं होगी। परंतु कक्षा 9 एवं 10 के लिए (अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग अंतर्गत) आय की अधिकतम सीमा ढाई लाख रुपये होगी। बैंक से जुड़ी समस्या के बारे में जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि यदि किसी छात्र के पास अपना खुद का बैंक खाता नहीं है तो कल्याण पोर्टल पर ऐसी व्यवस्था की गई है कि छात्र अपने माता या पिता किसी एक का बैंक खाता देकर छात्रवृत्ति हेतु निबंधन करा सकते हैं। ई-कल्याण पोर्टल से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रिया से भी सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड के कार्यक्रम प्रबंधक को अवगत कराया गया।

सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को उपायुक्त श्री घोलप द्वारा निर्देश दिया गया कि प्रत्येक प्रधानाध्यापक के द्वारा एक सप्ताह में लगभग 40% छात्रों का निबंधन कल्याण पोर्टल पर निबंधित कराना सुनिश्चित करेंगे। उसके बाद अगले एक सप्ताह में 80% तथा एक महीने के अंदर शत-प्रतिशत योग्य छात्र-छात्राओं का निबंधन करना सुनिश्चित करेंगे।

रंका प्रखंड में पीएम आवासों में कराया गया गृहप्रवेश

रंका (आजाद सिपाही)। रंका बीडीओ देवानंद राम ने 15 नवंबर से लेकर 30 नवंबर तक गृह प्रवेश पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अंबेडकर आवास योजना के लाभार्थियों को अपने अपने पंचायतों में गृह प्रवेश कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि संबंधित पंचायत के मुखिया एवं पंचायत सचिव आवास लाभार्थियों को जल्द से जल्द आवास पूर्ण कराने हेतु प्रेरित करें। साथ ही साथ वैसे लाभार्थी जो आवाज को सुंदर व ससमय पूरा करते हैं उन्हें पुरस्कृत भी करने का निर्देश दिया है। बीडीओ के द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में कंचनपुर पंचायत के मुखिया प्रतिमा देवी एवं मुखिया व प्रतिनिधि चंद्रशेखर कुमार के द्वारा गृह प्रवेश कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें उनके द्वारा कंचनपुर गांव के जीवनाथ रजक, धर्मेंद्र कुमार यादव, देवनारायण यादव, अयोध्या ठाकुर, श्रवण ठाकुर आदि का गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर कंचनपुर पंचायत के स्वयंसेवक नंदू राम, उप मुखिया चंद्रशेखर तिवारी, वार्ड सदस्य अजय चंद्रवंशी, धर्मेंद्र कुमार यादव तथा वीरेंद्र कुमार चंद्रवंशी, राहुल कुमार रवि, विजय राम उर्फ ताशवाले मुख्य रूप से उपस्थित थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINOR IRRIGATION DIVISION KODERMA

Two Envelope System
E-Procurement Notice

Tender Reference No- WRD/MID/KODERMA/F2-20/2022-23 Date-23-11-2022

Sl. No.	Name of Work	Renovation of Gadgi Aahar, Village- Gadgi, Block- Jainagar.
1	Estimated Cost (BOQ) (Rs)	82.920 Lakh
2	Cost of Tender fee	10,000.00 (Ten Thousand) Only.
3	EMD	1, 66,000.00 (One Lakh Sixty Six Thousand) Only.
4	Tender Reference No	WRD/MID/KODERMA/F2-20/2022-23
5	Completion Period for Construction	11 Months
6	Mode of submission of Tender	Online through
7	Publishing on website	Date-09-12-2022 - 2.00. P.M
8	Period of Downloading of Bidding Documents	Start Date:- 09-12-2022 Time: 2.00 PM End Date:- 15-12-2022 Time: 5.00 PM
9	Bids online submission	Start Date:- 09-12-2022 Time: 2.00 PM End Date:- 15-12-2022 Time: 5.00 PM
10	Submission of BID Security & Hard Copy	Date:- 16-12-2022 up to 3.00 PM
11	Technical Bid Opening Date	Date:- 17-12-2022 at 2.00 PM
12	Officer inviting Bids	Executive Engineer Minor Irrigation Division, Koderma.
13	Office received Hard Copy and Bid Security	1. E.E M.I Division Koderma. 2. S.E M.I Circle Hazaribagh. 3. E.E M.I Design Division, Ranchi.

NOTE: -The Tender fee, Earnest Money Deposit (EMD) and Affidavit (Attached Performa) and Bank Certificate for Credit Facility must be submitted up to 16-12-2022 by 3.00 PM. If Tender fee, EMD, Affidavit and Bank certificate for Credit Facility are not received before mention date and time tender shall not be accepted.

Place to receiving Tender fee, EMD, Affidavit and Bank certificate for Credit Facility

Executive Engineer Office, M.I. Division, Koderma / S.E. Office M.I. Circle Hazaribagh /Executive Engineer Office , M.I. Design Division, Ranchi.

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division, Koderma.

PR 283170 (Minor Irrigation) 22-23 (D)

प्रदर्शन : झारखंड सरकार की नीतियों के खिलाफ हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया आक्रोश प्रदर्शन

झामुमो सरकार ने झारखंड की जनता को लूटने का काम किया है : दिनेशानंद गोस्वामी

झामुमो के मंत्री विधायक मोदी सरकार के काम का खुद का काम बताकर ताली बजाने में लगे रहते हैं : सांसद बीडी राम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। हेमंत सरकार की नीतियों के विरोध में भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी की अध्यक्षता में हजारों कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम किया। कार्यक्रम की शुरुआत रामासाहू के मैदान से की गयी जो मझिआंव मोड़-रंका मोड़ होते हुए गढ़वा जिला समाहरणालय पहुंचा। जहां सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि झामुमो सरकार ने झारखंड की जनता को लूटने का काम किया है। सरकार में बैठे गढ़वा विधायक सह मंत्री मिथलेश ठाकुर गढ़वा सहित पूरे झारखंड में माफिया राज चला रहे हैं और मुख्यमंत्री भी मौनी बाबा बनकर सब देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार का पूरा कुनबा झारखंड को ऐसे लूटने में लगा है जैसे अब दुबारा इनको जनता से कोई मतलब नहीं है। झारखंड की जनता त्राहिमाम कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड में युवाओं को रोजगार और बेरोजगारी भत्ता देने के नाम पर झामुमो ने ठगने का काम किया है।

पलामू सांसद बीडी राम ने कहा कि झामुमो सरकार में लूट की पूरी छूट है। मुख्यमंत्री झारखंड को लूटने में मस्त हैं। उन्होंने कहा कि गढ़वा जिला सहित पूरे झारखंड में झामुमो सरकार ने विकास का कोई काम नहीं किया। झामुमो सरकार पूरी तरह से माफिया के चंगुल में फंस चुकी है। झामुमो के मंत्री विधायक मोदी सरकार के काम का खुद का काम बताकर ताली बजाने में लगे रहते हैं।

गढ़वा रंका विधानसभा क्षेत्र के नेता पूर्व भाजपा विधायक सत्येन्द्रनाथ तिवारी ने कहा कि झामुमो सरकार जनता को लूटने को अपना कर्तव्य मान रही है। बालू कोयला जैसे अनेकों खनिज संपदा का अवैध कारोबार खुलकर चल रहा है। झामुमो सरकार ने हिंदी मगही भोजपुरी भाषा को खत्म कर गढ़वा पलामू सहित अन्य जिलों के हिन्दी भाषी छात्रों युवाओं का भविष्य अंधकारमय कर दिया है। उन्होंने कहा झामुमो सरकार को उखाड़ फेंकना होगा तभी गढ़वा जिला सहीत पुरे झारखंड को बचाया जा सकता है।

प्रदेश प्रवक्ता सह गढ़वा जिला प्रभारी अमित कुमार ने कहा कि झारखंड में झामुमो सरकार ने माफियाओं का बड़ा केंद्र बनाने का काम किया है हेमंत सरकार ने लोगों को बांटने का काम किया है।

प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय ने कहा कि हेमंत सरकार खुद ईडी सीबीआइ आयकर विभाग का मेहमान बनी हुई है यह सरकार लुट के मामले में मधु कोड़ा सरकार को भी फेल कर दिया है। उन्होंने गढ़वा जिला सहित पूरे झारखंड के अधिकारीयों को चेतावनी देते हुए कहा कि झामुमो सरकार में बैठे मंत्री विधायक के इशारे पर गलत काम करना छोड़ दें अन्यथा भाजपा सबका हिसाब करेगी। भाजपा कार्यकर्ता झारखंड को लूटने नहीं देंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी ने कहा कि झामुमो जब से सत्ता में आयी है महिला सुरक्षित नहीं है। लूट हत्या आम बात हो चुकी है। युवा रोजगार के लिए पलायन करने को मजबूर हैं।

उन्होंने भाजपा के आंदोलन में आए हुए लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जनहित में भाजपा का आंदोलन और धारदार होगा। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री संतोष दुबे ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा नेता शारदा महेश प्रताप देव, जवाहर पासवान, ओमप्रकाश तिवारी, मुकेश निरंजन सिन्हा, ईश्वर सागर चंद्रवंशी, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, जिला महामंत्री विकास स्वदेशी, उपाध्यक्ष हरेंद्र दूबे, राजीव रंजन तिवारी, संजय भगत, मंत्री ठाकुर प्रसाद महतो, मीडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे, रामलला दुबे, राजेंद्र गुप्ता, अनिता गुप्ता, विकास तिवारी, मुकेश चौबे, उदय कुशवाहा, बृजेन्द्र पाठक, बसंत प्रसाद, पवन कुमार, बलजीत सोनी, योगेन्द्र मेहता, संतोष चंद्रवंशी, बलराम यादव, राजकुमार विश्वकर्मा, सरोज सिंह, अविनाश पासवान, विकास तिवारी, धर्मेन्द्र कुमार, सुरेंद्र विश्वकर्मा, संजय कमलापुरी, गौतम तिवारी, अरुण तिवारी, प्रवीण जायसवाल, नवीन जायसवाल, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, जयप्रकाश गुप्ता, रंजीत चौरसिया, पियुष वैद्य, उमेश कश्यप जितेन्द्र दीक्षित लक्ष्मन राम सहित अन्य हजारों लोग मौजूद थे।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौषल विकास विभाग
अवर प्रादेशिक नियोजनालय, हजारीबाग

भर्त्ती कैम्प, दिनांक - 25.11.2022

सूचना

अवर प्रादेशिक नियोजनालय –सह– मॉडल कैरियर सेन्टर हजारीबाग द्वारा दिनांक – 25.11.2022 को कार्यालय परिसर में 10:00 बजे पूर्वाहन से 4:00 बजे अपराह्न तक Assist Services PVT, LTD Bokaro City Jharkhand द्वारा Marketing Executive, Mechanics, Marketing Manager & office Staff – पद हेतु एक दिवसीय भर्त्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसका विवरण निम्न हैं :–

WORK PLACE : HAZARIBAG

S. No	Name of the post	Number vacancies	Qualification		Age(yrs)	Salary	Experience
			Minimum	Maximum			
1	Marketing Executive	80	12th	Graduation	23.upto 40	14,000 pm	Market Knowledge
2	Mechanics	06	ITI	-	22-30	12,000 pm	Fitter Electrical Mechanical
3	Marketing Manager	02	Graduation	PG	30 or more	13,000 pm	1 year experience in office
4	Office Staff	02 (Female	12th	-	-	-	-

योग्य एवं इच्छुक आवेदक (उम्मीदवार) जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा www.rojgar.Jharkhand.gov.in पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त उल्लेखित भर्त्ती कैम्प में नियोजक/नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण–पत्रों एवं उसकी छाया प्रतियों तथा वायोडाटा दो प्रतियों में, दो पासपोर्ट साईज का फोटो के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है। जो उम्मीदवार पूर्व से निबंधित है उन्हे पुनः निबंधन करवाने की आवश्यकता नहीं है। चूँकि रिक्ति निजी क्षेत्र से संबंधित है, अत एवं चयन की प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार से हस्तेक्षप नहीं रहेगा। कोविड – 19 हेतु निर्गत दिशा–निर्देशो/SOP का दृढता पूर्वक अनुपालन किया जाना आवश्यक हैं। अतः समाजिक दूरी का पालन, फेसमास्क सेनिटाइजर एवं ग्लब्स इत्यादि का उपयोग करगें। इस निमित किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देय नही होगा।

नियोजन पदाधिकारी
अवर प्रादेशिक नियोजनालय
हजारीबाग

PR 283227 Labour Employment and Traning (22-23)_D

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 24 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

चान्हो मांडर के ट्रकों से भी कोयला ढुलाई कराये जाने संबंधित सौंपा गया मांग पत्र

खलारी (आजाद सिपाही)। केडीएच ट्रक ऑनर एसोसिएशन के कार्यालय में बुधवार को चान्हो मांडर ट्रक ऑनर एसोसिएशन के सदस्य के साथ कई अहम मुद्दों पर वार्ता हुई। इस दौरान एनके एरिया ट्रक ऑनर एसोसिएशन की ओर से स्थानीय ट्रकों का संचालन करने के लिए गए निर्णय पर चान्हो मांडर के ट्रक ऑनरों के बीच बनी असमंजस की स्थिति पर विषेश चर्चा की गई। साथ ही चान्हो मांडर ट्रक ऑनर एसोसिएशन के द्वारा चान्हो मांडर के ट्रकों से भी कोयला ढुलाई कराए जाने की बात रखी गयी। इसे लेकर एनके एरिया ट्रक ऑनर एसोसिएशन के सरंक्षक राजन सिंह राजा को चान्हो मांडर ट्रक ऑनर एसोसिएशन द्वारा एक मांग पत्र भी सौंपा गया। राजन सिंह राजा ने कहा कि जो भी कोयला आपूर्तिकर्ता यहां से कोयला लोडिंग करने आते थे उनके द्वारा बड़े पैमाने पर बाहर की गाड़ियों से लोडिंग कराया जाता था। जिससे लोकल गाड़ियों के मालिकों को नुकसान होता था। इसीलिए कुछ बदलाव किए जा रहे हैं जिससे खनन क्षेत्र में होने वाले लोडिंग पर पहला हक क्षेत्र के ही लोगों का हो। वहीं एनके एरिया ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष तनवीर आलम ने कहा कि मांग पत्र पर जल्दी ही विचार किया जाएगा।

जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक, दिये गये कई निर्देश

अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अधिकारी करें कड़ी कार्रवाई: उपायुक्त

अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चलाकर पूरी तरह से रोक लगाने का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

समाहरणालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी शशि रंजन।

खूंटी। समाहरणालय सभा कक्ष में बुधवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता डीसी शशि रंजन ने की। बैठक में पूर्व में अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को डीसी ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिशा दिया। साथ ही जिले को अफीम की खेती से मुक्त करने को लेकर अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में डीसी ने वन प्रमंडल पदाधिकारी को वन क्षेत्रो में होनेवाले अवैध खनन और परिवहन की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अंचल में अवैध रुप से भंडारित खनिजों की मापी कर जिला खनन पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित करें। साथ ही अवैध खनिज परिवहन में लिप्त वाहनों और वाहन मालिकों पर नियमानुसार कार्रवाई करें। डीसी ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि अवैध खनन और भंडारण के मामलों में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद संबंधित थाना खनिज का संरक्षण और पुनः अवैध उत्खनन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक सप्ताह अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई से संबंधित रिपोर्ट जिला प्रशासन को उपलब्ध करायें। डीसी ने जिले में हुई अफीम की खेती को चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि अवैध खनन और परिवहन, खनन पट्टा, अनुज्ञप्ति जांच और अन्य मामले में वर्तमान वितीय वर्ष के दौरान लगभग 78 लाख दंड शुल्क की वसूली की गई। बैठक में डीडीसी नीतीश कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी कुलदीप मीणा, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान, सभी प्रखंडों के अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी और अंन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डायन प्रथा के उन्मूलन के बिना सभ्य समाज की कल्पना ही नहीं की जा सकती : डीसी

खूंटी (आजाद सिपाही)। सामाजिक कुरीति डायन प्रथा के उन्मूलन को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर से डीसी शशि रंजन ने बुधवार को हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया। साथ ही डायन प्रथा के उन्मूलन के प्रति जनजागरण को लेकर हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया गया। जागरूकता वाहन द्वारा डायन प्रथा उन्मूलन के संबंध में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। डायन प्रथा के उन्मूलन की दिशा में लोगों को जागरूक करने के लिए जिले में 12 दिनों तक उक्त अभियान के तहत गहन प्रचार-प्रसार किया जाएगा। डीसी ने कहा कि डायन प्रथा एक सामाजिक कुरीति है, जो अंधविश्वास के सिवाय और कुछ भी नहीं है। डायन प्रथा का उन्मूलन किये बगैर सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसी महिला को डायन कहना कानूनी अपराध है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार सिंह, निदेशक आइटीडीए संजय भगत सहित जिले के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

विधायक ने दिव्यांग जनों में ट्राइसाइकिल बांटी

खूंटी (आजाद सिपाही)। भाजपा विधायक कोचे मुंडा ने बुधवार को तोरपा प्रखंड परिसर में 400 दिव्यांग जनों के बीच ट्राईसाइकिल का वितरण किया। साथ ही चना और सरसों के बीज का भी वितरण किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गरीबों और दिव्यांगों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। ग्रामीणों को जागरूक होकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। मौके पर तोरपा प्रखंड के प्रमुख रोहित सुरीन, उप प्रमुख संतोष कर, मुखिया विनिता नाग, मुखिया जोन टोपनो सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

समाज सेवियों ने गरीबों के बीच कंबल बांटा

खूंटी (आजाद सिपाही)। बढ़ती ठंड को देखते हुए समाजसेवी और राजनीतिक कार्यकर्ता गरीबों को गर्म कपड़े उपलब्ध करने में जुट गये हैं। बुधवार को मुरहू प्रखंड के उप प्रमुख अरूण साबू और उनकी पत्नी राम साबू ने मुरहू में गरीब जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण किया। उप प्रमुख ने कहा कि समाजसेवी हो या राजनेता, सभी का एक ही उद्देश्य होना चाहिए गरीबों और जरूरतमंदो की सेवा। उन्होंने कहा कि वह हर साल गरीबों के बीच कंबलों और गर्म कपड़ों का वितरण करते हैं। मौके पर समाजसेवी महेश गुप्ता, शहजादा खान, बलबीर साव, शिव कुमार, प्रेम कुमार आदि मौजूद थे। इधर खूंटी के वार्ड पार्षद और समाजसेवी अनूप कुमार साहू ने बुधवार को अपने वार्ड क्षेत्र के गरीबों के बीच कंबलों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि आगे भी वह कंबलों का वितरण करेंगे। वार्ड पार्षद ने चौधरी मोहल्ला, लियाकत अली लेन, कुम्हार टोली, थाना टोली, मिश्रा टोली और कर्रा रोड के गरीबों के बीच कंबलों का वितरण किया।

झाकोमयू ने पुरनाडीह परियोजना में की गेट मीटिंग

खलारी (आजाद सिपाही)। झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन एन के एरिया द्वारा एनके एरिया महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष 26 नवंबर को आयोजित धरना प्रदर्शन को लेकर बुधवार को पुरनाडीह परियोजना में गेट मीटिंग की गई। जिसकी अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष जगरनाथ महतो एवं संचालन एरिया सचिव रंथू उरांव ने किया। इस दौरान कामगारों को यूनियन की मांगों की जानकारी दी गयी। जिसमें 11वां वेतन समझौता को जल्द से जल्द लागु करने, 44 श्रम कानून को बदल कर 4 श्रम कोड में बदलने का विरोध, रैयत विस्थापितों को नौकरी मुआवजा एवं बेरोजगारों को रोजगार दिलाने सहित अन्य मांगे षामिल है। साथ ही मजदूरों से 26 नवंबर को आयोजित धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गयी। गेट मीटिंग के दौरान मुख्य रूप से एरिया उपाध्यक्ष बालमुकुंद पाण्डेय, रामेष्वर यादव, शशि उरांव, दीपक तुरी, मनोज गंझु, जलेष्वर उरांव, बिशू गंझू, मुंद्रिका गंझू, संजय उरांव, बलेष्वर उरांव, रामप्रसाद उरांव, रामकिशुन करमाली, मोहन तुरी, सुरेश राम, विजय उरांव, पचाला गंझू, ललिता टाना भगत, सरिता देवी, जुगल गंझू आदि मौजूद थे।

सोनाहातू कस्तूरबा गांधी विद्यालय में शिक्षक व अभिभावकों की बैठक

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में बुधवार को शिक्षकों और अभिभावकों की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता राजेश्वर कोईरी और संचालन विद्यालय वार्डेन शशिबाड़ा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय में अच्छी शिक्षा एवं अन्य प्रकार के विकास पर आपस में चर्चा की गई। विद्यालय के वार्डेन शशिबाड़ा ने कहा कि बच्चियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए शत प्रतिशत उपस्थिति होनी चाहिए, तभी वह पढ़ाई का सही लाभ ले सकती है। उन्होंने कहा कि 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य है। कहा कि बच्चियों से मिलने के लिए जो दिन निर्धारित किया गया उसी दिन आकर मिलें। बैठक में अन्य कई बातों पर चर्चाएं की गई। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका फुलमनी बाड़ा, ज्ञान महतो, वनमाली कुमार महतो, राजाराम लोहरा, प्रदीप गोराई, जयराम महतो, कृष्ण चंद्र महतो आदि उपस्थित थे।

25 को उलिडीह परासी के पावर हाउस का ग्रामीण करेंगे घेराव

तमाड़/मरधान (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के कृषि बाजार भुईयाडीह में तमाड़ पूर्वी क्षेत्र बिजली उपभोक्ता समिति की बैठक हुई। जिसमें कई महीनों से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को संबंधित अधिकारी को सूचना देने के बावजूद नहीं बदलने और अनियमित बिजली आपूर्ति की ज्वलंत समस्याओं के समाधान को लेकर चर्चा की गई। यह भी निर्णय लिया गया कि बिजली से संबंधित समस्याओं की सूचना संबंधित अधिकारियों को देने के बावजूद समय पर समाधान नहीं होता है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ 25 नवंबर को उलिडीह परासी के पावर हाउस में ग्रामीणों द्वारा घेराव तालाबंदी करने का निर्णय लिया। बैठक में भाजपा रड़गाव मंडल के अध्यक्ष अजीत, झामुमो के अघनू राम महतो, गोपाल महतो, शैलेश गोंझू, दुर्गा गोंझू, रसोराज महतो, वीर सिंह महतो आदि थे।

बिजली बिल नहीं देने वाले 150 लोगों का कटा कनेक्शन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। बुंडू अनुमंडल क्षेत्र में बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 150 लोगों का कनेक्शन काट दिया गया। यह जानकारी कनीय अभियंता विनोद कुमार ने दी। इधर, गामीणों का कहना है कि विभाग द्वारा कनेक्शन काटे जाने का कोई अग्रिम नोटिस नहीं दिया गया है। वहीं, कुछ उपभोक्ताओं ने कहा कि बिल भी नहीं दिया जा रहा है, जिससे लोग काफी परेशान है। इसके अलावे लोडशेडिग चरम पर है। ठीक तरीके से 12 घंटे भी बिजली नहीं रहती है। इस समस्याओं को ठीक करने के बजाय बिना नोटिस दिए बिजली विभाग सीधे कनेक्शन काट रहा है।

आजसू की बुंडू इकाई की बैठक में संगठन विस्तार पर चर्चा

बुंडू (आजाद सिपाही)। आजसू की बुंडू इकाई की बैठक प्रखंड अध्यक्ष हरिहर महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें सर्वसम्मति से आजसू को गांव के टोली-मोहल्ले तक पहुंचाने के लिए पंचायत प्रभारी और ग्राम प्रभारी गठन करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही बुंडू नगर निकाय के चुनाव में 13 वार्ड पार्षद और एक अध्यक्ष पद पर उम्मीदवार देने का प्रस्ताव पारित हुआ। बैठक में आजसू तमाड़ विधानसभा प्रभारी राम दुर्लभ सिंह मुंडा, बुंडू नगर पंचायत के उपाध्यक्ष और पार्टी के केंद्रीय सदस्य सुनील कुमार जयसवाल, जिप परमेश्वरी शांडिल, जिला उपाध्यक्ष राज किशोर कुशवाहा, ताराचंद मुंडा, दिलीप साहू, गोवर्धन मछुआ योगेश्वर महतो, संतोष महतो, कालीपद महतो, प्रदीप कुमार, सुबोध मांझी, राज किशोर सिंह मुंडा, सिद्धार्थ मुंडा, देवनाथ कुशवाहा आदि थे।

पीएम आवास योजना के लाभुकों को कराया गया गृह प्रवेश

तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पुण्डीदीडी पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना अंतर्गत निर्मित पूर्ण आवास में गृह प्रवेश पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उप विकास आयुक्त और बीडीओ की ओर से लाभुकों को गृह प्रवेश करवाया गया। साथ ही अधूरे आवास को पूर्ण करने को कहा गया। इसके अलावे चल रहे राजमिस्त्री प्रशिक्षण का औचक निरीक्षण लुंगटू पंचायत में किया। प्रशिक्षण प्रदाता को सख्त निर्देश दिया गया कि लक्ष्य के अनुरूप ससमय प्रशिक्षनार्थियों को प्रशिक्षण देंगे एवं लंबित आवासों को तीव्र गति से पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। उप विकास आयुक्त द्वारा आंगनबाड़ी, आम बागवानी एवं मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं का भी निरीक्षण किया गया।

रेलवे टनल निर्माण के दौरान रनिया के मजदूर की हिमचल प्रदेश में मौत

खूंटी (आजाद सिपाही)। हिमाचल प्रदेश में टनल निर्माण के दौरान हुए हादसे में रनिया थाना क्षेत्र कें प्रकाश टोपनो नामक 28 वर्षीय युवक की भी मौत हो गई। वह बानाबीरा गांव के मसीह टोपनों का पुत्र था। गुरुवार को प्रकाश का शव रनिया पहुंचेगा। मृतक के स्वजनों से मिली जानकारी के अनुसार प्रकाश अपने कुछ दोस्तों के साथ तीन महीने पहले रोजगार की तलाश में हिमाचल प्रदेश गया था। वहां रेलवे के टनल निर्माण में काम कर रहा था। उसी दौरान मंगलवार को एक बड़ा पत्थर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

आदिवासियों के हितों की रक्षा करने के बजाय उन्हें परेशानियों में डाल रही सरकार: संजय

आजाद सिपाही संवाददाता

अड़की। राज्य सरकार आदिवासियों के हितों की रक्षा करने के बजाय उन्हें परेशानियों में डाल रही है। उक्त बातें अनुसूचित जनजाति मोर्चा के खूंटी जिलाध्यक्ष संजय मुंडा ने कही। बुधवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री सह खूंटी के सांसद अर्जुन मुंडा के प्रयास से केंद्र सरकार ने सेरेंगहातू से बंदगांव भाया बिरबांकी, कोचांग सड़क के मध्य कोरवा व चुकलू घाटी की वन भूमि पर सड़क निर्माण के लिए अनापत्ति पत्र जारी कर दी है। लेकिन अब मामले को राज्य सरकार ने लटका कर रखा है। जिस कारण चुकलू और कोरवा घाटी में सड़क का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इससे सात पंचायत मदहातू, तोड़ांग, बिरबांकी, बोहोण्डा, तिरला, कोचांग और तिनतिला पंचायत के सैकड़ों गांव-टोलों के लोगों को परेशानियां हो रही है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के पूर्ण होने के बाद अड़की से बंदगांव की दूरी लगभग 25 किमी कम हो जाएगी। लेकिन राज्य सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है।

एनओसी नहीं मिलने से सड़क निर्माण कार्य बंद, लोग परेशान

अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की से बंदगांव भाया बीरबंकी, कोचांग निमार्णाधीन सड़क का निर्माण कार्य बंद है। फॉरेस्ट क्लीयरेंस को लेकर स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के प्रयास से वन विभाग को केंद्र से एनओसी प्राप्त हो चुका है। पर वर्तमान सरकार और वन विभाग की लापरवाही और उदासीनता के कारण प्रखंड के सात पंचायत तोडाग, बिरबाकी, बोहंडा, कोचांग, मदहातू, तिरला, तिनतिला के लोग परेशान हैं। वन विभाग से एनओसी नहीं मिलने के कारण रोड निर्माण कार्य बंद है। इसकी जानकारी खूंटी जिला भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय मुंडा ने दी।

एनके क्षेत्र को संकट से उबारने के लिए सभी के सहयोग की जरूरत : जीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। कोयला खनन के लिए जमीन अभाव के कारण क्षेत्र संकट के दौर से गुजर रहा है ऐसे समय में हर वर्ग और समूह के लोगों का सहयोग की आवश्यकता है। उक्त बातें एनके एरिया के महाप्रबंधक संजय कुमार ने कही। वे डकरा वीआईपी क्लब सभागार में बुधवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि चुरी भूमिगत कोयला खदान में आग लगने के बाद किस प्रकार यहां का श्रमिक संगठन, मीडिया एवं आम लोगों ने सहयोग किया जिसके कारण रिकॉर्ड समय में खदान चालू हुआ और हर दिन नया रिकॉर्ड बना रहा है। इसी प्रकार केडीएच पुरनाडीह, रोहिणी, डकरा में अलग-अलग तरह की कई समस्याएं खड़ी है। सामूहिक सहयोग से ही समस्या समाधान हो सकेगा और आने वाले समय में एरिया कोयला उत्पादन के क्षेत्र में पिपरवार से भी बड़ा हो जाएगा। उस दौर में पहुंचने के बाद यहां नागरिक सुविधाएं भी बढ़ेंगी। पिछले 15 साल से अंधेरे में खलारी रेलवे ओवरब्रिज पर उन्होंने स्ट्रीट लाइट लगाने, खलारी अस्पताल को ऑक्सीजन कंसलटेटर लगाने की पेशकश की है।

संगठन से नाराज चल रहे लोगों को एक साथ आने की अपील

सभी रैयत विस्थापित एकजुट रहें, तो हर समस्या का होगा समाधान : बिगन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सभी रैयत विस्थापितों के हक और अधिकार दिलाने के लिए संगठन लगातार प्रयासरत रहता है। यह बात डकरा में सीसीएल एनके प्रबंधन द्वारा विस्थापन को लेकर आयोजित बैठक में पहुंचे रैयत विस्थापित मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने कही। कहा कि मोर्चा का गठन रैयत विस्थापित के हक अधिकार, रोजगार एवं उनकी जो मूलभूत सुविधाएं है उसे दिलाने के लिए ही हुआ है। जो कि मोर्चा करती है और हमेशा आंदोलन भी करता रहता है। इसलिए कोई भी ऐसा नही सोचे कि वे अलग है या किसी से कोई भेदभाव है। मोर्चा का किसी से विरोध नहीं है। सभी रैयत विस्थापित लोग मिलजुल कर हक अधिकार की बात करें तो निश्चित रूप से समस्या का समाधान होगा। अगर यहां के रैयत है तो फिर अलग-अलग चलने की क्या जरूरत है। मोर्चा के साथ आइए और मिलजुलकर जो भी समस्या है उसे दूर करे। उन्होंने प्रबंधन से मांग की कि जामुन दोहर एवं जेहलीटांड में 17 घर के मुआवजे भुगतान में सकारात्मक पहल करे। साथ ही केडीएच परियोजना के विस्थापित जालिम सिंह एवं दामोदर गंझू ने कहा कि केडीएच परियोजना के सभी गांव के जो रैयत विस्थापित है वो एकजुट है और मोर्चा के नेतृत्व में रणनीति पर काम करेंगें।

ट्रेड यूनियन नेताओं के प्रति मजदूरों का असंतोष चिंताजनक : कमलेश

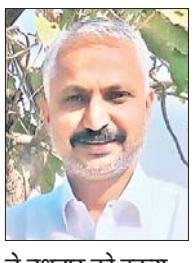

खलारी (आजाद सिपाही)। ट्रेड यूनियन नेताओं के प्रति मजदूरों का असंतोष चिंता का विषय है। इसमें व्यापक बदलाव की जरूरत है। यह इसलिए भी जरूरी है कि कोयला उद्योग में सक्रिय रहे सैकड़ों ट्रेड यूनियन नेताओं ने अपने त्याग-तपस्या से इसे सींचा है। साकारात्मक बदलाव कर उन्हें हम सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। उक्त बातें जनता मजदूर संघ से सीसीएल सलाहकार समिति सदस्य कमलेश कुमार सिंह ने बुधवार को डकरा वीआईपी क्लब में संघ की समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के क्रम में कही। उन्होनें कहा कि मैं बड़े बदलाव के उद्देश्य से बड़ा दायित्व लिया हूं, ताकि मजदूरों और आम लोगों के सहयोग से कुछ ऐसी धारना को बदल सकूं जिसके कारण यूनियन की बदनामी हो रही है। सीसीएल सलाहकार समिति की बैठक को वे पारदर्शी बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं और उसका अच्छा असर दिखाई देने लगा है। बताया कि बहुत जल्द उनके संगठन में साकारात्मक बदलाव दिखेंगे। पिछले दिनों संगठन का धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम उसी बदलाव की शुरूआत है। उन्होनें इस मुहिम पर काम करने के लिए मजदूरों और आम लोगों से सहयोग और सुझाव का अपील किया हैं। वहीं समीक्षा बैठक का संचालन एरिया अध्यक्ष गोल्टेन प्रसाद यादव ने किया। इस अवसर पर डीपी सिंह, सेतुबांध सिंह, विजय प्रताप आदि मौजूद थे।

अवैध बालू परिवहन करते दो हाइवा व तीन ट्रैक्टर जब्त

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले में बालू के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे अभियान के दौरान जरिया गढ़ थाना क्षेत्र में अवेध बालू लदे दो हाइवा और तीन ट्रैक्टर को प्रशासन ने जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान ने मंगलवार की रात 12 बजे खनन विभाग के अधिकारियों के साथ जिले के जरियागढ़ थाना क्षेत्र में अवैध बालू के उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध अभियान चलाया। इस दौरान बकसपुर ओपी के लापा बड़का टोली क्षेत्र में अवैध रूप से बालू का परिवहन करने के आरोप में दो हाइवा पकड़ा गया। इनमें से एक हाइवा में 800 घन फीट बालू लदा था, जबकि दूसरा अवैध बालू लोड कर रहा था। टीम को देख कर भाग रहे इस वाहन को खदेड़ कर पकड़ा गया। पकड़े गए दोनों वाहनों जेएच 01 सीई 7767 तथा जेएच 05 बीके 7698 और मौके पर पकड़े गए दोनों वाहनों के चालक पिस्का नगड़ी रांची निवासी इमरान अंसारी और तोरपा थाना क्षेत्र के अजीत कुमार सिंह को जरियागढ़ थाना की पुलिस को सौंप दिया गया है। इस संबंध में खनन निरीक्षक सुबोध कुमार सिंह ने जरियागढ़ थाने में पकड़े गए वाहन और उनके चालकों और वाहन मालिकों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत एक मामला दर्ज कराया है। दूसरी ओर बुधवार दोपहर मुरहू थाना क्षेत्र के गनालोया गांव के समीप अभियान चलाकर बालू का अवैध परिवहन करते तीन ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। 100- 100 घनफीट बालू लदे तीनों ट्रैक्टरों को मुरहू थाना परिसर में रखा गया है।

विद्युत और यांत्रिक संवेदकों की बैठक में लिये गये कई निर्णय

खलारी (आजाद सिपाही)। राय कोलियरी में शिव मंदिर प्रांगण में विद्युत और यांत्रिक संवेदकों की बैठक हुई। जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मिलजुल कर काम करने, बिलो रेट में टेंडर नहीं डालने, सुख दुख में एक दूसरे का साथ देंने आदि पर चर्चा हुई। बैठक में संजय सिंह, दिलीप साहू, सत्येंद्र प्रसाद, संतोष मेहता आदि थे।

केसी भगत कॉलेज से इतिहास विभाग के विद्यार्थी नालंदा विश्वविद्यालय शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना

बेड़ो (आजाद सिपाही)। करमचंद भगत महाविद्यालय बेड़ो इतिहास विभाग एम.ए. सेमेस्टर 3 के छात्र-त्राओं ने बुधवार को शैक्षणिक भ्रमण के लिए नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर व बोधगया के लिए महाविद्यालय परिसर से प्रस्थान किया। शैक्षणिक भ्रमण महाविद्यालय के इतिहास विभाग के विभाग अध्यक्ष डा. अल्पना मेहता के नेतृत्व में छात्र गुरुवार की सुबह में नालंदा विश्वविद्यालय पहुंचकर शैक्षणिक भ्रमण करेंगे। नालंदा विश्वविद्यालय के बाद छात्रों को बोध गया बुद्ध स्तूप ले जाया जाएगा। जहां भगवान बुद्ध के मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण कर जानकारी प्राप्त करेंगे। वहीं बोधगया के बाद छात्रों को राजगीर और पावापुरी में शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। इधर शैक्षणिक भ्रमण का नेतृत्व करते हुए डा. अल्पना मेहता ने कहा कि बच्चों में शैक्षणिक भ्रमण से ज्ञान की प्राप्ति होगी। वहीं भ्रमण के दौरान छात्र अपने इतिहास को भी जानेंगे। राजगीर की पहाड़ियों, पावापुरी के मंदिर और नालंदा के प्राचीन विश्वविद्यालयों के भग्नावशेषों, दीवारों, रज्जु मार्ग, कुंड आदि भ्रमण कराया जाएगा। वहीं डा. मेहता ने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यर्थियों को प्रत्यक्ष देखने व सीखने को मिलेगा। उन्हें देश, राज्य आदि के इतिहास एवं समाज की धारा को समझने में मदद मिलती है व सामूहिकता की भावना का विकास होता है। शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय एम.ए. सेमेस्टर 3 इतिहास विभाग के 30 छात्र समेत शिक्षक शामिल हैं।

किसान उच्च विद्यालय पिठोरिया में छात्रों को दिया गया कराटे का प्रशिक्षण

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। किसान उच्च विद्यालय पिठोरिया में मॉडर्न मार्शल आर्ट्स कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा गुरुवार को छात्रों को कराटे का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उदघाटन स्कूल के प्राचार्य दिनेश कुमार ने किया। इस अवसर पर दिनेश कुमार ने कहा कि आत्मरक्षा के लिए कराटे एक उचित माध्यम है। संस्था के मुख्य प्रशिक्षक सेंसी विकास पाठक के द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर मोहम्मद अफरोज आलम, नरेश कुमार साहू, पूनम कुमारी, मीनाक्षी कुमारी, पंकज कुमार रजक समेत सभी शिक्षक मौजूद थे।

प्रोजेक्ट बालिका उवि में प्रधानाध्यापक पद पर करम सिंह महतो ने किया पदभार ग्रहण

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में प्रधानाध्यापक पद पर करम सिंह महतो ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका उषा कुमारी सिंह शिक्षक व शिक्षिकाओं ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर शुभकामनाएं दीं। पदभार ग्रहण के बाद प्रधानाध्यापक ने शिक्षकों, अभिभावकों व छात्रों से समन्वय स्थापित कर विद्यालय की समस्याओं और विकास के लिए प्रयास करने का वादा किया। मौके पर पूर्व प्रधानाध्यापक उमाचरण प्रसाद, श्वेता कुमारी, ममता कुमारी, रोज मेरी मिंज, भिंसेन्ट सोरेन, सुदामा साहू, रविकांत सिंह, तीर्थनाथ उरांव उपस्थित थे।

नवागढ़ एवं बीसा पंचायत के किसानों को दिया गया दो दिवसीय प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र रामकृष्ण मिशन आश्रम मोराबादी रांची में आयोजित दो दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवागढ पंचायत एवं बीसा पंचायत के कुल 40 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती से होने वाले फायदे, व देशी गाय के गोबर एवं गो-मूत्र से विजामृत, जीवामृत, घन जीवामृत, एवं अन्य तरल खाद, तथा कीटनाशक में नीमास्त्र, दसपर्णी एवं अग्नेयास्त्र आदि बनाने की विधि एवं पौधों मे उपयोग का विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रशिक्षण में दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रधान सह वरीय वैज्ञानिक डॉ. अजीत सिंह, ओ०पी० शर्मा एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे।

झारखंड ट्राईबल डेवलपमेंट सोसाइटी ने किसानों के बीच वर्मी बेड का किया वितरण

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। नवागढ़ पंचायत एवं टाटी पंचायत में झारखंड ट्राईबल डेवलपमेंट सोसाइटी के द्वारा जैविक खेती को बढावा देने हेतु 65 किसानों के बीच वर्मी बेड का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य अनगड़ा पूर्वी राजेन्द्र शाही मुण्डा उपस्थित थे। श्री मुण्डा ने ट्राईबल डेवलपमेंट सोसाइटी के द्वारा किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है इसकी काफी प्रसंशा की। साथ ही ट्राईबल डेवलपमेंट सोसाइटी के निदेशक वेदप्रकाश ने कहा कि ये दोनों पंचायत के किसान काफी मेहनती हैं और ये लोग जैविक खेती को अपना रहे हैं। इन्हें प्रोत्साहित करने हेतु आज वर्मी बेड दिया जा रहा है। मौके पर झारखंड ट्राईबल डेवलपमेंट सोसाइटी के उमर रईस, जैन मेडम, नाकोफ से संजय कुमार, मुखिया भुवनेशवर बेदिया, संतोष बेदिया, महाबीर बेदिया, नरेन्द्रनाथ बेदिया, दिपेन्द्र बेदिया, जगू बेदिया, हरिलाल बेदिया के अलावा अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम : 26वीं वाहिनी मुख्यालय एसएसबी अनगड़ा बी कंपनी में कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

आधुनिक युग में कंप्यूटर जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध हो रहा है : एसडी शेरखाने

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र के 16 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल अनगड़ा में वाहिनी मुख्यालय सह बी कंपनी अनगड़ा में बुधवार को तीस दिवसीय बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कमांडेट एसडी शेरखाने ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र के 16 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं।

मौके पर कमांडेंट एसडी शेरखाने ने आज के आधुनिक युग में कंप्यूटर के महत्व को समझाते हुए कहा कि आज के युग को यदि हम कंप्यूटर युग कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। शिक्षा, मनोरंजन, चिकित्सा, यातायात, संचार, युद्ध, सुरक्षा, शोध, अविष्कार सहित सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है। शिक्षा के क्षेत्र में कंप्यूटर ने तो क्रांति ला दी है।

एसडी शेरखाने ने यह भी कहा कि आधुनिक युग में कंप्यूटर एक तरह से मनुष्य के जीवन को संचालित कर रहा है। हर क्षेत्र में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप में जुड़ा हुआ है। विज्ञान के इस अद्भुत उपहार को नकारना संभव नहीं है। यह आज भी आवश्यक है। कंप्यूटर के द्वारा संचार के क्षेत्र में एक क्रांति सी आ गई है। इंटरनेट के माध्यम से मनुष्य हर प्रकार की जानकारी का आदान-प्रदान विश्व के किसी भी कोने करने में सक्षम है। एसडी शेरखाने ने युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ तकनीकी एवं व्यवहारिक ज्ञान भी हासिल करने की बात कही। तकनीकी ज्ञान के जरिए रोजगार एवं व्यवसाय में युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं। बढ़ती जनसंख्या और रोजगार की मारामारी के बीच युवाओं के लिए तकनीकी ज्ञान बहुत कारगर साबित होगी।

उन्होंने बताया कि एसएसबी बटालियन हर वर्ष विभिन्न तरह के रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास करती है। कार्यक्रम में दर्पण सेवा संस्था के सचिव मंतोष कुमार, प्रशिक्षिका अनुराधा कुमारी सहित एसएसबी के पदाधिकारी मौजूद थे।

कुरमी विकास मोर्चा ने मनातू कांके में प्रतिभाशाली बच्चों को किया सम्मानित

बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए यह सम्मान समारोह हर गांव में किया जाना चाहिये : शीतल ओहदार

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। प्रखंड के मनातू गांव कांके में कुरमी/कुड़मी विकास मोर्चा के बैनर तले समाजसेवी अनुप कुमार महतो की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें वर्ष 2022 में मैट्रिक, इंटर, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य संजय महतो, सुषमा देवी, प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक मथुरा प्रसाद महतो उपस्थित थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में कांके थाना के इंस्पेक्टर बृज कुमार, ठानो मुंडा, मुखिया पूनम देवी, राजकुमार महतो, राजेन्द्र महतो इत्यादि मौजूद थे। कुरमी/कुड़मी विकास मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार ने कहा कि बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए यह सम्मान समारोह हर गांव में किया जाना चाहिए। वहीं समाजसेवी अनुप कुमार महतो ने कहा कि शिक्षा ही हमारे देश और समाज का कल्याण कर सकती है, अतः समाज को शिक्षित एवं सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष ऐसे आयोजन किये जाने चाहिए।

इस आयोजन को सफल बनाने में मनोज महतो, आशीष महतो, संदीप महतो, संजय महतो, रोशन महतो, सिकंदर महतो, अजय महतो, महाबीर महतो, दीपक मेहता, सुरेश महतो रामप्रसाद महतो, फुलेश्वर महतो इत्यादि लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

इटकी (आजाद सिपाही) इटकी और नगड़ी थाना की सीमा पर इटकी थाना क्षेत्र के टुरुगुरु स्थित लद्दा नदी से पुलिस ने बुधवार को एक युवक का शव बरामद किया है। उसकी पहचान नगड़ी थाना क्षेत्र के गुटूवा निवासी सूरज महली (23) के रूप में की गयी है। परिजनों ने उसकी हत्या किये जाने की आशंका जतायी है। परिजनों के अनुसार उसकी हत्या नगड़ी के दलादिली बस्ती स्थित एक निमार्णाधीन मकान में संभवतः गोली मारकर की गयी है। मकान में खून के धब्बे, एक जोड़ी जुत्ता व शराब की बोतल पायी गयी है। मृतक की स्कूटी मेराल बस्ती में मिली है। उसमें भी खून के धब्बे पाये गये हैं। मृतक जमीन के कारोबार से जुड़ा था व एक जमीन कारोबारी के साथ ड्राइवर के रूप में कार्य करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

संत माइकल्स स्कूल जाजपुर में अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव मनाया गया

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी स्थित संत माईकल्स स्कूल जाजपुर में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों को अलग-अलग भाषाओं में फिल्म दिखाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्राचार्य ने फीता काटकर की। शिक्षकों ने बैनर दिखाकर कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों का हौसला बढ़ाया। बच्चे भी इस कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साहित थे। उन्होंने अपनी जिज्ञासा अनुसार अभिनय एवं निर्देशन से संबंधित प्रश्न पूछे। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव के अंतर्गत बच्चों को प्रेरित करने एवं मार्गदर्शन करने के लिए ऑनलाइन वेबिनार का भी आयोजन किया गया था। जिसमें फिल्म जगत के ख्यातिप्राप्त एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही उन्होंने अभिनय, निर्देशन, लेखन, संगीत, छायांकन आदि क्षेत्रों में कैरियर बनाने से संबंधित जानकारियां दीं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को फिल्म देखकर-सीखकर कुछ नया निर्माण करने के लिए प्रेरित करना था। इस आयोजन के ज्यूरी सदस्य दक्षिण कोरिया के किम सांघवा, अमेरिका के अभिनेता राजीव नेमा और भारत के फिल्म निर्देशक नीरज उधवानी थे। इस अवसर पर प्राचार्य रंजीत कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि फिल्म सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि आधुनिक युग में उत्कृष्ट जीवन जीने की कला भी सिखाती है। साथ ही, उन्होंने जानकारी दिया कि अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव की शुरुआत 2017 में हुई थी। अब तक इसके तहत 20 देशों में तथा 15 से अधिक भाषाओं में 75 से अधिक फिल्में दिखायी जा चुकी हैं। कार्यक्रम के द्वारा हम फिल्म को देखकर-सुनकर उसे समझने का प्रयास करते हैं और विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों, मानवीय संवेदनाओं और हर परिस्थिति में हौसला रखते हुए सफल जीवन जीने के लिए धैर्यपूर्वक संघर्ष करना सीखते हैं। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षक गण भी उपस्थित थे ।

आक्रोश : स्कूल के निदेशक पर विद्यालय की छात्रा ने मारपीट, छेड़छाड़ एवं अश्लील हरकत का लगाया आरोप

घटना के विरोध में क्षेत्र के लोगों ने नगड़ी थाना तक निकाला विरोध मार्च

छात्रा के पिता ने स्कूल निदेशक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराकर थाना प्रभारी से की कठोर कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। नगड़ी थाना क्षेत्र के साहेर रोड में स्थित नगड़ी के सेक्रेड मिशन स्कूल के निदेशक सुरेश्वरी महतो पर विद्यालय की एक छात्रा ने मारपीट, छेड़छाड़ एवं अश्लील हरकत करने का आरोप लगाते हुए नगड़ी बांध टोली निवासी छात्रा के पिता ने स्कूल के निदेशक सुरेश्वरी महतो के खिलाफ नामजद प्रथामिकी दर्ज कराकर न्याय की गुहार लगायी है एवं सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रथामिकी के अनुसार छात्रा के पिता ने बताया कि 15 वर्षीय मेरी बेटी जो कि सेक्रेड मिशन स्कूल नगड़ी में पढ़ने जाती है। उसके साथ डायरेक्टर सुरेश्वरी महतो ने छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने की कोशिश की। जब वह विरोध करने लगी तो उन्होंने मारपीट भी की। यह बात लड़की ने स्कूल से आकर परिजनों को बतायी। इधर लड़की के पिता ने प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाते हुए न्याय की मांग की है। घटना की जानकारी जब क्षेत्र के सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं को हुई तो सभी लोगों ने घटना की घोर निंदा करते हुए नगड़ी प्रखंड कार्यालय से नगड़ी थाना तक पदयात्रा निकल कर विरोध मार्च निकाला। इसके साथ ही एक प्रतिनिधिमंडल थाना प्रभारी से मिलकर कहा कि आरोपी 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार होना चाहिये, नहीं तो नगड़ी को अनिश्चितकालीन बंद करेंगे। लोगों ने कहा यह समाज को शर्मसार करने वाली घटना है। गुरु और शिष्य के पवित्र रिश्ता को इन्होंने शर्मसार किया है। उसे अविलंब गिरफ्तार होना चाहिये। इस संबंध में नगड़ी थाना प्रभारी ओम प्रकाश टोप्पो ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज हो गयी है। अनुसंधान में जो भी मामला आएगा इस पर पुलिस उचित कानूनी करवाई करेगी।

नगड़ी थाना प्रभारी से भेंट करने वालों में प्रतिनिधिमंडल में नगड़ी के वरीय समाजसेवी लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव, जिप सदस्य पूनम देवी, उप प्रमुख अफसाना प्रवीण, मुखिया में जय गोपाल उरांव, विजेता कच्छप, आशा किस्पोट्टा, पंसस में शीला देवी, गुलरेज अंसारी, तपेश्वर केसरी, बजरंग महतो, पंचम किस्पोट्टा, बिरसू कच्छप, हाजी रकीब, हसीम अंसारी, मुख्तार अंसारी, क्युम अंसारी, अब्दुल कुदूश, एकबाल अंसारी, दानिश अंसारी, सरफाराज अंसारी, इमरान होदा, भोला अंसारी सहित नगड़ी देवरी नारो गांव दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

मंडल अध्यक्ष की रिसेप्शन पार्टी में शरीक हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, मंगलमय जीवन की दी शुभकामनाएं

नामकुम (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा बुधवार को भाजपा खिजरी मंडल अध्यक्ष सह रामपुर निवासी अशोक मुंडा की शादी के उपलक्ष्य में दी गयी रिसेप्शन पार्टी में शामिल हुए। मंत्री ने वर अशोक मुंडा और वधू किरण कुमारी को शादी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने वर-वधू के मंगलमय जीवन की कामना की। खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा ने 21 नवंबर को शादी की थी। उनकी रिसेप्शन पार्टी में पहुंचकर अर्जुन मुंडा ने नव-विवाहित वर-वधू को शुभकामनाओं के साथ-साथ बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम सभी को चाहिये कि अपने जीवन में नारी की अहमियत को समझें चाहे वो मां, बहन, पत्नी, बेटी या किसी अन्य रूप में ही क्यों न हो। उन्हें वो सम्मान दें जिनके वो हकदार हैं, तभी जाकर सही मायने में हमारे समाज का सर्वांगीण विकास हो सकेगा। रिसेप्शन पार्टी में रांची सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जैलेंद्र कुमार, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह, पत्रकार राजेश वर्मा, लालखटंगा पूर्व मुखिया रितेश उरांव, नरेंद्र मोदी विचार मंच के प्रदेश सहसंयोजक मनोज कुमार सिंह, समीर राय, प्रज्ञा भारती, शिल्पी शालिनी, मुन्ना बड़ाईक, गोपाल चौधरी, संतोष कुमार पंडा, संजय सिंह, उमेश बड़ाईक के साथ खिजरी मंडल से सैकड़ों लोग शामिल हुए। इनमें ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी के नेता शामिल थे।

प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन

नामकुम (आजाद सिपाही)। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय गढ़खटंगा नामकुम में बुधवार को आईसीटी कंप्यूटर लैब स्मार्ट क्लासरूम, बाल पुस्तकालय एव जाति प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रांची सांसद संजय सेठ द्वारा किया गया। इस अवसर पर रांची जिला शिक्षा पदाधिकारी कमला सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक अकाश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत मुख्य द्वार से विद्यालय की बालिकाओं ने पारंपरिक मांदर की थाप पर झारखंड संस्कृति रीति रिवाज से किया। इस दौरान सांसद ने जिला के पदाधिकारी के साथ विद्यालय का भ्रमण किया। सभी क्लास रूम, कार्यालय कक्ष, किचन रूम, शौचालय की साफ-सफाई लाइब्रेरी आदि का अवलोकन किया। पदाधिकारियों ने विद्यालय के शिक्षकों की काफी प्रशंसा की तथा और बेहतर करने का सुझाव विद्यालय प्रबंधक को दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लालखंटगा पंचायत की मुखिया पुष्पा तिर्की तथा संचालन विद्यालय के प्रभारी शिक्षक भूदेव चंद्र महतो ने किया। लालखंटगा पंचायत के पूर्व मुखिया रितेश उरांव ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। विद्यालय में अभिभावक शिक्षक की बैठक में उपस्थित एसएमसी सदस्य, ग्रामीण एवं सांसद एवं पदाधिकारियों से क्षेत्र के विकास हेतु अनुरोध किया। समारोह में लगभग 150 बच्चों की जाति प्रमाण पत्र वितरण किया गया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह, राजेश टोप्पो, राम प्रताप कुमार, बिजय नायक, राजेंद्र ठाकुर एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

झामुमो बाढ़ू पंचायत समिति का गठन

कांके (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड समिति के अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी द्वारा सर्वसम्मति से बाढ़ू पंचायत समिति का गठन किया गया। जिसमें पंचायत अध्यक्ष जावेद आलम, उपाध्यक्ष मनीष उरांव, मनोज उरांव, सचिव नरेश मुंडा, संगठन सचिव रवि उरांव, संयुक्त सचिव उमेश लिंडा, कोषाध्यक्ष सलमान सहित कार्यकारिणी के 13 सदस्य मनोनीत किए गए। सभी को माला पहना कर स्वागत किया गया। इस मौके पर जावेद अख्तर अंसारी ने कहा कि झामुमो माटी की पार्टी है। झामुमो पार्टी ही यहां के आदिवासियों, मूलवासियों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों व गरीबों को इनका अधिकार दे रही है। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी, हनीफ अंसारी, नवीन तिर्की, सबीबुल रहमान, शहाबुद्दीन अंसारी, मोहम्मद चांद सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे।

सीआइपी में इलाज कराने आया ओड़िशा का मनोरोगी लापता

कांके (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान सीआईपी में उड़ीसा राज्य का इलाज कराने आया मनोरोगी 44 वर्षीय कांति रंजन प्रधान संस्थान परिसर से ही इलाज के क्रम में लापता हो गया। इस संबंध में कांके थाना में लापता होने संबंधी सनहा दर्ज किया गया है। उसके भाई मनोरंजन प्रधान ने लापता मनोरोगी के संबंध में जानकारी दी है कि वह उड़िया और अंग्रेजी भाषा बोलता है और मानसिक रोगी है। ऊंचाई 5 फीट 4 इंच है। रोगी के बारे में जानकारी देने वाले को उसके भाई ने एक लाख रुपये इनाम देने की भी घोषणा की है। उसका पता ग्राम कुरूदोल, जिला- अंगुल, राज्य उड़ीसा है। इस संबंध में जानकारी मिलने पर मोबाईल संख्या-- 7077 618103 व 73280 18336 पर सूचना दी जा सकती है।

ट्रक के धक्के से बाइक में सवार बच्ची घायल

इटकी (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के रांची-गुमला मुख्य मार्ग एनएच-23 पर बुधवार को पलमा पेट्रोल पंप के समीप सब्जी लदे एक ट्रक ने बाइक जेएच 01इए 02820 को धक्का मार दिया। इस घटना में बाइक पर सवार भरनो की राधिका गुप्ता नामक एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गयी। इलाज के लिये उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो भेजा गया है। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया।

पलामू साहित्य की भूमि, धरोहर को जीवंत रखना हमसभी की जिम्मेदारी : आयुक्त

- जिस पुस्तकालय में महात्मा गांधी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पंडित मदन मोहन मालवीय आए वहां खुद आकर अभिभूत हूं
- आयुक्त जटा शंकर चौधरी श्री मारवाड़ी सार्वजनिक हिंदी पुस्तकालय पहुंचकर साहित्यकार एवं साहित्य प्रेमियों से किया विमर्श

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रमंडलीय आयुक्त जटा शंकर चौधरी श्री मारवाड़ी सार्वजनिक हिंदी पुस्तकालय पहुंचकर साहित्यकार एवं साहित्य प्रेमियों से विमर्श किया। 1917 में स्थापित इस पौराणिक पुस्तकालय पहुंचकर आयुक्त अपने आप को सौभाग्यशाली बताया। उन्होंने कहा कि जिस पुस्तकालय में मोहनदास करमचंद गांधी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पंडित मदन मोहन मालवीय जैसे विभूतियों का आगमन हुआ उस पुस्तकालय में आकर वे अभिभूत हैं। उन्होंने पुस्तकालय समिति के सदस्य एवं अन्य को संबोधित करते हुए कहा कि यह पुस्तकालय धरोहर है। इस धरोहर को जीवंत एवं सुरक्षित रखना हमसभी की जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने कहा कि पलामू की भूमि साहित्यक की भूमि रही है। उन्होंने पुस्तकालय की उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि पुस्तकालय ज्ञान का अथाह सागर है। यह अलग बात है कि डिजिटल माध्यमों के इस दौर में पुस्तकालय जाकर या पुस्तकालय पढ़ने वालों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। समाज में इसके दुष्परिणाम भी देखने को मिल रहा है। सुविधाएं जितनी बढ़ी है, उतने ही समाज में कुरीतियां, विकृतियां आती है। साथ ही नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है। इसके प्रति चिंतन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय का महत्व हमेशा रहा है और आगे भी रहेगा। इसमें अध्ययन का बेहतर माहौल मिलता है। कार्यक्रम के दौरान पलामू के साहित्यकारों ने आयुक्त को अपनी लिखित पुस्तक भेंट की। पुस्तकालय समिति के सदस्यों ने मारवाड़ी सार्वजनिक हिंदी पुस्तकालय परिसर में संचालित राजकीय विद्यालयों को स्थानांतरण या विलय कर पुस्तकालय परिसर को स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए उपलब्ध कराने की मांग रखी। आयुक्त ने उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन झारखंड विधानसभा के उप सचिव पद से सेवानिवृत्त एवं साहित्यकार रवि शंकर पांडेय ने की। वहीं साहित्यकार श्रीधर द्विवेदी, युवा कवि रवि शंकर पांडेय, साहित्यकार हरिवंश प्रभात आदि ने संबोधित किया और स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में मारवाड़ी सर्वजनिक हिंदी पुस्तकालय के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम में पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार तुलस्यान (नवल), उपाध्यक्ष सुशील लाट, सचिव राजेश उदयपुरी, उप सचिव संजय केजरीवाल सहित विनोद उदयपुरी, संजय केजरीवाल, अनुपम तुलस्यान, सुरेश उदयपुरी आदि उपस्थित थे।

ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की जरूरत : एसडीओ

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद अनुमंडल कपूरी मैदान में कर्नल कप फुटबॉल टूर्नामेंट 2022 का उद्घाटन समारोह में सभी बत्तीस फुटबॉल टीमों के जपला मार्च पास्ट तदोपरान्त मोहम्मदगज बनाम सडेया के बीच मैच खेला गया। जिसमें सडेया ने इस मैच को 2झ1 से जीता। प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी 32 टीमों के लगभग 500 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय धुन पर हाथ में फुटबॉल और राष्टीय झंडा ले कर सभी नगर वासियों को खेल के प्रति जागरूक करने हेतु अनुमंडल मैदान से निकल कर पूरा जपला का भ्रमण किया तथा लोगों को रखेलेगा तभी जीतेगा पलामू अभियान के द्वारा जागरूक किया।मौके पर कर्नल डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य हुसैनाबाद को फुटबॉल हब बनाना है। मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल को किक मारकर किया। अपने संबोधन में अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि कर्नल ब्रिगेड स्पोर्ट क्लब ने पिछले 3 सालों में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। स्पोर्ट क्लब के बच्चों ने जिले के कई प्रतियोगिताओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। जरूरी नहीं प्रतिभा बड़े घरों से ढूंढी जाए, वह गरीब बस्ती से भी निकाल कर भी निखारी जा सकती है। क्लब के संरक्षक कर्नल संजय सिंह ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य है हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र से प्रतिभावान खिलाड़ियों को फुटबॉल के क्षेत्र में नए मुकाम पर पहुंचाना है। मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रेश्वर प्रसाद,रामप्रवेश सिंह,अखिलेश्वर मेहता,रामराज मेहता,रामेश्वर राम,संतोष सिंह,आलोक कुमार, अध्यक्ष मानिक चंद सिंह, अजय कुमार सिंह, लाल धन ठाकुर ,डबल सिंह, सुदेश सिंह, जयकूश सिंह, मनोज शर्मा, निहाल मिर्जा सैयद इकबाल, तकि रिजवी सुभाष कुमार, अमित सिंह, जमालुद्दीन शाह, राहुल, गोविंद एवं हजारों दर्शक उपस्थित थे।

राजद कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद शहर के वार्ड-1 स्थित राजद के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव के पुरंदर बीघा स्थित आवासीय परिसर में राजद कार्यकताओं की बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता व संचालन पार्टी के अनुमंडलीय अध्यक्ष खुर्शीद खान ने की। बैठक में पार्टी की मजबूती व नए सदस्य बनाने पर बल दिया गया। मौके पर राजद के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत बनाने के लिए गांव गांव जाकर पार्टी की नीति व सिद्धांतों से अवगत कराने की बात कही।उन्होंने कहा की हुसैनाबाद शुरू से राजद का गढ़ रहा है। इसे और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। आने वाले समय में राजद पूरे पलामू प्रमंडल के साथ साथ प्रदेश में भी सशक्त बनेगा।मौके पर राजद नेता सह नगर अध्यक्ष शशि कुमार ने कहा कि दिनप्रतिदिन राजद का जनाधार बढ़ रहा है।हम सभी को जमीनी स्तर पर शहर से लेकर गांव तक कार्यकताओं के साथ मिलकर संगठन को और भी मजबूत व सशक्त बनाना है।मौके पर मुख्य रूप से जिला युवा अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव जाकिर अली उर्फ राज अली, कामख्या नारायण सिंह, युवा नेता रवि कुमार सिंह यादव, मुखिया श्रवण राम,बिमलेश पासवान,अशोक यादव, राम लखन यादव, रिजवान खान, रामजनम सिंह, यमुना यादव, सचिन शर्मा, सुरेंद्र चौधरी, विनय सिंह यादव आदि सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल।

सड़क, पुल और पुलिया ही क्षेत्र के विकास का पैमाना है : डॉ मेहता

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी विस क्षेत्र के पदमा-मनातू चक मिसिंग लिंक पथ एवं लेस्लीगंज प्रखण्ड अंतर्गत बौरा खाड़ से अमवा खुर्द जोड़ने वाली पिरि नदी पर पुल निर्माण की निविदा निकल चुकी है प्रक्रिया पूर्ण होते ही शिलान्यास के साथ निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उक्त बातें विधायक डां शशिभूषण मेहता ने पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि पूर्व के जनप्रतिनिधि की अकर्मण्यता एवं उदासीनता के कारण वर्षों तक ये सड़क नही बन पाई। वो अटकाने-लटकाने और भटकाने की विद्या में पारंगत थे। जिसके कारण लोगों को काफी कठिनाई हुई और खामियाजा पांकी विधानसभा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ा। चक ब्रिज आधा अधूरा निर्माण कर छोड़ दिया गया। ब्रिज की जो अप्रोच रोड थी उसे पूरा करने की जरूरत है। उन्होंने जरूरी भी नहीं समझा क्योंकि मकसद सिर्फ एक था लूट, खसोट और जनता का दोहन। मैंने लगातार इस मुद्दे को हर स्तर व माध्यम से राज्य सरकार व संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा। दिशा की बैठक में भी इसे पुरजोर तरीके से उठाया और सांसद विष्णु दयाल राम ने भी डीसी को इस ओर सकारात्मक कदम उठाने की बात कही थी। आखिरकार प्रयासों की जीत हुई और परिणाम आप सबों के समक्ष है। विभाग व प्रशासन ने इस बात का भी भरोसा दिया है कि बहुत जल्द ही अप्रोच रोड हेतु कार्य को पूर्ण किया जाएगा। हम सिर्फ कहने में नहीं करने में विश्वास रखते है। उन्होंने कहा कि मेरे अथक प्रयास से इस सड़क के निर्माण को प्रशानिक स्वीकृति मिली है। पांकी विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित हूँ। पूर्व के लोगों की अकर्मण्यता के कारण हमारा विधानसभा काफी पिछड़ गया था लेकिन मैं दिन-रात मेहनत कर उसे आदर्श विधानसभा बनाने का प्रयास कर रहा हूँ।

पीपरा थाना परिसर में एएसआइ के विदाई समारोह का आयोजन

हरिहरगंज/पलामू(आजाद सिपाही)। पीपरा थाना परिसर में बुधवार को सहायक पुलिस अवर निरीक्षक सह लेखन कार्य कुशेश्वर सिंह के स्थानांतरण पर थाना प्रभारी सूरज चेल के अध्यक्षता में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।इस दौरान पुलिस अधिकारी के साथ क्षेत्र के कई जन प्रतिनिधि भी शामिल हुए।बता दें कि कुशेश्वर सिंह को पीपरा थाना से स्थानांतरण कर रेहला थाना में पदस्थापित किया गया है। मौके पर थाना प्रभारी सूरज चेल ने कहा कि पीपरा थाने के मुंशी कुशेश्वर सिंह बहुत ही खुले विचार के व्यक्ति है। इन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन किया।इस मौके पर पीपरा प्रमुख गुड्डू यादव, एसआइ अभय आनंद, जिला पार्षद ददन पासवान, उप प्रमुख पति उपेन्द्र कुमार यादव,मधुबाना मुखिया राजेश राजवंशी, पीपरा मुखिया पति रामासिश पासवान, बबलू सिंह, सुनील कुमार सिंह, जनेश्वर भुइंया, भगवती सिंह,भाजपा नेता संजय मेहता, कान्हा सिंह सहित कई मौजूद थे।

हरिहरगंज में प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता का आयोजन

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय स्थित सीता प्लस टू उच्च विद्यालय मैदान में बुधवार को प्रखंड स्तरीय खेलों झारखंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रखण्ड के चयनित सभी मध्य स्कूल, हाई स्कूल एवं प्लस टू स्कूल के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। खेलो झारखंड प्रतियोगिता के दौरान 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर रेल रेट समेत कई प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड स्तर पर बेहतर खेलने वाले टीम खिलाड़ियों का चयन प्रखंड चयन समिति के द्वारा किया गया। वही प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 100 मीटर की दौड़ में कक्षा 6 से 8 में प्रथम छात्र धीरज कुमार, छात्रा करिश्मा कुमारी, 200 मीटर की दौड़ में सोनू कुमार, छात्रा सोनी कुमारी, कक्षा 9 से 12 के 100 मीटर की दौड़ में छात्र आकाश कुमार, छात्रा रिंकी कुमारी ,200 मीटर के दौड़ में प्रथम आकाश कुमार ,छात्रा श्वेता कुमारी को प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राम नरेश राम और बीपीएम रेखा कुमारी ने संयुक्त रूप से मेडल देकर पुरस्कृत किया।मौके पर बीईओ राम नरेश राम ने बच्चों का सवार्गीण विकास के लिए खेलों का आयोजन अति आवश्यक बताते हुए प्रतिभागियों को शुभ कामना दी।इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन बीईओ एवं बीपीएम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।जबकि खेलों झारखण्ड प्रतियोगिता का संचालन खड़गपुर मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरिद्वार प्रसाद ने किया।मौके पर प्रधानाध्यापक नागेंद्र पांडे, संतोष गुप्ता, अभिलाषा कुमारी, शिक्षक अजय कुमार, रामसागर प्रसाद, कौशर आलम, पीयूष कुमार, बीआरपी सुनील कुमार, एमआईएस संतोष कुमार प्रजापति, चितरंजन कुमार गुप्ता, जमुना कुमार रवि, रिंकू कुमार, नितेश कुमार, विनय कुमार, अजीत कुमार, संजीव कुमार, रिंकू कुमारी, ममता कुमारी सहित विभिन्न विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिक्षक छात्र-छात्राएं शामिल थे।

केंद्रीय संचार ब्यूरो की तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन 24 नवंबर को

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। आजादी के अमृत महोत्सव, एक भारत - श्रेष्ठ भारत एवं संविधान दिवस के मौके पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, डालटनगंज, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा मेदिनीनगर शहर के गांधी स्मृति टॉउन हॉल में दिनांक 24 से 26 नवंबर तक तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य आम जनों में देश और राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करना, भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखना, सांस्कृतिक विरासत का आदान-प्रदान करना एवं संवैधानिक मूल्यों के बारे में आम लोगों को जागरूक करना है। इसकी जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पूर्वी जोन के महानिदेशक भूपेंद्र कैंथोला, रांची क्षेत्र के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा एवं क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी गौरव कुमार पुष्कर एवं पीआईबी रांची के कार्यालय प्रमुख ओंकार नाथ पांडेय ने दी। वे बुधवार को कार्यक्रम स्थल मेदिनीनगर शहर के गांधी स्मृति टाउन हॉल में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी का उद्घाटन पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम, विधायक आलोक चौरसिया, मेयर अरुणा शंकर, उप महापौर राकेश कुमार सिंह, पलामू प्रमंडल के आयुक्त जटा शंकर चौधरी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पूर्वी जोन के महानिदेशक भूपेंद्र कैंथोला, पलामू के उपायुक्त आंजनेयुलु डोड्डे, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रामलखन सिंह,सदर एसडीओ राजेश कुमार साह एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में प्रातः 11 बजे किया जाएगा।

संविधान सभा के सदस्य के वंशज होंगे सम्मानित

चित्र प्रदर्शनी के दौरान संविधान सभा के सदस्य रहे स्व. यदुवंश सहाय के पुत्र वृजनंदन सहाय उर्फ मोहन बाबू को सम्मानित किया जाएगा। समाज सेवी मोहन बाबू, स्व. सहाय के तीसरे पुत्र हैं जो वर्तमान में जेलहाता, डालटनगंज में रहते हैं। संविधान पर इनके पिता के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

24 को निकलेगी जागरूकता रैली

आम लोगों में देश की एकता और अखंडता को प्रचारित एवं प्रसारित करने तथा संविधान के मूल्यों को समझाने के लिए गिरिवर प्लस टू उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा 24 नवंबर को प्रातः 10 बजे से विद्यालय परिसर से जागरूकता रैली निकाली जाएगी।

चित्र प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण सेल्फी विथ पीएम एवं सेल्फी बूथ

प्रदर्शनी के दौरान गांधी स्मृति टॉउन हॉल के मुख्य गेट पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगाकर सेल्फी विथ पीएम लेने का मौका आम लोगों को मिलेगा। इसके साथ-साथ आजादी का अमृत महोत्सव एवं एक भारत - श्रेष्ठ भारत का संदेश लिखित सेल्फी बूथ में भी युवा सहित सभी आमजन सेल्फी ले सकेंगे।

संविधान निर्माण में पलामू की भूमिका पर विशेष पैनल्स

इस तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी में भारत के संविधान निर्माण समिति में पलामू जिले से सदस्य रहे स्व. यदुवंश सहाय उर्फ यदु बाबू एवं अमिय कुमार घोष उर्प गोपा बाबू के चित्रों के साथ-साथ उनका जीवन परिचय, स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान, गांधी जी के साथ आजादी के संग्राम में उनकी दुलर्भ तस्वीरें, संविधान पर किए गए हस्ताक्षर पर विशेष पैनल्स तैयार किए गए हैं।

पलामू के स्वतंत्रा सेनानी नीलांबर-पीतांबर की जीवनी

पलामू प्रमंडल के दो वीर सहोदर भाई और स्वतंत्रता सेनानी नीलांबर सिंह और पीतांबर सिंह की वीरता की कहानी भी इस प्रदर्शनी का आकर्षण होगी। गढ़वा जिले के भंडरिया प्रखंड के चेमो सनेया गांव से आनेवाले इन दोनों भाइयों ने सन 1857 की क्रांति के दौरान अंग्रेजों को न सिर्फ खुली चुनौती दी थी, बल्कि अनेकों बार उनके दांत खट्टे किये थे।

सीएम रोजगार सृजन योजना के तहत आसानी से दिया जा रहा है जिलेवासियों को लोन

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू डीसी आंजनेयुलू दोड्डे जिले के नागरिकों व युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने को लेकर सक्रिय हैं। आपके अधिकार,आपकी योजना,आपके सरकार कार्यक्रम के तहत लगाए गए शिविरों में डीसी जहां-जहां शामिल हुए उन सभी शिविरों में लोगों से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना का लाभ लेने व खुद को स्वरोजगार से जोड़ने की अपील की।

विभिन्न वर्गों के 256 लाभुकों के बीच 1 करोड़ 61 लाख 70 हजार ऋण का हुआ वितरण: मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत वित्त वर्ष 2021-22 एवं 22-23 में दिव्यांग वर्ग से 6 लाभुकों के खाते में 3 लाख रुपये भेजी गयी है। इस तरह पिछड़ा वर्ग से 64 लाभुकों के खाते में 55 लाख 70 हजार रुपये भेजी गयी है। वहीं अनुसूचित जनजाति के 36 लाभुकों का खाते में 22 लाख रुपये भेजी गयी है इसके अलावे अल्पसंख्यक समुदाय के 16 लाभुकों के खाते में 8 लाख रुपए की राशि भेजी गयी है। इसी क्रम में अनुसूचित जाति के 134 लाभुकों के खाते में 73 लाख रुपये की राशि भेजी गयी है। यह पहली किस्त की राशि है जिला से दूसरे किस्त की राशि की भी मांग की गयी है।

डीसी ने जिले के युवाओं से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना का लाभ उठाने की अपील की : डीसी ने जिले के युवाओं से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिले के ऐसे बेरोजगार युवक-यूतियां जिनकी उम्र 18-50 के बीच हो सरकार उनको बिना गारंटर के 1 लाख तक रुपये का लोन दे रही है जिससे वो खुद के लिये रोजगार का सृजन कर सकेंगे। उपायुक्त ने कहा कि जिले के ऐसे बेरोजगार युवक-यूतियां जो अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं उन सभी के लिये यह सुनहरा मौका है। उपायुक्त ने कहा कि ऋण से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला कल्याण कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि कल्याण विभाग की ओर से बेरोजगार युवक-युवतियों को बीच 25 लाख रुपये तक का लोन दिया जाता है जिसमें 40 फीसदी सब्सिडी भी दी जाती है।

सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर सड़क पर उतरे एसडीओ

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण ने बुधवार को जेपी चौक के समीप सड़क पर लगे बेतरतीब वाहन चालकों को जमकर फटकार लगाई।साथ ही एसडीओ ने अतिक्रमण कर सड़क पर वाहन लगाने व पथ विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी। साथ ही, गाड़ी चालकों एवं दुकानदारों को हिदायत देते हुए कहा कि अतिशीघ्र सड़क को अतिक्रमण मुक्त करें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें। विदित हो कि हुसैनाबाद प्रशासन शहर में विधि व्यवस्था बनाने रखने के लिए सजग है, वहीं प्रशासन के बार-बार समझाने के बावजूद ऑटो चालको एवं पथ विक्रेताओं के द्वारा सड़क पर अतिक्रमण कर आवागमन में बाधा पहुंचाने का कार्य किया जाता रहा है, इसी के मद्देनजर स्थानीय व्यवसायियों एवं आम लोगों की शिकायत पर अनुमंडल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायण सड़क पर उतरकर अतिक्रमणकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि वे सड़क को अतिक्रमण मुक्त रखें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

आदर्श आचार संहिता मामले में पाकी के विधायक पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता लाल सूरज बरी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। आदर्श आचार संहिता के एक मामले में पाकी विधायक डां शशिभूषण मेहता, पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार सिंह एवं भाजपा नेता लाल सूरज को स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट सतीश कुमार मुंडा की अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। इस मामले में लेस्लीगंज के तत्कालीन बीडीओ रविंद्र कुमार ने लेस्लीगंज थाना में उपरोक्त तीनों लोगों के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के अंतर्गत बिना अनुमति का पार्टी कार्यालय संचालन करने को ले नामजद प्राथमिकी लेस्लीगंज थाना कांड संख्या 25/ 2016 5 मई 2016 को दर्ज कराया था। उपरोक्त लोगों पर आरोप था कि पार्टी कार्यालय बिना अनुमति के खोला गया था जो आचार संहिता का उल्लंघन है। पांच मई 2016 को 8:00 बजे पूर्वाह्न जांच के क्रम में पाया गया था कि बिना अनुमति के पार्टी कार्यालय खोला गया था। इस मामले में अदालत में अभियोजन की ओर से 11 गवाहों की गवाही कराई गई थी। परंतु अभियोजन मुकदमे को साबित करने में असफल रहे। अदालत ने साक्ष्य के अभाव में डां शशिभूषण मेहता, लाल सूरज एवं देवेंद्र कुमार सिंह को रिहा किया गया।

राष्ट्रीय परशुराम सेना के प्रमंडलीय कमिटी का हुआ विस्तार

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के प्रमंडलीय कमेटी का बुधवार को विस्तार किया गया।इस संबंध में प्रमंडलीय प्रभारी पंडित चंदन तिवारी ने प्रदेश अध्यक्ष सोनू मिश्रा को कमेटी की सूची भेजी थी जिसे बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष ने अनुमति प्रदान की।इस संबंध में प्रमंडलीय प्रभारी ने बताया कि कमेटी मे सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व हो इसका ख्याल रखा गया है।कमेटी में बिटटू पाठक, कृष्णकांत चौबे (जामूडीह), ब्रजेश उपाध्याय, अमीत तिवारी, संतोष दूबे(गढ़वा), धिरेन्द्र चौबे(नगरवंशीधर), विवेकात्रिपाठी(लहलहे), शैलेश पांडेय,भाष्कर दूबे, रमेश शुक्ला(पलामू),कमलेश शुक्ला(लातेहार),बृजेश शुक्ला(पाटन), किशोर दूबे(बरिगांवा), वीएम पांडेय(बसना), श्यामाकांत तिवारी(बारालोटा), यूएस चौबे(भवनाथपुर), राजीव रंजन उपाध्याय (किशुनपुर),प्रवीण मिश्रा(अमवा), राकेश पांडेय (गढ़वा), कौशल शुक्ला, तुलसी शुक्ला(सिंगरा), बिकेश शुक्ला(रांकी, लातेहार), दिवाकर दूबे (चैनपुर),अजय शुक्ला(लेस्लीगंज) पुलस्त तिवारी(गढ़वा)को प्रमंडलीय संरक्षक बनाया गया है,वहीं काराकाट बंदूआ निवासी पंडित ललालू पांडेय को प्रमंडलीय अध्यक्ष के रुप में मनोनयन किया गया है।जबकि ब्रजेश तिवारी(लहलहे),संजीत तिवारी(गढ़वा),जितेंद्र दूबे(दूरीला),नीलेश पंडित (उचरी),चंद्रकांत उपाध्याय(चेतमा) आशीष तिवारी(रेड़मा)व छोटू त्रिपाठी को उपाध्यक्ष बनाया गया है वहीं रमकंडा गढ़वा निवासी राजीव रंजन पांडेय(बबल पांडेय)को महासचिव के रुप में मनोनयन किया गया है।जबकि सचिव के रुप में मनु दूबे (पुर्वडीहा),मनीष तिवारी (कुमारगढ़),मनोज ओझा,अनंत मिश्रा,रितेश पाठक का मनोनयन किया गया है।कोषाध्यक्ष के रुप में वेद प्रकाश तिवारी(ओरनार)और प्रवक्ता सह मिडिया प्रभारी के रुप में दीपक तिवारी अर्थव का मनोनयन किया गया है जबकि संगठन मंत्री के रुप में फोटू दूबे पूर्वडीहा का मनोनयन किया गया है।

स्पोर्ट्स

यू मुंबा के खिलाफ जीत हमारे प्लेऑफ की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण थी: आशान कुमार

फीफा विश्व कप: ऑस्ट्रेलिया पर मिली जीत के बाद फ्रांस के कोच ने कहा-हमने अच्छी शुरूआत की

अल वकरा। फीफा विश्व कप 2022 के ओपनर में ऑस्ट्रेलिया पर अपनी टीम की जीत के बाद, मौजूदा चैंपियन फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि हालांकि उनकी टीम ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को गोल करने से रोकना चाहिए था। ओलिवियर गिरौद के दो और एड्रियन रैबियोट व कियान म्बाप्पे के एक-एक गोल की बदौलत मौजूदा चैंपियन फ्रांस ने कतर के अल जानूब स्टेडियम में चल रहे फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप डी मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 4-1 से जीत दर्ज की। डेसचैम्प्स ने यह भी कहा कि फ्रांस ने दूसरे हाफ में अधिक आत्मविश्वास दिखाया। स्काई स्पोर्ट्स ने डेसचैम्प्स के हवाले से कहा, हमने पहले मिनट में मैच की अच्छी शुरूआत की, हम अच्छे दिखे और अच्छी तरह से जुड़े हुए थे। हमने ऑस्ट्रेलिया को 1 गोल करने दिया, जिससे हमें बचना चाहिए था। दूसरे हाफ में, हमने बहुत अधिक आत्मविश्वास दिखाया और ऑस्ट्रेलिया को बैकफुट पर ला दिया और तब हमने बहुत सारे मौके बनाए और चार गोल किए, जो अच्छा है। उन्होंने कहा, यह टूर्नामेंट के लिए एक अच्छी शुरूआत है। पहला मैच हमेशा महत्वपूर्ण होता है। मैं टीम और खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूं। हमने पहले कुछ ऐसे मैच देखे हैं जहां टीमें प्रतिक्रिया नहीं दे सकती थीं, लेकिन हमने किया, हमने मैच में पिछड़ने के बावजूद जीत हासिल की। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया खिलाड़ी क्रेग गुडविन ने मैच के पहले 10 मिनट में ही गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया था और पहले हॉफ की समाप्ती तक अपनी इस बढ़त को बरकरार रखा था, लेकिन इसके बाद फ्रांस ने दूसरे हॉफ में पलटवार करते हुए 4 गोल किये और मैच अपने नाम किया।

जनआक्रोश रैली भाजपा की नौटंकी : ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा द्वारा निकाली गई जन आक्रोश रैली नौटंकी एवं लोगों को दिग्भ्रमित करने वाला कार्यक्रम है। जबकि भाजपा को जनआक्रोश रैली बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, काला धन और केंद्र सरकार की विफलता के विरुद्ध निकालने चाहिए। झारखंड में हेमंत सरकार का तीन साल का कार्यकाल काफी सराहनीय व उल्लेखनीय रहा है। सरकार ने पेंशन योजना, रिक्त पदों पर सरकारी नौकरी, आदिवासियों, अल्पसंख्कों एवं पिछड़ी जातियों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा है। हेमंत सरकार के प्रति लोगों का विश्वास जगा है और राज्य में महागठबंधन की सरकार बेहतर कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद भाजपायों द्वारा हेमंत सरकार का विरोध किया जाना हास्यास्पद एवं नौटंकीपूर्ण है। इस तरह की नौटंकी भरे रैली के लिए भाजपा नेताओं को भाड़े के लोगों को लाने के लिए ड्यूटी पर लगाया गया था इसके बावजूद भाजपा नेता भीड़ लाने में असफल रहे और भाजपा की यह रैली विफल रही। भाजपा की इस तरह की नौटंकी भरी रैली सफल नहीं होगी। भाजपा को अगर लोगों के प्रति सहानुभूति है, तो वे लोग देश में व्याप्त बेहताशा महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कालाधन के विरूद्ध रैली पूरे देश में निकालनी चाहिए। इस तरह का दिखावे व नोटंकी बंद होने चाहिए।

भाजपा की जनाक्रोश रैली में गरजे पूर्व मुख्यमंत्री, हेमंत सरकार पर लगाया तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप

जब तक हेमंत सरकार को उखाड़ नहीं फेकेंगें, चुप नहीं बैठेंगे: रघुवर

धनबाद, बाघमारा, सिंदरी विधायकों के अलावा उनकी पत्नियां व भारी संख्या में कार्यकर्ता हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बुधवार को भाजपा की ओर से जनाक्रोश रैली निकालकर जिला मुख्यालय पर हेमंत हटाओ झारखंड बचाव नारे के साथ जोरदार प्रदर्शन किया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास व प्रदेश उपाध्यक्ष सह मांडू के विधायक जय प्रकाश भाई पटेल शामिल हुए। इस दौरान रणधीर वर्मा चौक स्थित धरनास्थल पर बने मंच से रघुवर दास हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर गरजे। साथ ही इशारों ही इशारों में हेमंत सरकार को खूब खरी खोटी सुनाई। कहा कि इस सरकार में पूरे राज्य में खनिज संपदा की लूट मची है। लूट में शामिल सभी लोग जल्द ही होटवार जेल में होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त है। जब तक हेमंत सरकार को हम लोग उखाड़ कर फेंक नहीं देते तब तक कोई भी भाजपाई चुप नहीं बैठेगा। रघुवर दास के पूरे संबोधन का केंद्र मुख्यमंत्री के आसपास ही घूमता दिखता। पूर्व मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। कहा कि वोट बैंक के खातिर अल्पसंख्यक टैट पास शिक्षकों को स्थायी किया जा रहा है, जबकि बहुसंख्यक टैट पास अभ्यर्थियों को न तो कहीं नियुक्ति दी और न ही उन्हें स्थायी किया गया। इस मौके पर मांडू विधायक जय प्रकाश भाई पटेल, विधायक राज सिन्हा, निवर्तमान मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, विधायक ढुल्लू महतो व उनकी पत्नी सावत्री देवी, विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी, झरिया विधानसभा भाजपा नेत्री रागिनी सिंह, महानगर अध्यक्ष चंद्रशेखर शेखर सिंह, संजय झा, मानस प्रसून, मिल्टन पार्थसारथी, रूपेश सिन्हा, मुकेश सिंह, योगेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

भाजपा की जनाक्रोश रैली को संबोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास।

छापामारी में एक दर्जन साइकिल और बाइक जब्त, आठ गिरफ्तार

कतरास/महुदा (आजाद सिपाही)। बाघमारा पुलिस अनुमंडल में अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए बाघमारा डीएसपी निशा मुर्मू बुधवार अहले सुबह से ही छापामारी कर रही है। इसी कड़ी में कतरास थाना क्षेत्र के राहुल चौक के समीप अवैध कोयला ढुलाई कर रहे एक दर्जन बाइक व साइकिल जब्त की गई। साथ ही कोयला तस्करी कर रहे आठ लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर कई इलाकों में अवैध खनन चरम पर जारी है। सूत्रों की मानें तो आज भी बाघमारा पुलिस अनुमंडल के अंगरपथरा ओपी क्षेत्र के कई इलाकों में कोयले का अवैध खनन चल रहा है। इस पर बाघमारा डीएसपी छापामारी न कर साइकिल और बाइक से कोयला ढोने वाले पर कार्रवाई कर रही है। **बीसीसीएल, सीआइएसएफ और पुलिस ने कराई अवैध माइंस की भराई :** दूसरी ओर सीआइएसएफ, बीसीसीएल प्रबंधन एवं अंगारपथरा ओपी पुलिस ने संयुक्त रूप से क्षेत्र के कांटा पहाड़ी एवं अंगारपथरा के बंद परियोजना में चल रहे अवैध माइंस कि भराई कराई है। जिससे अवैध कारोबारी के बीच हड़कंप मच गया। बाघमारा डीएसपी के निर्देश पर तेतुलमारी पुलिस ने एक युवक को कोयला चोरी के आरोप में मामला दर्ज कर न्यायालय को सौंप दिया है। ओपी प्रभारी कृष्णा कुमार ने बताया कि बीसीसीएल के सहयोग से अवैध माइंस की भराई की जा रही है। अंगारपथरा ओपी क्षेत्र में अवैध कारोबार नहीं चलने दिया जाएगा। इस मौके पर सचिन कुमार सिंह, एसके तिवारी और कृष्णा कुमार आदि उपस्थित थे।

लोक लुभावन घोषणाएं कर भ्रष्टाचार के मुद्दे से ध्यान भटकाना चाह रही हेमंत सरकार : बिरंची

- केंद्र की हितकारी योजनाओं को बंद कर झारखंड की जनता के साथ धोखा कर रही हेमंत सोरेन सरकार : रविंद्र राय

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। हेमंत सरकार हटाओ झारखंड बचाओ जनाक्रोश आंदोलन के तहत बोकारो जिला भाजपा जिला अध्यक्ष भरत यादव के नेतृत्व में बुधवार को जिला मुख्यालय के समक्ष जनाक्रोश प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के प्रभारी के रूप में पूर्व सांसद व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय भी मौजूद थे। बोकारो हवाई अड्डा से चलकर जिला मुख्यालय तक पैदल मार्च निकालने के बाद सभी की की घई। पूर्व सांसद रविंद्र राय ने कहा कि जब से हेमंत सरकार सत्ता में काबित हुई है तब से किसान विरोधी गतिविधिया हो रही हैं। पूर्व की रघुवर दास सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रति एकड़ 6000 रुपये दिया जाता था, जिसे वर्तमान सरकार ने बंद कर दिया। सरकार के इस फैसले से किसानों में काफी नाराजगी है। हेमंत सोरेन सरकार न किसान हित, न ही महिला हित, न ही युवा हित मे कार्य कर रही। यह सरकार सिर्फ लूट, हत्या और अवैध खनन को अंजाम देने के लिए बनी है। वहीं, बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार भ्रष्टाचार के आकंठ में डूब चूकी है। एक सशक्त विपक्ष के नाते भाजपा हेमंत सरकार को समय-समय पर आगाह करती रही है। लेकिन आम जनता के प्रति दायित्व को समझने के बजाय हेमंत सरकार चोरी और सीना जोरी कर रही है। झूठा वादा कर सत्तालोलुप हेमंत सरकार भ्रष्टाचार में खुद को घिरता देख लोक लुभवना घोषणाएं कर रही है। ताकि झारखंड वासियों का ध्यान भ्रष्टाचार से भटका सके और सहानुभूति बटोर सके। लेकिन किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जायेगा। वहीं, चंदनकियारी के विधायक अमर बाउरी ने कहा कि बोकारो जिला के तीन प्रखंड चास, चंदनकियारी व चंद्रपुरा को सूखा प्रभावित क्षेत्र घोषित की सूची से बाहर करना कहीं न कहीं राजनैतिक द्वेष नजर आ रहा है। राज्य के मुखिया को लगता है कि इन क्षेत्रों में कृषक नहीं रहते। जब तक तीनों प्रखंड को सुखा ग्रसित घोषित नहीं किया जाता तब तक भाजपा बोकारो जिला जनांदोलन करता रहेगा। जनाक्रोश आंदोलन में पूर्व मंत्री छत्रुराम महतो, योगेश्वर महतो बाटुल, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रह्लाद वर्णवाल, रोहितलाल सिंह, प्रह्लाद महतो, जगरनाथ राम, विनोद महतो, मुकुल ओझा, दिलीप श्रीवास्तव, कमलेश राय, अनिल स्वर्णकार, लीला देवी, संजय त्यागी, जयदेव राय, सुभाष महतो, जयनारायण मरांडी, अशोक कुमार पप्पू, इंद्र कुमार झा, माथुर मंडल, महेंद्र राय, अतानु, कुमार प्रमोद, ऋतुरानी सिंह, अर्चना सिंह, गिरिजा देवी, विनोद महतो, चितरंजन साहू, फटिक दास, रामलाल सोरेन, तारा साह, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, पन्नालाल कांन्दू आदि मौजूद थे।

जनाक्रोश रैली निकाल कर हमंत सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते भाजपाई।

जरूरतमंद लोगों को मिले प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ : जिप उपाध्यक्ष

कसमार/बेरमो (आजाद सिपाही)। कसमार प्रखंड प्रशासन की ओर से आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों का गृह प्रवेश पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत खैराचातर निवासी पूर्णिमा देवी पति प्रकाश चंद डे, सुधा देवी पति विश्वनाथ डे एवं उदयमारा निवासी दीपाली डे पति विमल डे को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गृह प्रवेश कराया गया। बोकारो जिला परिषद उपाध्यक्ष बबीता कुमारी, मुखिया विजय जायसवाल, पंचायत सेवक हरेंद्र कुमार, स्वयं सेवक विवेक ठाकुर आदि उपस्थित थे। बबीता कुमारी ने कहा कि जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिले यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। जनता की सुख सुविधा के लिए विकास के प्रयास में लगी हूं।

सीआइएसएफ की गोली से मारे गये कोयला तस्करों के परिजनों से मिलने पहुंचे विधायक

अवैध कोयला खरीदने और स्टॉक करने वालों पर नहीं होती पुलिस की कार्रवाई: विनोद सिंह

कहा- बीसीसीएल व आउटसोर्सिंग कंपनी मृतकों को दे 25-25 लाख का मुआवजा

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास/महुदा। कोयले की अवैध आपूर्ति और स्टॉक करने वालों पर कभी भी किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होती है, बल्कि इनके माध्यम बनने वाले गरीब मजदूर और बेरोजगार युवा ही पुलिस प्रशासन के कोप भाजन बनते हैं। जबकि बीसीसीएल, सीआइएसएफ, पुलिस और सरकार की सहमति के बिना ये सब संभव नहीं। उक्त बातें बगोदर विधायक विनोद सिंह ने कही। वे बुधवार को बेनीडीह साइडिंग में सीआइएसएफ की गोलियों से मारे गए कोयला तस्कर युवकों के परिजनों से मुलाकात के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इससे भी बड़े मॉब में भी लाठी चार्ज कर भीड़ को तीतर बितर किया जाता है, लेकिन बेनीडीह में तो जान से मारने के उद्देश्य से ही सीआइएसएफ द्वारा फायरिंग किया गया। इस मामले में केवल गोली चालन नहीं, बल्कि हरेक पहलुओं की जांच होनी चाहिए। झारखंड सरकार द्वारा पारित 75 फीसदी स्थानीय को रोजगार का कानून केवल कागजों तक ही सीमित है। मूलवासी, स्थानीय लोग विस्थापन का उत्पीड़न झेल रहे है। बीसीसीएल ब्लॉक टू क्षेत्र अंतर्गत संचालित आउटसोर्सिंग प्रबंधन रोजगार देती तो ये घटना नहीं हुई होती। आयोग गठित कर मामले की जांच सही रूप से हो और बीसीसीएल व आउटसोर्सिंग प्रबंधन मृतक के परिजनो को 25 लाख रुपए मुआवजा दे।

मृतक के परिजनों से बातें करते अरूप चटर्जी और विधायक विनोद सिंह।

बाघमारा की बात ही निराली है : अरूप चटर्जी

वहीं, निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने मृतक के परिजनों से मुलाकात के बाद कहा कि बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में जितने भी आउटसोर्सिंग कंपनियां है किसी में भी स्थानीय लोगों को रोकजाग नहीं दिया जाता, बल्कि बाहरी लोगों को रखा गया है। कंपनी अगर स्थानीय लोगों का लिस्ट दिखाती है तो उतने लोगों का पैसा जोड़कर संबंधित नेता के पास चला जाता है। दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में नियम के तहत स्थानीयता को प्राथमिकता दिया जाता है। लेकिन बाघमारा क्षेत्र की बात ही निराली है।

इस एसएसपी के कार्यकाल में सबसे अधिक कोयला चोरी और अवैध उत्खनन हो रहा है। इस दौरान बगोदर विधायक और अरूप चटर्जी ने बाघमारा थाना क्षेत्र के तीनों मृतक के परिजन और घायलों के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढ़स बंधाया। न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर बलदेव वर्मा, नकुल महतो, देवानंद राजभर, कुलदीप प्रसाद महतो, प्रताप बरनवाल, दिलीप नोनिया, धनंजय महतो और साधन प्रमाणिक आदि उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय, रामगढ़

भर्त्ती कैम्प (Placement Drive) दिनांक 26 नवम्बर 2022

सूचना

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में जिला नियोजनालय, रामगढ़ के द्वारा गोला पॉलटेक्निक कॉलेज, रामगढ़ परिसर में दिनांक 26 नवम्बर 2022 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे तक भर्त्ती कैम्प (Placement Drive) का आयोजन किया जाना है। जिसमें निजी क्षेत्र के निम्नलिखित प्रतिष्ठान ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है, तथा उनसे प्राप्त रिक्तियाँ निम्नलिखित है :–

Sl No	Date	Name & Address of the Employer	Post	No of Vacancies	Qualification	Age	Salary	Remarks
1.	26.11.2022	2050 Health Care, Ranchi	Nursing Staff	30	GDA/GNM/ ANM/B.Sc Nursing	18 to 26 Years	8400 - 11800/-	--
2.		Tata Motors (Uttarakhand/ Gujrat)	Diploma in Automobile Manufacturing (OJT)	100	12th Pass/ITI	18 o 23 Years	11624/-	Learn & Earn Program (NTTF)
3.		Micro Turner's II (Baddi, H.P.)	Trainee	20	12th Pass	18 o 25 Years	10500/-	Attendance Reward 700/-
4.		Micro Turner's VI (Baddi, H.P.)	Trainee	20	12th Pass	18 o 25 Years	10500/-	Attendance Reward 1200/-
5.		Okaya Power Ltd. (Baddi, H.P.)	Trainee	30	12th Pass/ITI (Elec.)	18 to 30 Years	10500/-	---
6.		Hero Motors (Ludhiana, Punjab)	Trainee	30	12th Pass/ITI (Elec.)	18 to 30 Years	9908/-	---
7.		Fujikawa (Baddi, H.P.)	Trainee	50	10/12th Pass/ITI	18 to 30 Years	11000/-	---

योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा https://rojgar.jharkhand.gov.in/ पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त भर्त्ती कैम्प में नियोजक/नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों की एक छाया प्रति तथा बायोडाटा (02 कॉपी), दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो। जो उम्मीदवार पूर्व में निबंधित है, उन्हे पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है। चूँकि रिक्ति निजी क्षेत्र की है, अतः चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होगा। कोविड–19 हेतु निर्गत दिशा निर्देशों/SOP का दृढता पूर्वक अनुपालन किया जाना आवश्यक है।

जिला नियोजन–सह–कौशल पदाधिकारी
रामगढ़

PR 283200 (Labour Employment and Traning) 22-23 (D)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड,राँची
कार्यालय- भूमि संरक्षण पदाधिकारी, कोडरमा
E-Mail ID–scochatra@gmail.com

आम सूचना

राज्य योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022–23 में **कोडरमा** जिले के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/लैम्प्स/पैक्स को योजना लागत रूपये 6.25 लाख का 80% (अधिकतम रू० 5.00 लाख) अनुदान पर छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना हेतु **मिनी ट्रैक्टर, पावर टीलर, सहायक कृषि यंत्र, राईस ट्रांसप्लांटर एवं कृषि प्रसंस्करण यंत्रों** को उपलब्ध कराने हेतु महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/लैम्प्स/पैक्स द्वारा आवेदन आमंत्रित किया जाता है तथा व्यक्तिगत कृषकों के लिए योजना लागत रू० 2.00 लाख का 80% (अधिकतम रू० 1.60 लाख) अनुदान पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने हेतु कृषकों द्वारा आवेदन आमंत्रित किया जाता है। कृषि उपकरणों का विवरण, लागत तथा देय अनुदान निम्नवत् है –

S. No.	Detail of Agri. Machine	Total Package cost for group (Rs. in lakhs)	Maximum Subsidy for groups (80%) (Rs. in lakhs)	Target
1	Mini Tractor (12.0-22.50 PS max PTO) Approved model tested by FMTTI as in GoI Letter with standard Tool Kit, Seat, Hitch, Hood, Drawbar Attachment, Insurance, Registration, GPS Attachment etc.	6.25	5.00	कृषक समूह पैकेज का भौतिक लक्ष्य कोडरमा ओ०एस०पी० – 12
2	Power Tiller (8.5-15.5 Max horse power-ps) Approved model tested by FMTTI as in GoI Letter with standard Tool Kit, Rotary, Seat Attachment, Battery in case of Self Start, Universal mounting Frame.			
3	Self Propelled Rice Transplanter			
4	Self Propelled Reaper			
5	Rice Huller with Polisher			
6	Mini Rice Mill			
7	Mini Tractor Compatible – Rotavator (2.5-4.0 ft)			
8	Mini Tractor Compatible Cultivator (5-7 tynes)			कृषक पैकेज का भौतिक लक्ष्य एवं वित्तीय कोडरमा ओ०एस०पी० – 12 राशि लाख में वित्तीय राशि– 2.00 अनुदान राशि –1.60
9	Mini Tractor Compatible Disc Horrow (8-10)			
10	Mini Tractor Compatible Seed cum Fertilizer Drill			
11	Mini Tractor Compatible Paddy Thresher			
12	Mini Tractor Compatible Wheat Thresher			
13	Mini Tractor Compatible Cage Wheel			
14	Mini Tractor Compatible Universal Mounting Frame			
15	Post Harvest Equipments – Four Mill, Mini Dal Mill, Oil Expeller			
16	Alternator 10-15 Kw			
17	Centrifugal Pumps with Suction Pipe 5-8 Kw Compatible Power Source			
18	63mm/75mm HDPE Pipe Maximum upto 500 Feet (BIS Certification)			

लाभुक का चयन की पात्रता:–

1. झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी, जिला–कोडरमा द्वारा गठित महिला स्वंय सहायता समूह/महिला सखी मंडल/कृषक समूह जिनमें कम–से–कम 10 से 12 सदस्य होना अनिवार्य है।
2. छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना में वैसे महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल एवं कृषक समूहों को प्राथमिकता दी जायेगी, जिनके सदस्यों में से कम–से–कम एक सदस्य के पास ट्रैक्टर/वाहन (LMV) चालन का वैध लाइसेंस होगा एवं समूह के पास खेती योग्य 10 एकड़ से अधिक भूमि होगी।
3. महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/लैम्पस–पैक्स के द्वारा कृषि उपकरण बैंक की स्थापना एवं व्यक्तिगत कृषकों द्वारा कृषि उपकरणों के क्रय हेतु कुल वास्तविक लागत का 20 प्रतिशत अंशदान की राशि समूह/कृषक द्वारा बैंक खाते में जमा होने का साक्ष्य आवेदन के साथ देंगें। चयन उपरांत समूह को कृषि यंत्र के क्रय हेतु यंत्रों का पैकेज उपलब्ध कराना होगा।
4. इस योजनान्तर्गत कुल वित्तीय लक्ष्य का न्यूनतम 50 प्रतिशत महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल क्षेत्र के माननीय विधायक की अनुशंसा को प्राथमिकता देते हुए स्वीकृत किया जायेगा।
5. जिन महिला स्वयं सहायता समूहों/महिला सखी मंडल/कृषक समूहों/लैम्पस–पैक्स को पूर्व में कृषि विभाग द्वारा कृषि उपकरण बैंक की स्थापना या अन्य किसी योजना (केन्द्र प्रायोजित योजना या राज्य योजना) के माध्यम से उपर्युक्त वर्णित कृषि यंत्रों में से जो कृषि यंत्र पूर्व में प्राप्त किया गया होगा, उन यंत्रों को छोड़कर ही अन्य कृषि यंत्रों के लिए पात्रता होगी।
6. समूहों का पूर्ण रूपेण भरे हुए आवेदन पत्र एवं सभी अनुलग्नक सहित दिनांक 05.12.2022 तक जिला प्रोग्राम मैनेजर, झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, कोडरमा के माध्यम से कार्यालय को उपलब्ध कराया जा सकता है। जिला चयन समिति द्वारा सुयोग्य समूह/कृषकों का भौतिक लक्ष्य के विरूद्ध चयन किया जायेगा।
7. देय अनुदान की राशि का हस्तांतरण RTGS के माध्यम से नियमानुसार समूह/कृषक के बैंक खाते में किया जायेगा। कुल औसत लागत का 80 प्रतिशत् अधिकतम 5.00 लाख रूपये अनुदान एवं व्यक्तिगत कृषक को कुल औसत लागत का 80 प्रतिशत् अधिकतम 1.60 लाख रूपये अनुदान देय है। अनुदान उपरांत अवशेष राशि समूह/कृषक अंशदान के रूप में देय होगा।
8. आवेदन पत्र भूमि संरक्षण कार्यालय कोडरमा एवं जिला प्रोग्राम मैनेजर, झारखण्ड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी (JSLPS) कार्यालय कोडरमा के माध्यम से निशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

PR 283131 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(22-23).D

भूमि संरक्षण पदाधिकारी,
कोडरमा

मप्र की कांग्रेस नेता ने खटखटाया अदालत का दरवाजा

आरक्षण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर

आजाद सिपाही संवाददाता

भोपाल। सोमवार को एहर कोटे पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया था। अब उस निर्णय को लेकर मप्र के एक कांग्रेस नेता ने सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की है। मध्य प्रदेश कांग्रेस की एक नेता ने इडब्ल्यूएस को लेकर सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की है। इसमें उन्होंने इडब्ल्यूएस मुद्दों पर केंद्र के फैसले को बरकरार रखने के फैसले की खिलाफत की है। बता दें कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को मिलने वाले एहर कोटे पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम फैसला सुनाया था। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने

3:2 के बहुमत से संविधान के 103वें संशोधन अधिनियम की वैधता को बरकरार रखा है, जो शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में 10% इडब्ल्यूएस आरक्षण प्रदान करता है। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस जेबी पारदीवाला ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर सहमति जतायी है। तीनों जजों का मानना है कि यह आरक्षण संविधान का उल्लंघन नहीं करता है। तीनों जजों ने यह भी माना कि इडब्ल्यूएस आरक्षण 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन नहीं करता है। वहीं सीजेआई जस्टिस यूयू ललित व जस्टिस रवींद्र भट ने इस पर असहमति जाहिर की थी। अब इस निर्णय पर समीक्षा याचिका लगायी गई है। मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता डॉ. जया ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर की, जिसमें 103वें संशोधन इडब्ल्यूएस आरक्षण की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया था।

कांग्रेस नेता उदित राज ने भी किया था विरोध

फैसला आने के बाद कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा था कि वे इडब्ल्यूएस आरक्षण का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि सुप्रीम कोर्ट की उच्च जाति समर्थक मानसिकता का विरोध कर रहे हैं। जब अजा-जजा को आरक्षण की बात आती है तो वह इंदिरा साहनी मामले की दुहाई देकर अजा-जजा-ओबीसी को 50 फीसदी आरक्षण की सीमा का हवाला दिया जाता है। आज संविधान का हवाला देकर कहा जा रहा है कि नहीं, आरक्षण की कोई सीमा नहीं है।

तत्काल सौंपी गयी पीड़ितों के परिजनों को अनुग्रह राशि

महाप्रबंधक ने घटनास्थल पर मरम्मत कार्य की स्वयं की निगरानी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सोमवार की सुबह मालगाड़ी के पटरी से उतरने से क्षतिग्रस्त हुई कोरई की प्रभावित रेल लाइन को युद्ध स्तर पर लगातार एवं त्वरित प्रयास से पूर्व तट रेलवे द्वारा केवल 16 घंटे के भीतर बहाल कर दिया गया। पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक रूप नारायण सुनकर ने स्वयं दुर्घटना स्थल पर उपस्थित रह कर मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर खोरधा रोड रेलवे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सहित पूर्व तट रेलवे के विभिन्न विभाग के प्रमुख मरम्मत कार्य की निगरानी के लिए दुर्घटना स्थल पर थे। मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के कारण, हावड़ा-चेन्नई मुख्य लाइन में भद्रक-कपिलास रोड रेलवे सेक्शन में कोरई स्टेशन पर दोनों लाइनें अवरुद्ध हो गई थीं। इसके तुरंत बाद दुर्घटना राहत ट्रेन और दुर्घटना राहत चिकित्सा दलों को बहाली के काम में लगाया गया। रेलकर्मियों के लगातार प्रयासों से प्रभावित वैगनों को शाम करीब 5.35 बजे ट्रैक से हटा दिया गया। और देर शाम डाउन लाइन में ट्रैक फिट दिया गया और दोनों ट्रैक आधी रात से पहले ट्रेन यातायात के लिए फिट किये गये। इसके साथ ही ओवर हेड इक्विपमेंट्स (ओएचइ) वर्क्स के लिए बहाली का काम किया गया। जीर्णोद्धार कार्य में, रेलवे मशीनरी के साथ-साथ भारी क्षमता वाले क्रेन, कटर और कार्यबल का उपयोग किया गया।

5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि भी तत्काल प्रदान की

इसके अलावा महाप्रबंधक सुनकर ने घटना में मरने वाले व्यक्ति के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि भी तत्काल प्रदान की। घायलों को अनुग्रह राशि भी सौंपी गई। रेल मंत्री ने इस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया था और तत्काल अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। मृतक के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल होने पर एक-एक लाख रुपये और मामूली रूप से घायल होने पर 25 हजार रुपये की राशि प्रभावितों को तत्काल प्रदान की गई।

पूर्व तट रेलवे ने केवल 16 घंटों में क्षतिग्रस्त रेलवे ट्रैक के साथ अन्य बुनियादी ढांचे का पुनः कार्यक्षम कर दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। कोरई में प्रभावित रेल लाइन, जो सोमवार को सुबह मालगाड़ी के पटरी से उतरने से क्षतिग्रस्त हो गई थी, उन्होंको लगातार प्रयास और युद्ध स्तर पर पूर्व तट रेलवे द्वारा किये गये त्वरित बहाली कार्य के कारण केवल 16 घंटे के भीतर मरम्मत की गई है। पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक रूप नारायण सुनकर स्वयं मरम्मत कार्य की निगरानी के लिए खुर्दा रोड रेलवे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सहित पूर्व रेलवे के विभागों के अन्य प्रधान प्रमुखों के साथ दुर्घटनास्थल पर थे। पुनरुधार कार्य के दौरान महाप्रबंधक के साथ रेलवे के मुख्य मंडल प्रमुख और खुर्दा रोड रेलवे जोन के मंडल रेल प्रबंधक मौजूद रहे और कार्य का निरीक्षण किया। हावड़ा-चेन्नई मुख्य

लाइन, भद्रक-कपिलास रोड रेल खंड पर, कोराई स्टेशन पर एक पण्यबहि ट्रेन के पटरी से उतरने से दोनों लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं और ट्रेन संचालन बाधित हो गया। पूर्व तट रेलवे द्वारा बचाव कार्यों के लिए तत्काल एक दुर्घटना राहत ट्रेन और एक दुर्घटना राहत चिकित्सा दल को तैनात किया गया था। रेलवे के जारी प्रयासों से प्रभावित वैगनों को शाम 5.35 बजे के भीतर ट्रैन ट्रैक से बाहर किया गया था। जिससे डाउन लाइन को कम समय में कार्यकारी करने के लिए अनुमति मिला था। उसी तरह मध्य राती से पहले ही दोनों पटरियों को रेल यातायात के लिए साफ कर दिया गया दोनों रेलवे धारणा में ट्रेनों के चलने से पहले ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) कार्यों की बहाली भी युद्धकालीन आधार पर की गई थी। पुनरुधार कार्य में भारी क्षमता वाले मशीनरी उपकरण, यथा एस्काभेटर, खननकारी, कटर, कार्यबल के साथ रेलवे मशीनरी का उपयोग किया गया था।

वेदांता एल्युमीनियम एक्सटूजन उद्योग की उत्पादकता बढ़ाने के लिए मास्टरक्लास का परिचालन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। नयी दिल्ली वेदांत एल्युमिनियम भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक, उन्होंने एक्सटूजन उद्योग की उत्पादकता बढ़ाने के तरीकों पर एक तकनीकी मास्टरक्लास का आयोजन किया। जिसमें एक्सटूजन सेगमेंट में लगभग 60 अग्रणी खिलाड़ियों के करीब 300 प्रतिभागी शामिल थे, जो भारत, यूएस, यूके , पुर्तगाल, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, इजराइल और कई अन्य देश के थे। एक्सटूजन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका उपयोग एक निश्चित क्रॉस-सेक्शन प्रोफाइल की वस्तुओं को डाई के माध्यम से सामग्री को धक्का देकर उत्कृष्ट सतह और उन्नत डिजाइन तैयार करता है। मास्टरक्लास का संचालन दुनिया के अग्रणी एक्सटूजन विशेषज्ञों में से एक श्री जोनाथन पैंगर्बो द्वारा किया गया था, जो कंपनी के ग्राहक तकनीकी सेवा (सीटीएस) सेल के लिए बिलेट एक्सटूजन के तकनीकी सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं। मास्टरक्लास ग्राहकों के लिए वेदांत एल्युमिनियम की ढेरों पेशकशों का हिस्सा था, जिसमें नये उत्पाद का विकास, नये अनुप्रयोग विकास, बाजार विकास, ज्ञान और तकनीकी विशेषज्ञता और भारत के प्रमुख तकनीकी विश्वविद्यालयों और संस्थानों के छात्रों ने भी सत्र में भाग लिया। एल्यूमीनियम आज दुनिया की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण धातु है, जिसमें उच्च शक्ति-से-वजन अनुपात, असाधारण डिजाइन लचीलापन, संक्षारण-प्रतिरोध, विद्युत चालकता और शाश्वत पुनर्चक्रण जैसे अद्वितीय

गुण हैं। एल्यूमीनियम के इन बहुमुखी गुणों को बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक्सटूजन प्रक्रिया की बहुमुखी प्रतिभा द्वारा पूरक किया जा सकता है। एल्युमिनियम की क्षमता किसी भी आकार में निकाली जा सकती है-चाहे कितनी भी जटिल हो, सख्त सहनशीलता के साथ, यह डिजाइन अनुप्रयोगों के लिए एक आदर्श सामग्री बनाती है जिसके लिए क्रॉस-विभाग क्षेत्र से अधिकतम बहुमुखी प्रतिभा की आवश्यकता होती है। वेदांत लिमिटेड का एक व्यवसाय वेदांत एल्युमिनियम भारत का सबसे बड़ा एल्युमीनियम उत्पादक है, जो वित्त वर्ष 2022 में भारत के आधे से अधिक एल्युमीनियम यानी 2.26 मिलियन टन का निर्माण करता है। यह मूल्य वर्धित एल्यूमीनियम उत्पादों में अग्रणी है जो मुख्य उद्योगों में महत्वपूर्ण अनुप्रयोग पाते हैं।

एमसीएल ने किया जूट बैग का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

संबलपुर। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने लोगों को प्लास्टिक की थैलियों को ना कहने तथा छोड़ने और पर्यावरण की देखभाल करने के लिए प्रेरित करने के लिए परिधीय घरों में जूट बैग वितरित करके 'एकल उपयोग प्लास्टिक' के उपयोग को कम करने के लिए एक अभियान शुरू किया है। इस जागरूकता अभियान के पहले चरण में एमसीएल संबलपुर के लोगों में 10,000 जूट बैग वितरित करने की योजना बनाई है। कंपनी अपने एमसीएल के पर्यावरण और वन विभाग के

माध्यम से स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने तथा लोगों के बीच जूट वैग वितरण करने के लिये विभिन्न स्थानों पर सूचना शिविरों का आयोजन कर रही है। इस अभियान के तहत लोगों तथा विशेषकर छात्रों के समुदाय में उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। उत्कृष्टता के 30 वर्षों का जश्न मनाते हुए, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल), भारत सरकार की एक 'मिनी-रत्न' कंपनी ने ओडिशा के अंगुल, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़ और संबलपुर जिलों में फैले अपने कमांड क्षेत्रों में तथा उसके आसपास 6.5 मिलियन से अधिक पौधे लगाये हैं।

मुख्यमंत्री ने हॉकी विश्व कप का पहला टिकट फिलिप तिर्की से लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओडिशा में 2023 हॉकी विश्व कप का आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए तैयारियां खूब तेजी से चल रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने हॉकी विश्व कप का पहला टिकट लिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलिप तिर्की से टिकट प्राप्त किया। हॉकी विश्व कप जनवरी 2023 से कलिंग स्टेडियम में शुरू होगा। इससे पहले 8 सितंबर को मुख्यमंत्री ने हॉकी वर्ल्ड कप 2023 का शेड्यूल जारी किये थे। गौरतलब है कि हॉकी विश्व कप भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जाने वाला है। इसलिए

राज्य सरकार ने पूरी तैयारी तेज कर दी है। राउरकेला और भुवनेश्वर में हॉकी स्टेडियमों को पूरी तरह तैयार कर लिया गया है। 2023 हॉकी विश्व कप में 16 टीमें 4 पूल में खेलेंगी। पूल ए में-ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जबकि पूल बी में- बेल्जियम, जर्मनी, कोरिया, जापान रहा है। इसके अलावा पूल सी में नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, मलेशिया और चिली है, पूल डी में भारत, इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स हैं।

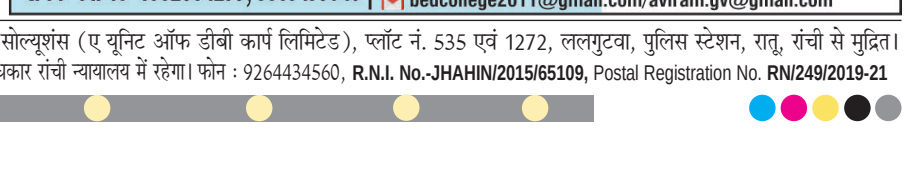

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**